जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 302 प्रभात उदयपुर, बुधवार 4 सितम्बर, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

आर.पी.एस.सी. का तुरन्त पुनर्गठन आवश्यक- सचिन पायलट

उन्होंने कहा, ''मैंने आर.पी.एस.सी. की कार्यप्रणाली पर जो कहा था, उसकी अब पुष्टि हो रही है''

- पायलट ने कहा, ''ई.डी. तथा एस.ओ.जी. द्वारा पेपर लीक प्रकरण में की गई गिरफ्तारियों से आर.पी.एस.सी. की विश्वसनीयता समाप्त हो गयी है।''
- पायलट ने कहा, ''रीट, सैकण्ड ग्रेड टीचर, सब इन्सपैक्टर जूनियर इंजीनियर, वन रक्षक और दर्जनों पेपर लीक प्रकरणों से बेरोज़गार युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ है।''

जयपुर, 3 सितम्बर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने राज्य सरकार से प्रदेश की प्रतिष्ठित संवैधानिक संस्था ''राज्य लोक सेवा आयोग'' की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करने के लिए इसका पुनर्गठन करवाने की मांग की है।

पायलट ने कहा कि सितम्बर, 2023 में ई.डी. द्वारा सैकण्ड ग्रेड टीचर भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में आर.पी.एस.सी. सदस्य बाबूलाल कटारा को गिरफ्तार किया गया था और अब स्पैशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) द्वारा सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में आर.पी.एस.सी. के पूर्व सदस्य रामूराम राईका को गिरफ्तार किया गया है। ई.डी. एवं एस.ओ.जी. द्वारा पेपर लीक प्रकरणों में की गई इन गिरफ्तारियों से आर.पी.एस.सी. जैसी प्रतिष्ठित संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लग गया है। उन्होंने कहा कि मैं पहले भी आर.पी.एस.सी. की कार्यप्रणाली और चयन प्रक्रिया को लेकर अपना पक्ष रखता आया हूँ और उन बातों की अब पुष्टि भी हो रही है।

उन्होंने कहा कि रीट, सैकण्ड ग्रेड टीचर, सब इंस्पेक्टर, जूनियर इंजीनियर, वन रक्षक सहित दर्जनों परीक्षाओं के पेपर लीक होने से प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ है और उनके माता-पिता, परिवारजनों में निराशा व्याप्त हो गई है। युवाओं को अपना भविष्य अंधकार में लग रहा है और वे पूरी तरह से हतोत्साहित हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के लाखों युवा, जो विपरीत परिस्थितियों में पढ़-लिखकर नौकरी पाने के लिए परीक्षाओं की तैयारियां कर रहे हैं और उनके माता-पिता जो दिन-रात मेहनत करके पैसे जुटाकर अपने बच्चों को शिक्षा के संसाधन उपलब्ध करवा रहे हैं, उन सभी में इन नित नए खुलासों से संशय की स्थिति बन रही है कि पेपर लीक होने पर मेहनत विफल न हो जाये।

पायलट ने कहा कि हाल ही के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कीनिया में प्रमुख एयरपोर्ट का टेक ओवर करेंगे अडानी

-सुकुमार शाह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। अडानी एंटरप्राइज़ेज ने कीनिया में एक सब्सिडरी कम्पनी बनाई है क्योंकि अडानी ने कीनिया के जोमो कीनियाटा एयरपोर्ट खरीदने के प्रयास तेज कर दिए है। हालांकि स्थानीय ट्रांसपोर्ट वर्कर इसका भारी विरोध कर रहे हैं। अडानी की मुख्य कम्पनी, जिसके मुखिया गौतम अडानी हैं, ने कीनिया में एयरपोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर पी.एल.सी. (ए.आई.पी.) शुरु की है। यह जानकारी मुम्बई स्थित भारत के नैशनल स्टॉक एक्सचेंज से प्राप्त हुई है।

- कीनिया के इस एयरपोर्ट के कर्मचारी इस टेक ओवर के खिलाफ हड़ताल पर उतरे, उन्हें अपनी नौकरी की सुरक्षा की चिंता है।

पता चला है कि ए.आई.पी. को एयरपोर्ट्स के अधिग्रहण, संचालन, रखरखाव, विकास, डिज़ाइन, निर्माण, अपग्रेडेशन, आधुनिकीकरण और प्रबंध के लिए बनाया गया है। कीनिया की सब्सिडरी, जिसका स्वामित्व अडानी एंटरप्राइज़ेज़ के पास है, के पास अबूधाबी की अडानी की सब्सिडरी ग्लोबल एयरपोर्ट्स ऑपरेटर के जरिए 6.75 मिलियन कीनियन शिलिंग के शेयर्स हैं। हालांकि ए.आई.पी. ने अभी काम शुरु नहीं किया है, पर इस कदम से ऐसा लगता है कि अडानी कीनिया के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अन्तर्राष्ट्रीय निवेश लाने के लिये मुख्यमंत्री द.कोरिया व जापान जायेंगे

''राइज़िंग राजस्थान'' समिट के लिये राज्य सरकार यूनाईटेड किंगडम, ज़र्मनी व संयुक्त अरब अमीरात में भी निवेशक शो करेगी

- 11 से 13 सितम्बर की जापान यात्रा में टोक्यो में रोड शो, नीमराना-डे सैलिब्रेशन तथा कॉरपोरेट मीटिंग आयोजित की गयी हैं।
- 10 सितम्बर को दक्षिण कोरिया में कोरिया स्टोन एसोसिएशन के साथ राउण्ड टेबल कॉन्फ्रैंस होगी।
- दक्षिण कोरिया व जापान में इन्फ्रास्ट्रक्चर, केमिकल्स, ऑटोमोबाइल, इलैक्ट्रॉनिक्स तथा खाद्य प्रसंस्करण आदि के क्षेत्र में अब विशेष ध्यान दिया जायेगा।

जयपुर, 3 सितम्बर (का.सं.)। मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में ''राइजिंग राजस्थान'' समिट की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ''राइजिंग राजस्थान'' समिट में बड़े निवेशकों को लाने के लिए राज्य सरकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निवेशक रोड-शो का आयोजन करने जा रही है। इसी क्रम में 9 से 10 सितंबर को साउथ कोरिया एवं 11 से 13 सितंबर तक जापान में रोड-शो, वन-टू-वन मीटिंग एवं एम.ओ.यू. करके इन्फ्रास्ट्रक्चर, केमिकल्स, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रोनिक्स एवं खाद्य प्रसंस्करण आदि के संबंध में निवेश करने के लिए निवेशकों को आमंत्रित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि साउथ कोरिया के सियोल शहर में 9 सितम्बर को टूरिज़्म रोड-शो का आयोजन किया जाएगा। दस सितम्बर को कोरिया स्टोन एसोसिएशन के साथ राउण्ड टेबल कॉन्फ्रेंस की जाएगी। इसके बाद 11 से 13 सितम्बर की अवधि में जापान के टोक्यो शहर में रोड-शो, नीमराना-डे सेलिब्रेशन एवं कॉर्पोरेट कंपनीज़ के साथ मीटिंग का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी समय में राज्य सरकार यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी एवं संयुक्त अरब अमीरात आदि कई देशों में भी इस तरह का आयोजन करेगी।

शर्मा ने कहा कि ''राइजिंग राजस्थान'' के तहत राज्य सरकार देश और विदेश के विभिन्न शहरों में निवेशक रोड शो आयोजित कर रही है, ताकि विश्वभर के निवेशकों को राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया जा सके। इस माह के अंत में राज्य सरकार दिल्ली में निवेशक रोड-शो का आयोजन करने जा रही है। शर्मा ने कहा कि अधिकारी प्रवासी राजस्थानी उद्योगपतियों से भी समन्वय स्थापित कर उन्हें निवेश संबंधी सभी आयोजनों से जोड़ना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। 9 से 11 दिसंबर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वेतन से ज्यादा रिटारयमैंट बैनिफिट्स, कैसे?'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। कांग्रेस ने मंगलवार को सेबी चीफ माधुरी बुच को किए गए भुगतान पर आई.सी.आई.सी.आई. बैंक द्वारा किए गए बचाव पर जवाबी प्रहार किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जिन्होंने माधवी को सेबी प्रमुख के पद पर नियुक्त किया था, से सवाल किए। कांग्रेस ने कहा कि बैंक के बचाव ने और ज्यादा सवाल खड़े कर दिए है।

- कांग्रेस ने यह सवाल किया, क्योंकि आई.सी.आई.सी.आई. बैंक ने माधवी पुरी बुच को दी गई भारी राशि को रिटायरमैंट बैनिफिट्स बताया है। कांग्रेस ने कहा, माधवी को बैंक से वेतन मिला, 1.3 करोड़ रूपए वार्षिक और पैन्शन मिली 2.77 करोड़ रूपए वार्षिक

कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा कि बैंक ने उन्हें वेतन से ज्यादा पैंशन दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि बुच 2017 से 2024 के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

गुलामों की अपेक्षा उन पर अत्याचार करने वाले की हालत ज्यादा ख़राब होती है। –महात्मा गाँधी

"हील इन राजस्थान" किसकी कीमत पर

खबर है कि राजस्थान सरकार प्रदेश में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक नीति लाने की योजना बना रही है। कहा गया है कि हील इन राजस्थान नाम की यह नीति इस प्रदेश को स्वास्थ्य क्षेत्र में एक मॉडल राज्य बनायेगी जिससे निवेश और रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

सरकार की ओर से ऐसी घोषणाएं होना फैशन हो चला है। आम तौर पर लोकप्रियता पाने के लिये ऐसी घोषणाएं होती हैं जिनके निहितार्थ भी होते हैं। नीतियों की समीक्षा उनके ध्येय और परिणामों को देख कर की जा सकती है। किसी नीति से लोग क्या चाहते हैं और उन्हें उससे हासिल क्या होता है यह देखने की बात है। सरकार नीतियां बनाती है मगर उसके बाद कभी उनकी समीक्षा हुई हो किसी को याद नहीं पड़ता। यह भी सच है कि सरकारी नीतियां बनाने में आम जन की कोई सक्रिय भागीदारी नहीं होती, भले ही सार्वजनिक रूप से विचार आमंत्रित करने की रस्में निभाई जाती रहती हैं। आम जन उनके प्रति उदास ही रहता है, क्योंकि उसने लंबे अनुभव से जान लिया है कि यह सब बातें हैं बातों का क्या। इसलिये यह तो नीति बनने के बाद ही पता चलेगा कि हील इन राजस्थान का नया फैसला पहले से चल रही मेडिकल टूरिज़्म की अवधारणा से कैसे कुछ अलग कर पाएगा। यह भी सब जानते हैं कि उद्योग और निवेश की नीतियां बाजार की ताकतों के प्रभाव से बनती हैं। यह बात भी विद्वान लोग सहमत हैं कि जिनके हाथ में पैसे की ताकत होती है उन्हें कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि कानून कौन बना रहे हैं। दुनिया में शस्त्रों के बाद चिकित्सा व दवा सबसे बड़ा उद्योग है जो पश्चिम के पूंजीवादी जगत से बाहर नई उभर रही अर्थव्यवस्थाओं में अपना वर्चस्व बढ़ा कर अपने बाज़ार की राहें प्रशस्त करने में लगा है। मरीजों के रोगों का निदान, उनका इलाज और उनकी देखभाल नई अर्थ व्यवस्था में मुनाफा देने वाला बड़ा उद्योग है और वह मौजूदा समय में देश में सर्वत्र फल-फूल रहा है। राजस्थान में पिछले काफी समय से राज्य ने शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों क्षेत्रों को पूरी तरह बाजार के हवाले कर दिया है। यह स्पष्ट है कि हील इन राजस्थान नीति बाज़ार के खिलाड़ियों को जमीनें तथा नयी ढांचागत सुविधाएं देने के विधिक प्रबंध करने के लिये लाई जा रही है। सरकार की तरफ से यह कहा जाना कि इस नीति से ;फार्मा और होटल व्यवसाय समेत अन्य उद्यमों को भी बढ़ावा मिलेगा;, इस कदम के पीछे की नीयत को स्पष्ट करता है। यह वैसे ही है जैसे शिक्षा की निजी संस्थानों को बढ़ावा देने की नीतियों से जनता पहले देख चुकी है और जिसका खामियाजा समाज को अब बेदर्दी से भुगतना पड़ रहा है। नीति के समर्थन में निवेश आने की बात की गई है उसका आशय भी स्पष्ट है कि अस्पतालों और उनके संचालन के लिए जरूरी भवनों, उपकरणों तथा मानव संसाधनों में पैसा लगाने के लिये सस्ती ज़मीनें और ढांचागत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि निवेशक उनसे मुनाफा कमा सकें।

लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही विधायिका के प्रति होती है। मगर विधायकों की जवाबदेही मतदाताओं के प्रति कितनी है इसकी हकीकत हर कोई जानता है। फिर भी निर्वाचित सरकार से यह जरूर पूछा जाएगा कि क्या राजस्थान के परंपरागत पर्यटन में इतनी पूर्णता प्राप्त कर ली गई है कि अब पर्यटन के लिये चिकित्सा के नये क्षेत्र खोजने पड रहे हैं। या कि क्या हमारी नागरिक सुविधाओं का ढांचा इतना मजबूत बना लिया गया है कि हम पर्यटकों को अपना सुंदर चेहरा दिखा सकें? और इनसे भी पहले यह कि क्या प्रदेश के नागरिकों को चिकित्सा और स्वास्थ्य की सामान्य व्यवस्था पूरी तरह और माक़ूल तौर पर मुहैया हो गई है? क्या इससे समूचे चिकित्सा और स्वास्थ्य तंत्र में असंतुलन नहीं पैदा हो जाएगा जो गरीब की कीमत पर होगा? मगर अब तो गरीब आदमी के वोट से चुनी सरकार से लोगों ने यह पूछना ही छोड़ दिया है कि नीतियों के नाम पर यह कैसा मायाजाल फैलाया जा रहा है? क्या निर्वाचित सरकारों का ऐसा आचरण लोकतंत्र में स्वीकार्य होना चाहिए? भारत के संविधान के भाग चार के अनुच्छेद 36-51 में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित बातों का वर्णन हैं। ये अनुच्छेद भारत के लोगों के लिए स्वास्थ्य का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए राज्यों का कर्तव्य बताते हैं। अनुच्छेद 47 में सार्वजनिक स्वास्थ्य, पोषण और जीवन स्तर में सुधार करना राज्य का प्राथमिक कर्तव्य बताया गया है। राज्य को औषधीय प्रयोजनों को छोड़कर, स्वास्थ्य के लिए हानिकारक दवाओं और नशीले पेय पदार्थों के सेवन पर भी प्रतिबंध लगाने की अनुशंषा भी इसमें शामिल है। अनुच्छेद 38 राज्य को एक सामाजिक व्यवस्था सुरक्षित करने के लिए उत्तरदायी ठहराता है। अनुच्छेद 39 (ई) श्रमिकों के स्वास्थ्य की रक्षा का राज्य को निर्देश देता है। इसमें राज्य के अन्य कर्तव्य भी शामिल हैं, जैसे बीमारों, बुजुर्गों और विकलांगों को सार्वजनिक सहायता प्रदान करना, माताओं और शिशुओं के स्वास्थ्य की रक्षा करना और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रदूषण मुक्त वातावरण सुनिश्चित करना आदि। मगर खुद सरकार के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले दो दशकों में देश की आबादी में रुग्णता की दर में भारी वृद्धि हुई है, खासकर गैर-संचारी रोगों के लिए। भारत में होने वाली मौतों के कुल कारणों में गैर-संचारी कारणों से होने वाली मौतों की हिस्सेदारी कुल मौतों में अब तक के उच्चतम 66 प्रतिशत पर है। पुरानी बीमारियों में वृद्धि के साथ, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के आंकड़ों से भी एक चिंताजनक प्रवृत्ति का पता चलता है। हमें यह भी ध्यान में रखना है कि भारत की जनसंख्या वृद्धावस्था की ओर बढ़ रही है, समग्र मृत्यु दर में कमी आ रही है, लेकिन रुग्णता दर, विशेष रूप से पुरानी गैर-संचारी रोगों से बोझ, पहले से कहीं अधिक बढ़ रहा है। नीति निर्माताओं को स्वास्थ्य विशेषज्ञ निरंतर चेताते या रहे हैं कि भारत का स्वास्थ्य बोझ उच्च मृत्यु दर से उच्च रुग्णता की ओर बढ़ रहा है, जिसके लिए बढ़ती आबादी में निवारक देखभाल और पुरानी बीमारियों के प्रबंधन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सतत विकास लक्ष्य 2030 भी रोकथाम और उपचार के माध्यम से संचारी रोगों की महामारी को समाप्त करने और गैर-संचारी रोगों से होने वाली असामयिक मृत्यु दर को एक तिहाई तक कम तक लाने की बात करते हैं। स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने, गैर-संचारी रोगों का शीघ्र पता लगाने और स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच को बढ़ावा देने वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप महत्वपूर्ण होते हैं जिसमें राज्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। स्वस्थ भविष्य के लिए पोषण और स्वास्थ्य देखभाल तक आम आदमी की सहज पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है जिसके लिये संविधान के निर्देश भी है। किन्तु आम आदमी के नाम पर बनने वाली अधिकतर नीतियां मुनाफाखोर बाजार की ताकतों के भले के लिये बनती है। हील इन राजस्थान नीति को इसी परिपेक्ष्य में समझना होगा और आम नागरिक को जागरूक होना होगा कि उनके द्वारा चुकाये जाने वाले करों का पैसा किनकी जेब में जाने के लिये खर्च किया जाता है। आयकर को छोड़ दें तो उसके अलावा भी आम आदमी को कदम-कदम पर सरकारी शुल्क चुकाने पड़ते हैं जिनके बारे में लेखा परीक्षण की संवैधानिक संस्था सीएजी हर साल अपनी रिपोर्टों में ऐसी-ऐसी अनियमितताऐं उजागर करती है जो किसी को भी परेशान कर सकती है। वे विधायिका के समक्ष प्रस्तुत की जाती है ताकि कार्यपालिका पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। मगर भ्रष्टाचार की सुरसा का मुंह बढ़ता जाता ही दिखता है।

> **सरकारी व्यवस्थाओं की जो दुर्दशा है उसको ठीक करने की नीति बनाने की किसी को याद नहीं आती। बिना ढांचागत व्यवस्था बनाये सरकारी और निजी क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज खोल देना और सरकारी अमले के वेतन भत्तों के बढ़ते खर्चों के लिये बजट आवंटन बढ़ा देने भर से संविधान के नीति निर्देशक सिद्धांत पूरे नहीं होते। यह घोषणा भर कर देने से कि ;स्वास्थ्य देखभाल राज्य के लिए एक मुख्य प्राथमिकता है लोक कल्याणकारी चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित नहीं होती।**

सवाल उठता है कि क्या बाजार में अंधाधुंध मुनाफा कमाने वाली की शक्तियों के हित में बनाई जाने वाली लोक लुभावन नीतियों पर उन मतदाताओं का कोई नियंत्रण है जिनके जीवन को वे प्रभावित करने वाली है? बहुतों को लगता है कि नई सरकार भी पिछली अशोक गहलोत सरकार जैसी शगूफ़ेबाजी और प्रचार के प्रपंच में पड रही है। नई नीति में नया क्या होगा? अब तक यह 'मेडिकल टूरिज़्म' नाम से इसे पहचाना जाता था। बाजार की ताकतें नाम और रैपर बदल कर पुराना साबुन नया बता कर बेचने का हुनर रखती हैं। ऐसी नीतियां सत्तारूढ़ पार्टी का संगठन नहीं बनाता। नीति के नाम पर अधिक सुविधाएं मुनाफे वाले निजी संस्थानों को देने के नये-नये तरीके नौकरशाही तैयार करती है। दुर्भाग्य से हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि इतने अनाड़ी होते हैं कि उन्हें खबर ही नहीं होती कि नौकरशाही उनसे क्या खेल खिला रही है। मसौदा नीति के अनुसार, राजस्थान का स्वास्थ्य देखभाल का बुनियादी ढांचा मजबूत है और इसका लगातार विस्तार हो रहा है। सरकारी और निजी क्षेत्र में 8,000 से अधिक अस्पताल हैं। इनमें से 400 से अधिक मल्टी-स्पेशियलिटी या सुपर-स्पेशियलिटी संस्थान हैं। किन्तु चिकित्सा और स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे की ज़मीनी हकीकत से कौन वाकिफ नहीं है! सरकारी व्यवस्थाओं की जो दुर्दशा है उसको ठीक करने की नीति बनाने की किसी को याद नहीं आती। बिना ढांचागत व्यवस्था बनाये सरकारी और निजी क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज खोल देना और सरकारी अमले के वेतन भत्तों के बढ़ते खर्चों के लिये बजट आवंटन बढ़ा देने भर से संविधान के नीति निर्देशक सिद्धांत पूरे नहीं होते। यह घोषणा भर कर देने से कि ;स्वास्थ्य देखभाल राज्य के लिए एक मुख्य प्राथमिकता है लोक कल्याणकारी चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित नहीं होती। स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के असमान वितरण की तकलीफ गरीब ही भुगतता है। काश नीति निर्माताओं को यह समझ आये।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

डिजिटल अरेस्ट : एक नवीनतम साइबर अपराध

प्रो. अशोक कुमार

डिजिटलाइजेशन के जमाने में साइबर अपराधी रोजाना नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को साइबर ठगी का शिकार कर रहे है। साइबर अपराधी लोगों को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर देश के विभिन्न स्थानो पर साइबर ठगी कर रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट एक नवीनतम साइबर अपराध है जिसमें ठग पुलिस, सीबीआई या कस्टम अधिकारी बनकर आपको कॉल करते हैं और डरा-धमकाकर घर पर ही बंधक बना लेते हैं। वे आपको बताते हैं कि आप किसी अपराध में शामिल हैं और आपको गिरफ्तार किया जाएगा। फिर वे आपको पैसे देने के लिए मजबूर करते हैं ताकि आपकी गिरफ्तारी से बचा जा सके।

डिजिटल अरेस्ट का इतिहास: - डिजिटल अरेस्ट एक अपेक्षाकृत नया शब्द है, जो तकनीक के बढ़ते उपयोग और साइबर अपराधों में वृद्धि के साथ उभरा है। हालांकि, इसके मूल में छिपी तकनीकें और धोखे बहुत पुरानी हैं। धोखाधडी का इतिहास मानव सभ्यता जितना पुराना है। लोग हमेशा से धन या अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए दूसरों को धोखा देते रहे हैं। तकनीक के विकास के साथ धोखे के तरीके भी बदलते गए। पहले लोग व्यक्तिगत रूप से संपर्क करके धोखा देते थे, फिर टेलीफोन का उपयोग हुआ, और अब इंटरनेट और मोबाइल फोन का उपयोग किया जा रहा है। इंटरनेट के आगमन के साथ साइबर अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई। हैकिंग, फिशिंग, और रैंसमवेयर जैसे अपराध आम हो गए। डिजिटल अरेस्ट का मूल टेलीमार्केटिंग धोखे में देखा जा सकता है। जहां ठग लोगों को फोन करके विभिन्न उत्पादों या सेवाओं को बेचने की कोशिश करते थे, वहीं धीरे-धीरे उन्होंने धमकी और डराने की रणनीति अपना ली। इंटरनेट के व्यापक उपयोग के साथ, साइबर अपराध भी बढ़ गए। धोखेबाजों ने लोगों को लुभाने के नए तरीके खोजने शुरू कर दिए। कोविड-19 महामारी के दौरान, जब लोग अधिक ऑनलाइन थे, डिजिटल अरेस्ट जैसे धोखे और भी आम हो गए। डिजिटल अरेस्ट इन साइबर अपराधों का ही एक रूप है। इसमें साइबर अपराधी पुलिस या अन्य सरकारी अधिकारी बनकर लोगों को डरा-धमकाकर पैसा ऐंठते हैं। यह धोखा उन लोगों को निशाना बनाता है जो तकनीक से पूरी तरह परिचित नहीं हैं।

डिजिटल अरेस्ट कैसे होता है? - डिजिटल अरेस्ट के शुरुआती दिनों में साइबर अपराधी ईमेल या टेक्स्ट मैसेज के माध्यम से संपर्क करते थे। बाद में सोशल मीडिया का उपयोग करके लोगों को निशाना बनाया जाने लगा। अब साइबर अपराधी वॉयस कॉलिंग का उपयोग करके लोगों को डरा-धमकाते हैं। समय के साथ डिजिटल अरेस्ट के तरीके अधिक परिष्कृत होते जा रहे हैं। साइबर अपराधी अब अधिक यथार्थवादी लगने वाले कॉल और वीडियो का उपयोग करते हैं।

आपको अक्सर किसी अज्ञात नंबर से कॉल आएगा जिसमें खुद को पुलिस, सीबीआई या कस्टम अधिकारी बताया जाएगा। वे आपको डरा-धमकाकर बताएंगे कि आप किसी गंभीर अपराध में शामिल हैं और आपके खिलाफ वारंट जारी हो चुका है। वे आपसे आपका बैंक खाता नंबर, पासवर्ड और अन्य गोपनीय जानकारी मांगेंगे। पैसे देने के लिए मजबूर करना: वे आपको पैसे देने के लिए मजबूर करेंगे ताकि आपकी गिरफ्तारी से बचा जा सके।

डिजिटल अरेस्ट क्यों खतरनाक है? - इस धोखे में आप अपना सारा पैसा गंवा सकते हैं। इस तरह के धोखे से आप मानसिक रूप से बहुत परेशान हो सकते हैं। इस धोखे में आपकी व्यक्तिगत जानकारी चोरी हो सकती है जिसका उपयोग अन्य अपराधों में किया जा सकता है।

डिजिटल अरेस्ट से कैसे बचें? - अगर कोई अज्ञात नंबर से कॉल आता है तो उसे उठाएं नहीं। पुलिस कभी भी फोन पर पैसे नहीं मांगती! अगर कोई खुद को पुलिस अधिकारी बताकर पैसे मांगता है तो समझ जाएं कि यह धोखा है। अपनी व्यक्तिगत जानकारी जैसे बैंक खाता नंबर, पासवर्ड आदि किसी को न बताएं। सावधान रहें और संदेह होने पर किसी विश्वसनीय व्यक्ति से सलाह लें: अगर आपको कोई संदेह होता है तो किसी विश्वसनीय व्यक्ति जैसे परिवार के सदस्य, दोस्त या पुलिस से सलाह लें। पुलिस कभी भी फोन पर पैसे नहीं मांगती। अगर आपको कोई ऐसा कॉल आता है तो तुरंत पुलिस में शिकायत करें।

निष्कर्ष:– डिजिटल अरेस्ट एक ऐसा धोखा है जो लगातार विकसित हो रहा है। साइबर अपराधी नए-नए तरीके खोज रहे हैं लोगों को धोखा देने के लिए। इसलिए, हमें हमेशा सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अज्ञात नंबर से आने वाले कॉल पर विश्वास नहीं करना चाहिए।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय

भारत सरकार को सुझाव : आवश्यकता है एनसीसी व स्काउट गाइड को आपदा प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित किए जाने की

सुनील दत्त गोयल

भारत, एक ऐसा देश है जहां प्राकृतिक आपदाएँ जैसे बाढ़, भूकंप, आगजनी, रेल, सड़क, पुल दुर्घटनाएँ, बड़े समारोहों में भगदड़ और चक्रवात जैसी घटनाएँ अक्सर होती हैं, आपदा प्रबंधन की तैयारियों को और मजबूत करने की सख्त आवश्यकता है। इस दिशा में राष्ट्रीय कैडेट कोर और स्काउट गाइड जैसे संगठनों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो सकती है। वर्तमान में, ये संगठन देश की युवा शक्ति को अनुशासन, नेतृत्व, और सामाजिक सेवा की दिशा में प्रशिक्षित कर रहे हैं।

सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्कूलों के पाठ्यक्रमों में ऐसे बदलाव हों जिससे इन बच्चों को प्रारम्भ से ही आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग मिल सके। साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण है कि स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में आपदा प्रबंधन का स्पेशलाइजेशन हो और इन संगठनों के छात्रों को इसमें प्राथमिकता दी जाए।

इसके अतिरिक्त, राज्य और केंद्र सरकारों में उनकी भर्ती में प्राथमिकता देने से एक सशक्त कार्यबल तैयार किया जा सकता है जो न केवल आपदाओं में बल्कि बड़े सामाजिक, धार्मिक, और राजनीतिक आयोजनों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा। इस प्रकार का आत्मरक्षा बल तैयार करना राष्ट्र निर्माण में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

एनसीसी और स्काउट गाइड का महत्व

एनसीसी और स्काउट गाइड के माध्यम से छात्रों को अनुशासन, नेतृत्व, और आपातकालीन प्रतिक्रिया कौशल सिखाए जाते हैं। ये संगठन छात्रों को आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षित करके देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही, इन संगठनों में शामिल होने से छात्रों में राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना भी विकसित होती है।

एनसीसी के आंकड़े

कुल कैडेट्स: वर्तमान में ब्ब में लगभग 17 लाख कैडेट्स हैं, और सरकार ने इसे अगले 10 वर्षों में 27 लाख तक बढ़ाने की योजना बनाई है।

सक्रिय शाखाएँ: NCC के देशभर में 17 निदेशालय हैं, जो विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं।

प्रशिक्षण संरचना: हर ब्ब बटालियन में 2,520 कैडेट्स को प्रशिक्षित करने की क्षमता है, जिससे यह संगठन विश्व का सबसे बड़ा युवा संगठन बनता है।

स्काउट गाइड के आंकड़े

कुल सदस्य: भारत में स्काउट और गाइड के लगभग 15 लाख सदस्य हैं, जो विभिन्न राज्यों में सक्रिय हैं।

सक्रिय शाखाएँ: स्काउट गाइड का नेटवर्क देश के कई शहरों और गांवों में फैला हुआ है, जो युवाओं को नेतृत्व और सामाजिक सेवा में प्रशिक्षित करता है।

ऐतिहासिक घटनाओं से सीख - भारत के विभिन्न हिस्सों में आई आपदाओं के दौरान एनसीसी और स्काउट गाइड कैडेट्स ने अपने साहसिक योगदान से यह साबित किया है कि वे संकट के समय देश और समाज की सेवा में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं।

2001 का भुज भूकंप: इस आपदा के दौरान, एनसीसी कैडेट्स ने राहत कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें बचाव अभियान और राहत सामग्री वितरण शामिल था। उनकी तत्परता और प्रशिक्षण ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को तेज किया।

2013 का उत्तराखंड बाढ़: एनसीसी और स्काउट गाइड के सदस्यों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने और राहत सामग्री वितरित करने में मदद की।

COVID-19 महामारी: महामारी के दौरान, एनसीसी कैडेट्स ने जन जागरूकता अभियान चलाने और सुरक्षित प्रथाओं का पालन करने के लिए समुदायों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने प्रशासन के साथ मिलकर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे लोगों को सही जानकारी मिल सकी।

इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि NCC और स्काउट गाइड के सदस्य आपदाओं के समय में अत्यधिक कुशल और समर्पित होते हैं। यदि इन्हें औपचारिक प्रशिक्षण दिया जाए, तो वे और भी अधिक प्रभावी ढंग से अपनी जिम्मेदारियों को निभा सकते हैं।

सरकारी नीतियों में सुधार की आवश्यकता

भारत को आपदा प्रबंधन में और सशक्त बनाने के लिए सरकार को निम्नलिखित ठोस कदम उठाने चाहिए:–

1. आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षण: NCC और स्काउट गाइड के सभी कैडेट्स को आपदा प्रबंधन का अनिवार्य प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, जिसमें बाढ़, भूकंप, आग, और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के तरीके सिखाए जाएं।

2. विशेष कोर्स की शुरुआत: स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर आपदा प्रबंधन में विशेष कोर्स शुरू किए जाने चाहिए, जिसमें NCC और स्काउट गाइड के छात्रों को प्राथमिकता दी जाए।

3. रोजगार में प्राथमिकता: एनडीआरएफ और एसडीआरएफ में भर्ती के समय भी NCC और स्काउट गाइड के छात्रों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जिससे आपदा के समय त्वरित और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित हो सके।

निष्कर्ष:–NCC और स्काउट गाइड जैसे संगठनों में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण जोड़ने से न केवल आपदा के समय देश को सशक्त बनाया जा सकता है, बल्कि छात्रों के बीच इन संगठनों की लोकप्रियता भी बढ़ाई जा सकती है।

इसके साथ ही, सरकार को आपदा प्रबंधन के लिए समर्पित कोर्सेज की शुरुआत करनी चाहिए, जिसमें इन संगठनों के छात्रों को प्राथमिकता मिले। इतिहास में देखे गए योगदान के उदाहरण हमें यह बताते हैं कि NCC और स्काउट गाइड के प्रशिक्षित सदस्य आपदाओं के दौरान कितना महत्वपूर्ण काम कर सकते हैं। यदि इन्हें और अधिक औपचारिक प्रशिक्षण और अवसर प्रदान किए जाएं, तो ये संगठन समाज के लिए एक अमूल्य संपत्ति बन सकते हैं।

–सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक,
इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, जयपुर, राजस्थान

बदहाल व्यवस्था को लेकर लोगों में नाराजगी, प्रदर्शन किया

प्रशासन पर सौतेला व्यवहार का आरोप लगाया

अजमेर, (कासं)। अजमेर नगर निगम के वार्ड संख्या सात की तीन कॉलोनियों दीप दर्शन, नवदुर्गा कॉलोनी, एकता नगर के क्षेत्रवासियों ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया। क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि इन दिनों वे नाकरीय जीवन जीने को मजबूर हैं। कॉलोनियों की सड़कें टूटी हैं, बरसात के पानी की निकासी नहीं होने से गलियों, घरों के बाहर व खाली प्लाटों में पानी भर जाता है। पानी जमा होने से मच्छर पनपने लगे हैं, ऐसे में बीमारियों का खतरा उत्पन्न हो गया है। क्षेत्रवासियों ने बदहाल व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई और जन प्रतिनिधियों सहित नगर निगम, जिला प्रशासन पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए व्यवस्था सुधारने की मांग की।

क्षेत्रवासी गोविंद सिंह राठौड़ ने बताया कि उनकी कॉलोनी सोमलपुर पंचायत में आती है। वर्ष 2004 में दीप दर्शन, एकता नगर और नवदुर्गा कॉलोनी बनाई गई थी। गली नंबर 1 से लेकर 21 नंबर तक की गालियां बसी हुई है। ग्राम पंचायत सोमलपुर द्वारा कोई भी काम नहीं किया गया है। जब से कॉलोनियां बसी है, तब से लेकर आज तक मूलभूत सुविधाओं का आभाव रहा है।इस संबंध में सांसद, विधायक, सरपंच व पार्षद को कई बार लिखित में अवगत कराने के बाद भी उनकी समस्या जस की तस बनी हुई है। उन्होंने बताया कि बरसात का पानी जमा होने से मच्छरों के कारण रहना मुश्किल हो चुका है। पानी इतना भरा हुआ कि एम्बुलेंस भी कॉलोनी में नहीं आ सकती है। गर्भवती महिला को भी सड़क पर ला नहीं सकते हैं।

क्षेत्रवासी आनंद सिंह ने बताया कि सरपंच, विधायक सहित अधिकारियों को कॉलोनी की बदहाल व्यवस्था को लेकर शिकायत दे चुके हैं, लेकिन आज तक इस पर कोई सुनवाई नहीं हुई है। सोमलपुर गांव का पूरा पानी तीनों कॉलोनी में भर चुका है, जिसके कारण कॉलोनी की सड़कें और नालियां खराब हो चुकी है।

लोगों ने बताया कि मानसून के दौरान यहां पर हालात बहुत खराब हो जाते हैं। गलियों में दो से तीन फीट तक बरसात का पानी भर जाता है। जल कर्फ्यू की वजह से लोग अपने घरों में कैद हो जाते हैं। बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं। ऐसे में उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यही हाल शहर के कई अन्य कॉलोनियों का भी है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि बदहाल कॉलोनियों की व्यवस्था सुधारी जाए।

रूफ टॉप सोलर के प्रति आमजन को जागरुक किया

> ■ **अजमेर डिस्कॉम का सौर ऊर्जा जागरुकता शिविर आयोजित**

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम द्वारा मंगलवार को सोलर के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से अजमेर सर्किल के पुष्कर, किशनगढ़, रूपनगढ़ तथा नसीराबाद कार्यालयों पर शिवर का आयोजन कर आमजन व उपभोक्ताओं को सोलर एनर्जी के प्रति जागरूक किया। कैम्प में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संस्था के पदाधिकारी सहित आमजन मौजूद रहे।

अधीक्षण अभियंता दिनेश सिंह ने बताया कि प्रबंध निदेशक केपी वर्मा के निर्देश पर अजमेर सर्किल के पुष्कर, किशनगढ़, रूपनगढ़, नसीराबाद कार्यालयों में आमजन को सोलर के प्रति जागरूकता के लिए शिविर का आयोजन किया गया। प्रदेश में सोलर एनर्जी की असीम संभावनाएं है, इसके मद्देनजर पीएम सूर्य घर योजना के तहत शिविर आयोजित कर आमजन व उपभोक्ताओं को रूफ टॉप सोलर के प्रति जागरुक किया जा रहा है। उपभोक्ता घर की छत पर सोलर लगाकर विद्युत का उत्पादन कर सकता है तथा अधिक बनी बिजली को डिस्कॉम को बेचकर मुनाफा भी कमा सकता है। जनसम्पर्क अधिकारी सतीश सोनी ने बताया कि कैम्प में आमजन ने प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के बारे में विस्तार से जाना। पुष्कर, रूपनगढ़, किशनगढ तथा नसीराबाद में लगाए गए शिविरों का अवलोकन कर आमजन के सवालों के जवाब भी दिए। सौर उर्जा प्लांट लगाने वाले को एक किलोवाट पर पंद्रह हजार, दो किलोवाट पर तीस हजार व उससे अधिक किलोवाट के सोलर प्लांट लगाने पर 78 हजार रुपए की सरकार द्वारा सब्सिडी भी प्रदान की जाएगी। वर्तमान में सोलर एनर्जी बढ़ती हुई बिजली की मांग को संतुलित करने का अहम साधन है। इसलिए आमजन से उम्मीद है कि इस योजना के तहत घरों पर सोलर प्लांट स्थापित करवा सकते हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 4 सितम्बर, 2024

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र गुरूवार प्रात: 6:14 तक, साध्य योग रात्रि 8:02 तक, बव करण प्रात: 9:47 तक, चन्द्रमा प्रात: 9:55 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-मिथुन, बुध-कर्क, गुरू-वृष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज बुध मघा सिंह में दिन 11:22 पर प्रवेश करेगा। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति है। आज नक्त व्रत पूर्ण होंगे और मीन व्रत (जैन) आरम्भ होंगे। आज प्रथम प्रकाश उत्सव (प्राचीन मत) गुरू ग्रंथ साहिब है। आज आखिरी चाहर शम्बा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:19 तक, शुभ 10:52 से 12:26 तक, चर 3:33 से 5:07 तक, लाभ 5:07 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:40

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जा सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह

आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

धनु

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मीन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार का असहयोग आंदोलन जारी

राजसमन्द, ०(निसं)। शासन - प्रशासन एवं अन्य अधिकारियों द्वारा विधि का पालन न करने और ठगी पीडितों का भुगतान न करने के विरुद्ध 1 सितम्बर 2024 से राजसमंद ठगी पीडित जमाकर्ता परिवार ठपजप संगठन ने जिला कलक्टर डॉ भंवलाल को ज्ञापन सौंपकर सरकार के विरुद्ध अनिश्चितकालीन असहयोग आंदोलन की घोषणा की और अपनी मांगों को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। ठगी पीडित जमाकर्ता परिवार, निवेशक और अभिकर्ताओं का 1 सितंबर 2024 सुबह 1० बजे से जिला कलेक्ट्रेट शहीद स्मारक के पास सम्पूर्ण देश में बेईमान सिस्टम के विरुद्ध अहिंसक शांतिपूर्ण अनिश्चितकालीन असहयोग आंदोलन जारी है।

सत्याग्रही (धरना स्थल) पर ही मांग पूरी न होने तक बैठे रहेंगे। हालांकि अनिश्तिकालीन असहयोग आंदोलन मंगलवार को तीसरे दिन भारी बारिश के कारण बाधित रहा। गौरतलब है कि संसद ने सर्वसम्मति से वर्ष 2019 में अनियमित जमा योजनायें पाबंदी कानून 2019 (बैनिंग ऑफ अनरेग्युलेट डिपॉजिट स्कीम्स एक्ट 2019) बनाकर ठग कम्पनीज एवं ठग सोसाइटीज में डूबी हुई जमा राशि को पीडित आवेदक को 180दिन में जमाराशि के दो से तीन गुणा वापस दिलाने का कानूनी अधिकार दिया था। अनियमित जमा योजनाएं पाबन्दी अधिनियम 2019 के अंतर्गत देश के प्रत्येक जिले में पीडित आवेदकों से आवेदन लेने और उनका भुगतान करने के लिए भुगतान पटल की स्थापना कागजों में हुई थी, अनियमित जमा और नियमित जमा योजनाओं में जनता के जमाधन की वापसी के लिए संसद और सरकार ने देशभर में विशेष न्यायालय, सक्षम अधिकारी, सहायक सक्षम अधिकारी और अन्य नोडल एजेंसीज का चयन एवं नियुक्ति की थी और कानून बनाकर जनता को यह विश्वास दिलाया था कि सरकार उनका डूबा हुआ ठगा गया धन वापस करेंगी और दोषी संचालकों को दण्डित करेंगी।

समयबद्ध कानून के लागू होने के 5 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी बहुत से राज्यों एवं जिलों में संघ या राज्यों ने (बैनिंग ऑफ अनरेग्युलेट डिपॉजिट स्कीम्स एक्ट 2019)के अंतर्गत पीडितों से न आवेदन आमंत्रित किए न आवेदन लेने के बाद उनका धन विधिसम्मत रूप से वापस किया जो करोडों नागरिकों के साथ अन्याय है जिसका प्रतिकार करना हमारा धर्म है, अधिकार है। यदि शासन प्रशासन ने कानून पर विधि पूर्वक कार्य आरंभ किया होता तो अब तक सभी पीडितों का भुगतान हो गया होता और लाखों निवेशक प्रताडित एजेंट्स मौत के मुंह में जाने और पलायन एवं उत्पीडन से बचाए जा सकते थे। जिले के नगरो और गांवों में लाखों ठगी पीडित हैं जिनकी परिश्रम से कमाई पूंजी सरकारी एजेंसीज और ठगों के पास फंसी है। क्षेत्र में उपरोक्त कानून के अंतर्गत भुगतान शिविर लगवाकर ठगी पीडितों की जमा राशि का भुगतान अविलम्ब कराएं और दोषी अधिकारियों तथा ठगों को दण्डित करवाकर उनके मन में कानून के प्रति सम्मान करने की भावना पैदा करें। ठगी पीडित जमाकर्ता परिवार, निवेशक और अभिकर्ताओं का 1 सितंबर 2024 सुबह 10 बजे से जिला कलेक्ट्रेट शहीद स्मारक के पास सम्पूर्ण देश में बेईमान सिस्टम के विरुद्ध अहिंसक शांतिपूर्ण अनिश्चितकालीन असहयोग आंदोलन आरम्भ जारी है। सत्याग्रही सत्याग्रह (धरना स्थल) पर ही मांग पूरी न होने तक बैठे रहेंगे।

सार-समाचार

रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना लागू

उदयपुर, (कासं)। राज्य सरकार की बजट घोषणा की क्रियान्विति में रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना' एक सितंबर 2०24 से लागू हो गई है। इस योजना के तहत जिले के समस्त राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के परिवार पात्र होंगे। जिला रसद अधिकार गीतेश मालवीय ने बताया कि वर्तमान में जिले में 4 लाख 18 हजार 974 पात्र परिवारों को इस योजना का लाभ प्राप्त होगा। इस योजना के तहत लाभार्थियों को सब्सिडी दी जाएगी ताकि उपभोक्ताओं को 450 रूपये ही सिलेण्डर के लिये खर्च करने पडेगें। 450 रूपये से अधिक राशि का भुगतान करने पर अधिक भुगतान की गई राशि उपभोक्ताओं के बैक खातें में सब्सिडी के रूप में जमा होगी। सब्सिडी प्राप्त करने के लिये उपभोक्ताओं को खाद्य सुरक्षा योजना में सर्वप्रथम ई-केवाईसी करवानी होगी। इसके पश्चात् अपने राशन कार्ड को एलपीजी आईडी व जनआधार से सीडिंग करवानी होगी। यह कार्य नजदीकी ई-मित्र द्वारा अथवा राशन डीलर द्वारा किया जा रहा है। इस योजना के तहत एक माह में एक सिलेंडर मिलेगा एक से अधिक सिलेंडर खरीदने पर अतिरिक्त सिलेण्डर पर सब्सिडी देय होगी। डीएसओ ने बताया कि इस योजना के तहत प्राप्त गैस सिलेंडर का उपयोग केवल घरेलू कार्यों के लिये ही किया जा सकता है। यदि इस योजना में प्राप्त सिलेंडर का दुरुपयोग किया जाता है तो जिला रसद कार्यालय की टीम द्वारा इसे जब्त कर कानूनी कार्यवाही की जायेगी और सब्सिडी भी बंद कर दी जायेगी। इस कार्य में लिप्त गैस एजेन्सी पर भी प्रभावी कार्यवाही की जावेंगी। इस हेतु राज्य स्तर व जिला स्तर से टीम गठित की जा रही है। उपभोक्ता अपनी सीडिंग इत्यादि पूर्ण कर लें ताकि इसी माह से लाभ मिलना प्रारंभ हो।

कलक्टर ने किया उदयसागर का दौरा

उदयपुर, (कासं)। मंगलवार का दिन लेकसिटी के लिए मंगलमय रहा। अल सुबह से ही गरजते इठलाते मेघों ने खूब शोर मचाया और मंगलगान करते हुए जमकर मेहर बरसाई। मध्यम से तेज गति से हुई इस बरसात से झीलों की नगरी मुस्कराती हुई दिखी। बरसात का आलम यह रहा कि मध्याह्न पूर्व तक उदयपुर के प्रमुख जलाशय यथा पिछोला, स्वरूप सागर, थूर की पाल, छोटा मदार, बेदला एनिकट आदि लबालब हो गये। पिछोला से स्वरूप सागर के मार्ग से आयड होकर उदयसागर पहुंचने वाली जलराशि को देखने शहरवासियों का हुजूम उमडा। इधर, भारी बरसात और लबालब हो रहे जलाशयों को देखते हुए जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने उदय सागर का दौरा किया और उदयसागर का गेट खोलने के बाद बहती जलराशि के साथ झील में जल आवक और निकासी के बारे में जानकारी ली। उन्होंने वहां उदयसागर पाल की विजिट कर पास बने पार्क के सौंदर्य व स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने, झीलों के समीप सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने आदि के बारे में निर्देश दिए। इस अवसर पर जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता भी साथ रहे।

आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। ऋषभदेव थाना पुलिस ने बाइक सवार के साथ लूट की वारदात करने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 8 अप्रेल को पीडित मोहन पुत्र हरुमा मीणा निवासी नेनबारा फला डागोल वाघपुरा ने ऋषभदेव पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसनेबताया कि तडके मैं व मेरा भाइ रंगलाल दोनों बाइक पर जयसमंद से ऋषभदेव होकर गांव जा रहे थे। जहां बीच रास्ते मयुर धागा मील के आगे आए दो बाइक पर सवार लडकों ने रोक कर मारपीट कर बाइक छिन ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राहर के सुपरविजन में ऋषभदेव थानाधिकारी घनश्यामसिंह के नेतृत्व में एएसआई श्यामसुन्दर मय टीम ने मामले में वांछित आरोपी पंकज पुत्र बसु निवासी बिलख कलावत ऋषभदेव को गिरफ्तार किया। इस मामले में पूर्व में राजेन्द्र, अनिल एवं अंकित को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

शव सौंपा

उदयपुर, (कासं)।फलासिया थाना क्षैत्र में हुए सड़क हादसे में घायल दो युवको की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने दोनों का शव परिजनों को सौंप दिया। प्रकरण के अनुसार सोमवार सांय फलासिया थानाक्षैत्र सोम रोड़ पर नालवा से फलासिया की तरफ आ रही कार ने फलासिया से पारवा नालवा जा रही बाइक को टक्कर मार दी थी। हादसे में बाइक सवार नालवा पानरवा निवासी दिनेश (30) पुत्र नाथूजी की मौके पर ही मौत हो गई तथा सुरेश पुत्र मन्नालाल (24) तथा राकेश (27) पुत्र गोतम बुम्बडिया निवासी नालवा पानरवा गंभीर घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर फलासिया थानाधिकारी सिताराम, हेडकांस्टेबल रमेश ने मौके पर पहुंच कर दोनों को एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां दोनों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। तीनों उदयपुर शहर में मजदूरी करते थे एवं बाइक पर फलासिया से नालवा की तरफ जा रहे थे। जहां बीच रास्ते हादसा हो गया।

पौष्टिक आहार कार्यक्रम

उदयपुर, (कासं)। संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन का आधार। ये विचार महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अंतर्गत कार्यरत अखिल भारतीय समन्वित महिला अनुसंधान परियोजना के तहत बडगाम पंचायत समिति के चयनित न्यूट्री स्मार्ट गाँव थूर में पोषण माह के उपलक्ष्य में सभी के लिए पौष्टिक आहार कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक, आहार विज्ञान एवं पोषण विभाग की सह आचार्य डॉक्टर विशाखा सिंह ने व्यक्त किये । आपने महिलाओं को संतुलित आहार का मानसिक एवं शारीरिक विकास में महत्व बताया एवं इसे तैयार करने हेतु मौसमी एवं स्थानीय रूप से उपलब्ध भोज्य पदार्थों को उपयोग में लेने की सलाह दी. सहायक आचार्य डॉ. सुमित्रा मीणा ने पोषण माह की जानकारी देते हुए बच्चों एवं माँ के लिए पोषण के लिए सही पोषण के बारे में जागरूक किया ।

छेड़छाड़ का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित ने आरोपी मोहनसिंह सोलंकी निवासी पायड़ा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि 31अगस्त को आरोपी पीडित की बच्ची को खिलोना देने के बहाने अपने घर ले आया। जहां उसके साथ छोड़छाड़ की। इसका पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच प्रतापनगर थ थानाधिकारी भरत योगी कर रहे है।

चिकित्सालय से नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। जिले के झाड़ोल कस्बे में स्थित निजी चिकित्सालय में घुस कर चोर नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार झाड़ोल से उदयपुर रोड़ पर स्थित जागृति चिकत्सालय में सोमवार रात में घुसे तीन बदमाश गल्ले से 1 लाख 25 हजार रूपये नकदी निकाल ले गए। रात में चिकित्सालय का गेट बंद था एवं दीपक पूर्बिया काउंटर के पिछे स्थित बिस्तर पर सोया था। इस दौरान आए चोरों ने गल्ला खोल नकदी निकाली। जाग होने तक बदमाश फरार हो गए।

धोखाधड़ी का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित प्रकाश पुत्र हिरालाल पटेल ने पानी की टंकी के पास प्रतापनगर निवासी नरेश जैन के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया । जिसमें पीडित ने बताया कि आरोपी से उधार ली नकदी चुकाने के बावजूद धोखे से मकान का एठीमेंट करने का प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि आरोपी से उधार नकदी ली थी। जिसे चुकाने के दौरान आरोपी ने नहीं चुकाने पर मकान का कब्जा देने संबंधी स्टाम्प तैयार कर लिया। जबकि मैने एसा एग्रीमेंट नहीं किया।

साईबर ठगी की नकदी लौटाई

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना पुलिस ने साईबर ठगी का शिकार हुए पीडितों को तीन लाख रूपये से अधिक की नकदी वसूल कर वापस लौटाई। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निद्रेश पर साईबर अपराधों की रोकथाम करने एवं पीडितों की नकदी रिकवर कर उन्हें लौटाने की कार्यवाही करने के निर्देश पर चलाए जा रहे अाियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगनपुरोहित के सुपरविजन में सवनि थानाधिकारी अजयसिंह राव के नेतृत्व में कॉस्टेबल सुशील कुमार जानू ने मामले में अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर 3 लाख 20 हजार 305 रूपयें साईबर ठगों से वसूल कर पीडितों प्रद्युमनसिंह राठोड़ , इमरान खान , विजयलक्ष्मी मुण्ड,घनाक्षी जोशी, रितिका सचदेव, रिद्वि पाहुजा, चन्द्रशेखर जैन को नकदी लौटाई।

समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन अभियान शुरू

- खेत की सेहत का रखने ध्यान, पोषक तत्वों का प्रबंधन सीखेंगे किसान
- डीएपी के स्थान पर 3 बैग सिंगल सुपर फास्फेट (एसएसपी) व 1 बैग यूरिया का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाएगा

उदयपुर, (कासं)। खेत की मिट्टी की सेहत बनाए रखना अति आवश्यक है, ताकि मिट्टी की उर्वरक क्षमता बनी रहे और उत्पादन भी अच्छा हो। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश भर में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसमें खेतों में उर्वरकों के उपयोग के दौरान पोषक तत्वों के संतुलन के प्रति किसानों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर कृषक संगोष्ठियां होंगी।

मानसून की अच्छी वर्षा के चलते बांधों/जलाशयों/फार्म पौण्ड्स में पानी की पर्याप्त उपलब्धता है। ऐसे में रबी फसलों का क्षेत्रफल बढ़ने की संभावना है। बुवाई के समय किसानों द्वारा फॉस्फेटिक उर्वरक के रूप में डीएपी के उपयोग का प्रचलन अधिक है। कृषकों का फॉस्फेटिक उर्वरक के रूप में केवल डीएपी पर अधिक निर्भर होने के कारण मांग के अनुरूप डीएपी उपलब्ध कराने में कठिनाई आती है एवं भूमि में संतुलित पोषक तत्वों की भी आपूर्ति नही होती है। समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन के उद्देश्य से उर्वरकों के संतुलित उपयोग के लिए जिलेभर में 2 सितंबर से अभियान प्रारंभ किया गया है जो आगामी 15 सितम्बर तक चलाया जाएगा।

अभियान के दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर कृषक गोष्ठी/शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में कृषकों को खेत की सेहत का ध्यान रखने के संबंध में जानकारी दी जाएगी। इसमें बुवाई के समय डीएपी के विकल्प के रूप में 1 बैग डीएपी के स्थान पर 3 बैग सिंगल सुपर फास्फेट (एसएसपी) व 1 बैग यूरिया का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

एकल काव्य पाठ 6 को

उदयपुर,। राजस्थान साहित्य अकादमी एवं युगधारा के संयुक्त तत्वावधान में देश के ख्यातनाम नाट्य निर्देशक, कवि-आलोचक प्रोफेसर (डॉ.) अर्जुनदेव चारण का एकल काव्य पाठ 6 सितंबर को राजस्थान साहित्य अकादमी सभागार में शाम 5 बजे आयोजित होगा। युगधारा अध्यक्ष किरण बाला 'किरन' ने बताया कि केंद्रीय साहित्य अकादमी एवं संगीत नाटक अकादमी के सर्वोच्च पुरस्कार, बिहारी पुरस्कार एवं प्रदेश अकादमी के शिखर साहित्यिक पुरस्कार से पुरस्कृत देश के ख्यातनाम कवि अर्जुनदेव चारण का एकल काव्य पाठ होना सम्पूर्ण साहित्य जगत के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर हिंदी साहित्य के प्रतिष्ठित कवि-आलोचक प्रोफेसर (डॉ.) माधव हाडा एवं मीरा पुरस्कार प्राप्त ज्योतिपुंज का सारस्वत सान्निध्य हमें प्राप्त होगा। डॉ.अर्जुनदेव चारण की हिंदी एवं राजस्थानी भाषा-साहित्य में विभिन्न विधाओं में अनेक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है ।

संस्था प्रधानों की सत्रारंभ वाक्पीठ संगोष्ठी का शुभारंभ

- विद्यालयों में शैक्षिक संस्कृति विकसित करने के लिए हों समन्वित प्रयास : सांसद रावत

उदयपुर, (कासं)। ब्लॉक गिर्वा और उदयपुर शहर के सभी विद्यालयों के संस्थाप्रधानों की दो दिवसीय सत्रारंभ वाक्पीठ संगोष्ठी का शुभारंभ मंगलवार को राजकीय फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय सुरजपोल में सांसद डॉ मन्नालाल रावत के मुख्य आतिथ्य में हुआ। विशिष्ट अतिथि उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा तथा समासेवी तख्तसिंह शक्तावत रहे। अध्यक्षता मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गिर्वा कुंज बिहारी भारद्वाज ने की।

प्रारंभ में वाकपीठ अध्यक्ष रघुनाथ पालीवाल सहित कार्यकारिणी और स्थानीय विद्यालय के संस्थाप्रधान चेतन पानेरी ने अतिथियों का स्वागत किया। वाकपीठ उपाध्यक्ष मुकेश पंड्या ने विद्यार्थियों के साथ प्रार्थना प्रस्तुत की। साथ ही वाकपीठ का परिचय प्रस्तुत किया। सीबीईओ भारद्वाज ने स्वागत उद्बोधन देते हुए समस्त प्रधानाचार्य को विभागीय एवम् कार्यालयी अपेक्षाओं को पूर्ण निष्ठा से करने एवं विद्यार्थी हित में कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्य अतिथि सांसद डॉ रावत ने कहा कि प्रधानाचार्य का पद महत्वपूर्ण होता है वे समाज को संस्कारित करने का कार्य करते हैं। इस प्रकार की वाकपीठ ऊर्जा का संचार करती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा के मंदिर होते हैं उनमें शैक्षिक संस्कृति विकसित करने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। उदयपुर ग्रामीण विधायक मीणा ने कहा कि जिस प्रकार मिट्टी के कई प्रकार के पात्र बनाए जा सकते हैं उसी प्रकार शिक्षक विद्यालय के बच्चों में विभिन्न कौशल विकसित कर उन्हें विभिन्न पदों पर आसीन कर सकता है।

उदयपुर शहर विधायक जैन ने कहा कि विद्यालयों के भौतिक विकास पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने संसाधनों की पूर्ति के लिए आश्वस्त करते हुए परीक्षा परिणाम की श्रेष्ठता को सर्वोपरि बताया।

वाकपीठ के प्रथम दिन अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी डॉ बाल गोपाल शर्मा ने पीईईओ विद्यालय का प्रबंधन, डाइट व्याख्याता हरिदत्त शर्मा ने विद्यार्थियों में संस्कार निर्माण हेतु विद्यालय की भूमिका, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट दीपिका मीणा ने कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों हेतु मानसिक संबलन विषय पर वार्ता प्रस्तुत की। मीडिया प्रमुख किरण बाला जीनगर ने बताया कि वाकपीठ अध्यक्ष रघुनाथ पालीवाल ने वाकपीठ के उद्देश्य को व्यक्त करते हुए कई नैतिक दायित्वों की ओर सदन का ध्यान आकर्षित किया।

अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, गिर्वा विनोद शर्मा ने वीसी के मुख्य बिंदु रखे। वाकपीठ कोषाध्यक्ष विद्या गौड़, चुनाव अधिकारी दिलीप जैन, देशपाल सिंह शेखावत, मोहन मेघवाल, महेंद्र सिंह, मोहम्मद अंसार, राजेश सैनिक सहित बड़ी संख्या में संस्थाप्रधान मौजूद रहे।

सार-समाचार

शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेन्ट, उदयपुर के एम.बी.ए. छात्रों के तीसरे सेमेस्टर के शैक्षणिक सत्र का प्रारम्भ तीन दिवसीय ओरियंटेशन कार्यक्रम से हुआ। छात्रों के अपने आगामी कार्यक्षेत्र में प्रगति को मध्य नजर रखते हुए व्यवसायिक पहलुओं से रू-ब-रू कराया गया। इन सत्रों के प्रथम दिन फैकल्टी ऑफ मैनेजमेन्ट के डीन प्रोफेसर दिपिन माथुर ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए, उन्हें वर्तमान में तत्परता से तैयार होकर भविष्य के लिए कमर कसने के लिए प्रेरित किया एवं प्रतियोगिता को फेस करने के लिए अपनी खुबियों एवं नाकामियों को पहचान कर अपनी पर्सनालिटी को हीरे की तरह चमकाने के लिए निरन्तर कडी मेहनत करने के लिए कटिबद्ध किया। कार्यक्रम में पहले दिन डिजिटल मार्केटिंग के रणनितियों पर एक सत्र एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने डिजिटल मार्केटिंग की रणनितियों को बनाने वे रणनितियों को कार्यान्वित करने के बारे में जाना। पहले दिन यह सत्र डिजिटल मार्केटिंग के विशेषज्ञ चन्द्रशेखर जोशी द्वारा लिया गया। पहले दिन छात्रों के शिक्षाविद विवेक शर्मा द्वारा फिल्म समीक्षा के द्वारा प्रबंधन के गुर सिखे व कैसे अलग-अलग तरह के काबिलियत पैदा कि जाए, उसको जाना व समझा परिस्थितियों के अनुसार सत्र के दौरान रोल प्ले से सम्बन्धित सत्र शिक्षाविद डा. कुलविन्दर कौर व डा जया शर्मा द्वारा भरपूर प्रबंधन खेल खेले गए जिसमें छात्रों को एक-दूसरे के बारे में जानने का मौका दिया गया एवं टीम समन्वय और समूह गतिशीलता को सीखाते हुए प्रबन्धन के गुरू मंत्र के बारे में बताया है। दुसरे दिन, प्रथम सत्र निम्मी मेथ्यु, फाइनेंस मेनेजर, मेजर ट्रेडर एवं इंजिनियरिंग द्वारा लिया गया।

अनोखी फंगस की खोज

उदयपुर, (कासं)। दक्षिणी राजस्थान के मांडलगढ़ क्षेत्र के राजपुरा गांव में एक अद्भुत खोज हुई है। फाउंडेशन साइकोलॉजिकल सिक्योरिटी के फील्ड इकोलॉजिस्ट डॉ. अनिल सरसावन और उदयपुर के पर्यावरण वैज्ञानिक व सेवानिवृत्त सहायक वन संरक्षक डॉ. सतीश शर्मा ने यहां एक अनोखी फंगस की खोज की है। इस फंगस का वैज्ञानिक नाम स्पिरोबोलस जयसुखियेंसिस है, लेकिन स्थानीय लोगों के बीच इसे 'गोले दागने वाली फंगस' के नाम से जाना जाता है। सेवानिवृत्त वन अधिकारी डॉ सतीश शर्मा ने बताया कि जब इस फंगस को छुआ जाता है तो यह छोटे-छोटे काले रंग के गोले यानी बीजाणुओं की तेजी से बरसात करती है, मानो को तोप गोले दाग रही हो। यही कारण है कि इसे अंग्रेजी में 'आर्टिलरी फंगस' कहा जाता है। अगर आप सफेद कपडे पहने हुए इस फंगस को छू लें तो ये गोले आपके कपडों पर चिपक जाएंगे और दूर से ही दिखाइ देंगे। डॉ सरसावन और डॉ शर्मा के मुताबिक राजस्थान में इसकी उपस्थिति पहली बार और भारत में दूसरी बार दर्ज की ग है। इससे पहले भारत में इस फंगस की उपस्थिति गुजरात में 2020 में दर्ज की ग थी। मांडलगढ के राजपुरा गांव में तालाब के किनारे जमा कचरे में यह फंगस पाई गई । इस शोध को तमिलनाडु से प्रकाशित स्पीशीज जर्नल के 25 वें अंक में प्रकाशित किया गया है। डॉ सरसावन और डॉ शर्मा के अनुसार इस शोध से यह साफ हो गया है कि जैव विविधता सिर्फ संरक्षित क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है बल्कि हमारे गांवों के खेतों, तालाबों और चरागाहों में भी भरपूर पाइ जाती है। हमें इन शामलात संसाधनों के महत्व को समझना होगा और इन पर लगातार शोध करते रहना होगा ताकि कई अज्ञात प्रजातियों को सामने लाया जा सके व संरक्षण किया जा सके।

अपराध गोष्ठी संपन्न

उदयपुर, (कासं)।अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस कार्मिक एवं रेंज प्रभरी संजीव नार्जरी ने रेंज के महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षकगणों की अपराध गोष्ठी ली। इस दौरान रेंज की अपराधिक सिंति एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की गई। रेंज प्रभारी द्वारा रेंज में महिला अत्याचारों से संबिंधित पेण्डिग प्रकरणों की समीखा की एवं रेंज प्रभाारी द्वारा अपराधों पर नियंत्रण एवं महिलाओं से संबंधित प्रकरणों में संवेदनशील रह कर शिघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान गत दिनों विभिन्न जिलों में साम्प्रदायिक तनाव की घटनाओं की समीक्षा कर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। बैठक में महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज अजयपाल लांबा एवं रेंज के सभी पुलिस अधीक्षक मौजूद रहे।

विद्यालय में कंप्यूटर सिस्टम भेंट

उदयपुर, (कासं)। सामाजिक सरोकार के कार्य के तहत लघु उद्योग भारती गिर्वा इकाई ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शोभागपुरा में एक कंप्यूटर सिस्टम सेट भेंट किया। इससे पूर्व लघु उद्योग भारती उदयपुर द्वारा 15 अगस्त को इसी विद्यालय में बच्चों के लिए 400 पैकेट अल्पाहार, राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे झंडे, तिरंगे हैण्डबैंड और बैज वितरित किए थे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रिंसिपल सुनीता धनकड ने विद्यालय के कार्यो हेतु लघु उद्योग भारती से अध्यक्ष मनोज जी जोशी को एक कंप्यूटर सिस्टम की आवश्यकता बताई थी। आज गिर्वा इकाई के सह सचिव ओम दवे ने कंप्यूटर सिस्टम का सहयोग प्रदान किया जिसे लघु उद्योग भारती उदयपुर की ओर से सौभागपुरा विद्यालय को भेंट किया गया।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स.0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट. www-udaipurmc.org
क्रमांक:- राजस्व/24-25/41 दिनांक:-03.09.2024

सार्वजनिक सूचना

नगर निगम, उदयपुर द्वारा 1 जनवरी 2024 से 31 मई 2024 तक राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 245 के तहत सार्वजनिक सड़कों से अतिक्रमण हटाने के दौरान जब्त केबिन, थैलागाडी व अन्य सामान को नगर निगम परिसर में रखवाया गया है। इस सम्बन्ध मे जब्त सम्पत्ति मालिकों को जरिये नोटिस सूचित किया जाता है कि अतिक्रमण हटाने के दौरान जब्त सम्पत्ति को नोटिस प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर नियमानुसार आवेदन व जुर्माना जमा कराने के पश्चात अपनी सम्पत्ति प्राप्त करें। निर्धारित समय सीमा के बाद उक्त सम्पत्ति को राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 245 (5), (9) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सम्पत्ति का अधिहरण कर राशि राजकोष में जमा करायी जायेगी। अधिहरण कार्यवाही के पश्चात किसी प्रकार का उजर ऐतराज स्वीकार्य नहीं होगा।
राज.संवाद/सी/24/4655 महापौर आयुक्त

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित)
#startupindia Digital India MeitY Startup Hub CAIT
Ministry of MSME, Govt. of India

विकास और उद्यम की यात्रा के साथ जुड़ें
आईसीएआई एमएसएमई स्टार्टअप यात्रा
27 जून 2024 – 7 अक्टूबर 2024

100 दिन · 100 कार्यक्रम · 100 शहर

आईसीएआई यात्रा राजस्थान में
4 सितम्बर 2024 से 10 सितम्बर 2024 तक
यात्रा बस कार्यक्रम

अलवर	जयपुर	किशनगढ़	अजमेर	ब्यावर
4 सितम्बर 2024	5 सितम्बर 2024	6 सितम्बर 2024	6 सितम्बर 2024	7 सितम्बर 2024
Mob. 7737449058	Mob. 9672023888	Mob. 9672246111	Mob. 9929769398	Mob. 9950483098

जोधपुर	पाली	उदयपुर	भीलवाड़ा
7 सितम्बर 2024	8 सितम्बर 2024	9 सितम्बर 2024	10 सितम्बर 2024
Mob. 9829866344	Mob. 9001610057	Mob. 8279110859	Mob. 9461132322

निःशुल्क: एमएसएमई और स्टार्टअप से जुड़ी समस्याओं का समाधान अब आपके शहर में

- आईसीएआई भारत में चार्टर्ड एकाउंटेंसी के पेशे के विनियमन एवं विकास के लिए 1949 में संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक सांविधिक निकाय है। इंस्टीट्यूट, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक देखरेख के अधीन कार्य करता है। 9.85 लाख से अधिक छात्रों और 4 लाख से अधिक सदस्यों के साथ आईसीएआई आज विश्व में सबसे बड़ा व्यावसायिक एकाउंटेंसी निकाय है।
- आईसीएआई की एमएसएमई और स्टार्टअप यात्रा, एमएसएमई को सहायता, समर्थन एवं सुविधा प्रदान करने की एक अहम पहल है। एमएसएमई के बीच उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ इन्हें अपनी निवेश सूची बढ़ाने में समर्थन करने के मकसद से इस यात्रा की शुरुआत 29 जून 2024 को बेंगलुरु से हुई । यह यात्रा एमएसएमई इकाईयों के बीच विभिन्न राज्य और केंद्र सरकार की आर्थिक सहायता योजनाओं, सब्सिडी और प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने का कार्य कर रही है। यह वाहन देश के 22 राज्यों को कवर करते हुए लगभग 20,000 किलोमीटर की यात्रा करेगा। यात्रा जनता के बीच वित्तीय और कर साक्षरता के बारे में जागरूकता भी प्रदान करेगी।

“हमारे एमएसएमई क्षेत्र का भारतीय अर्थव्यवस्था में एक तिहाई हिस्सा है। एमएसएमई क्षेत्र के सशक्तिकरण का मतलब है सम्पूर्ण समाज को सशक्त बनाना। इसलिए, एमएसएमई क्षेत्र के विस्तार को अभूतपूर्व प्रोत्साहन दिया जा रहा है।”
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

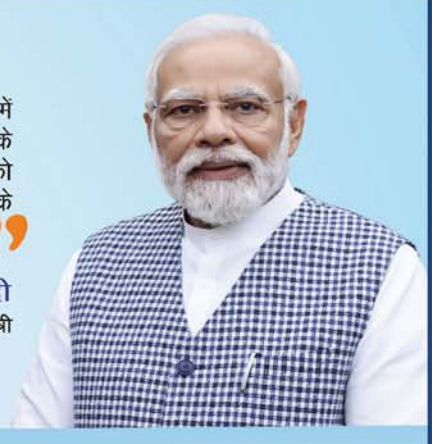

ICAI MSME ECOSYSTEM · ICAI STARTUP GATEWAY · Financial Tax Literacy

निःशुल्क एमएसएमई उद्यम पंजीकरण

Jointly organized by
Committee on MSME & Startup and Financial & Tax Literacy Directorate of ICAI

Follow us on: Explore ...Engage ... Excel www.icai.org

माही बांध लबालब, चार गेट एक-एक मीटर खोले

माही बांध के गेट नम्बर 2, 4, 13 एवं 15 को खोलकर जल प्रवाह किया जा रहा है

बांसवाड़ा, (निसं) लबालब भर उठे माही बांध से जलराशि का छलकना शुरू हो गया है। मंगलवार शाम 4.30 बजे माही बांध के चार गेट खोलकर जलप्रवाह आरंभ कर दिया गया। माही बांध के चार गेट एक-एक मीटर खोले गए हैं।

- **संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के. पवन ने माही गंगा मन्दिर में जाकर माही गंगा की पूजा-अर्चना की और श्रीफल चढ़ाया**

संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के. पवन ने माही गंगा मन्दिर में जाकर माही गंगा की पूजा-अर्चना की और श्रीफल चढ़ाया। इसके पश्चात संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के. पवन एवं जिला कलेक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव ने कन्ट्रोल पैनल रुम में पूजा-अर्चना तथा श्रीफल वधेर कर बटन दबाकर बांध के चार गेट खोले। इस समय माही बांध के 2, 4, 13 एवं 15 को खोलकर जल प्रवाह किया जा रहा है।

माही डेम निवासी पं. महेश प्रसाद ने पूजा-अर्चना विधान करवाया। वे 1980 से माही के गेट खोलने के समय से पूजा-अर्चना करवाते आ रहे हैं। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर अभीषेक गोयल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. राजेश भारद्वाज, उपखण्ड अधिकारी बांसवाडा प्रकाशचन्द्र रेगर, माही परियोजना के अधीक्षण अभियंता आर एस मीणा, अधिशासी अभियंता प्रकाशचन्द्र रेगर, जल संसाधन के अधिशासी अभियंता राजेन्द्र सिंह अखवी सहित माही परियोजना के माही डेम पर कार्यरत अधिकारी व कार्मिक सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

माही बांध के गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है।

टीचर्स-डे पर प्रदेश के 148 शिक्षकों का सम्मान होगा

बीकानेर, (कासं)। टीचर्स-डे पर प्रदेश के 148 शिक्षकों का राज्य स्तर पर सम्मान किया जायेगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सूची जारी की है, इसमें क्लास एक से पांच, छह से आठ और नौ से बारह तक के टीचर्स को अलग-अलग वर्ग में चयनित किया गया है। कक्षा छह से आठ तक के वर्ग में 48 और शेष दोनों वर्ग में 50-50 टीचर्स का चयन किया है। राज्य स्तरीय सम्मान के लिए चयनित टीचर्स को जयपुर के बिड़ला सभागार में होने वाले समारोह में सम्मानित किया जाएगा। टीचर्स से आवेदन लिए गए थे। इन आवेदनों के बाद निदेशालय स्तर पर इनकी छंटनी की गई। अंतिम सूची को जयपुर में अंतिम रूप दिया। उप निदेशक (माध्यमिक) डॉ. रामगोपाल शर्मा ने जारी किया। शिक्षा विभाग ने 50 जिलों को आधार बनाकर इस बार पुरस्कार दिया है। इससे पहले 33 जिलों के आधार पर ही पुरस्कार वितरण होता था। राज्य सरकार जिलों को लेकर असमंजस में है, फिर भी शिक्षा विभाग ने 50 जिलों के आधार पर पुरस्कार तय किए हैं।

OFFICE OF MUNICIPAL BOARD NIWAI (TONK)
Email: npniwai@gmail.com फोन नं. 01438-222001
SR.NO. : MBN//2024-25/4457 DATE : 30.08.2024
NOTICE INVITING BID
Bids for IOT Based Door to Door Collection and Transportation (for 2 Years) in ward No. 01 to 35 of Municipal Area Niwai (cost 404.19 lacs) are invited from interested bidders up-to 06.00 PM (Time) 23.09.2024 (Date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.
NIB NO:- DLB2425SLOB07017
Raj.Samwad/C/24/4592 Chairman Executive Officer

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR
No.NIT/2024-25/12741-54 निविदा सूचना /24-25 Date:03.09.2024
निम्नलिखित कार्यों के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू.)	निविदा सूचना संख्या
Truss work & other Remaining Misc. Works PDDU, Shekhawati University, Sikar (1) UBN : RRC2425WLOB00401	1068.80 Lakh	अल्पकालीन ई-191/ 24-25
Additional Remaining Civil work for Construction of New Medical College, Residences Hostels etc. at Bundi, Rajasthan. (2) UBN: RRC2425WSOB00398	335.57 Lakh	
Construction of Type-I Quarter and Type-II Qtr. (2 Nos.) Residential Quarters for Judicial Officers at Barmer. UBN: RRC2425WSOB00400	320.00 Lakh	ई-192/ 24-25

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://roads.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। महाप्रबंधक

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA
(Rawathbhata Road, Kota -324021
(Estate Cell)
NOTICE INVITING E-TENDER'S
E-Bids are invited for "ARC for Electrical maintenance work in University campus" (NIB 16/2024-25 & UBN: VMU2425SLRC00015) and "ARC for Repair & maintenance work of Sanitary system and water supply system of University campus at VMOU, Kota" (NIB 17/2024-25 & UBN: VMU2425SLRC00016). Further details may be obtained from http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.vmou.ac.in w.e.f. 02/09/2024.
Raj.Samwad/C/24/4606 OIC Estate

मांडलगढ़ क्षेत्र में 23 फीट भराव क्षमता वाला जेतपुरा बांध लबालब, चार गेट खोले

जेतपुरा बांध के ऊपरी हिस्से में सवा पांच इंच बारिश हुई, बांध में पानी की भारी आवक बढ़ी

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ क्षेत्र में 23 फीट भराव क्षमता वाला जेतपुरा बांध लबालब भरकर उफ़ान पर आ गया। जेतपुरा बांध के ऊपरी हिस्से में भारी बारिश होने से मंगलवार सुबह चार बजे बाद से पानी की आवक लगातार बढ़ गई। बांध का जलभराव क्षमता पूर्ण होने के बाद व गेज बनाए रखने के लिए जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने चार गेट सांय तक खुले रखे। बांध के गेट खोले जाने डाउन स्ट्रीम व कैचमेंट एरिया अउली नदी के आसपास ग्रामीणों को अलर्ट किया गया। वहीं डाउन स्ट्रीम एरिया के गांवों की पुलियाओं पर पानी चढ़ने से कई गांवों का सम्पर्क टूट गया। उल्लेखनीय है कि अउली नदी का पानी बनास नदी में मिलने के बाद बनास नदी का जल स्तर बढ़ने लगा है और इसका पानी बीसलपुर बांध में जाकर मिलता है।

मांडलगढ़ जल संसाधन विभाग के जेईएन रामजीत यादव ने बताया कि मंगलवार सुबह जेतपुरा बांध के ऊपरी हिस्से में 133 मिलीमीटर (सवा पांच इंच) बारिश हुई, जिससे बांध में पानी की तेज आवक होने पर गेट नम्बर 2,3,5,6 को डेढ़ फीट खोला गया, जिससे नदी का जलस्तर बढ़ गया। जेतपुरा बांध के डाउन स्ट्रीम व कैचमेंट एरिया में आमजन को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। वहीं मंगलवार को तीसरे पहर तीन बजे बाद गेट नम्बर 6 को बांध का गेज बनाये रखने को लेकर बंद कर दिया गया। दिनभर बारिश बन्द रहने से पानी की आवक भी घटने लगी है।

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने जेतपुरा बांध के कैचमेंट एरिया और अउली नदी के आसपास के गांव महुआ, सारण का खेड़ा, मानपुरा, झालम की झुपड़िया, हाड़ी का खेड़ा, दौलपुरा के ग्रामीणों को अलर्ट रहने और नदी नाले को पार करते समय पूरा ध्यान रखे जाने के निर्देश दिए।

मांडलगढ़ क्षेत्र में जेतपुरा बांध में पानी की भारी आवक बढ़ने से बांध के चार गेट खोले गए।

- **बांध के डाउन स्ट्रीम व कैचमेंट एरिया की अउली नदी के आसपास ग्रामीणों को अलर्ट किया गया**
- **बांध के चारों गेट खोले जाने से अउली नदी के साथ बनास नदी का जलस्तर भी काफी बढ़ गया है**

मांडलगढ़ और बिजौलियां क्षेत्र पिछले 24 घण्टे में हुई बारिश से जेतपुरा बांध ओवरफ्लो हो गया। बांध में पानी की आवक बढ़ने से सिंचाई विभाग ने बांध के चार गेट खोले। इससे अउली नदी के साथ बनास नदी का जलस्तर भी काफी बढ़ गया है। बारिश के चलते प्रशासन ने ग्रामीणों को रात्रि के समय भी सावधानी बरतने का आव्हान किया है। मांडलगढ़ क्षेत्र में मानसून की अच्छी बारिश होने से करीब 50 से अधिक तालाब और बांध लबालब भर चुके हैं, जिससे आगामी दिनों में किसान अपने खेतों में सिंचाई के लिए उपयोग कर सकेंगे और भूजल स्तर भी बना रहेगा।

कार्यालय नगर विकास न्यास, पाली
जिला कलेक्ट्रेट परिसर, पाली
फोन नं. 02932-223222 ई मेल- uitpali@gmail.com
क्रमांकः न्या.पा./विज्ञापन/2024/1889 दिनांक 02.09.2024
ई-निविदा सूचना संख्या-12/2024-25
नगर विकास न्यास, पाली की ओर से न्यास/राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन-लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान भी देखी जा सकती है।

कार्य	यू.बी.एन नम्बर (sppp.rajasthan.gov.in)
सिविल कार्य	ITP2425WSOB00014, ITP2425WSOB00015

राज.संवाद/सी/24/4637 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगरपालिका नसीराबाद, जिला अजमेर (राज.)
E-mail : nasirabadnagarpalika@gmail.com PH. NO. 01491-297191
क्रमांक : न.पा.न./निर्माण/2024-25/1511 दिनांक : 30.08.2024
ई-निविदा सूचना संख्या (05/2024-25)
(NIB NUMBER - DLB2425A2182)
एतद्द्वारा यह है कि राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।
निविदा के कुल कार्य -03 (तीन)
UBN NO.- 1. DLB2425WSRC07077, 2. DLB2425WSRC07078
3. DLB2425WSRC07079
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/24/4586 नगरपालिका नसीराबाद

स्टार्स मल्टीपर्पज़ को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड
तृतीय तल, डोर नं. 5-9-15, ए.पी. सेक्रेटेरिएट के सामने, सैफाबाद, हैदराबाद-500063
टेलीफोन : 040-23295940, ई-मेल आईडी : stars.mpcsl@starsmcsl.in (रजिस्ट्रेशन संख्या-MSCS/CR/940/2014)
सूचना
स्टार्स मल्टीपर्पज को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के सदस्यों की ग्यारहवीं वार्षिक आमसभा शुक्रवार 27 सितम्बर, 2024 को प्रातः 11:00 बजे पंजीकृत कार्यालय में सम्पन्न होगी।
कार्यसूची
1. पिछली जनरल मीटिंग के कार्यवृत्त की पुष्टि करना।
2. वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंकेक्षित वित्तीय विवरण पर विचार करना तथा इसे स्वीकृत करना।
3. वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंकेक्षक प्रतिवेदन तथा वार्षिक प्रतिवेदन पर विचार करना और स्वीकृत करना।
4. अंकेक्षण अनुपालन रिपोर्ट पर विचार करना और स्वीकृत करना।
5. शुद्ध लाभ के निस्तारण पर विचार करना और स्वीकृत करना।
6. विशिष्ट आरक्षित और अन्य निधियों के सृजन और उनके वास्तविक उपयोग पर विचार करना और स्वीकृत करना।
7. वित्तीय वर्ष 2025-26 के वार्षिक बजट पर विचार करना और स्वीकृत करना।
8. वित्तीय वर्ष 2025-26 के वार्षिक कार्य योजना पर विचार करना और स्वीकृत करना।
9. सदस्यों को उन कर्मचारियों की सूची के संदर्भ में अवगत कराना जो बोर्ड के सदस्यों व प्रबन्ध निदेशक के संबंधी हैं।
10. बहु-राज्य सहकारी समितियां (संशोधन) अधिनियम 2023 के अनुपालन में सोसाइटी के पंजीकृत उपनियमों में संशोधन पर विचार करना और स्वीकृत करना।
11. बोर्ड के सदस्यों के लिए आचार संहिता तैयार करने के संदर्भ में सदस्यों को अवगत कराना।
12. सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण द्वारा बोर्ड के पुनः चुनाव कराने के संदर्भ में सदस्यों को अवगत कराना।
13. वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु सांविधिक अंकेक्षक की नियुक्ति/पुनर्नियुक्ति पर विचार करना और स्वीकृत करना।
14. माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 29.03.2023 के अनुपालन में 31.03.2024 तक "सी.आर.सी.एस. सहारा रिफण्ड पोर्टल" के माध्यम से किये गये भुगतान के संदर्भ में अवगत कराना।
15. अन्य विषय, यदि कोई है, को अध्यक्ष की अनुमति से प्रस्तुत करना।

स्थान : हैदराबाद बोर्ड के आदेशानुसार
दिनांक : 29 अगस्त, 2024 कृते-स्टार्स मल्टीपर्पज को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड
प्रबन्ध निदेशक
नोट :
कृपया सूचित रहे कि यदि मीटिंग के निर्धारित समय के आधे घण्टे के भीतर निर्दिष्ट संख्या (कोरम) उपस्थित नहीं होती तो मीटिंग स्थगित कर दी जायेगी तथा स्थगित मीटिंग उसी दिन अर्थात 27 सितम्बर, 2024 को दोपहर 12:00 बजे आयोजित की जायेगी ताकि कार्यसूची पर इंगित कार्यों का निष्पादन हो सके। इस प्रकार स्थगित मीटिंग में निर्दिष्ट संख्या (कोरम) की आवश्यकता नहीं होगी।

देवल में चार इंच बारिश, मारगिया-अमरपुरा समेत 10 बांध छलके

डूंगरपुर, (निसं)। श्रावण मास पूरी तरह रिता बित गया था और आमजन विशेष कर किसान वर्ग खासा चिंतित था कि पानी नहीं बरसने से इस फसल के साथ साथ सर्दी ऋतु में फसल को किस आधार पर बोया जायेगा। यही नहीं शहर की पेयजल आपूर्ति को पूरा करने वाले दोनों प्रमुख बांध डिमिया व एडवरसमंद पूरी तरह खाली पड़े हुए थे। सोमकमला आम्बा से ही शहर की पेयजल आपूर्ति हो रही थी, लेकिन आखिरकार भाद्रपक्ष ने अपनी कहावत को पूरा करते हुए सोमवार शाम से मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हुआ तो जिले भर में पानी को लेकर आमजन में खुशी का माहौल देखा गया। देखते ही देखते न केवल शहर के प्रमुख पेयजल स्त्रोत अपनी भराव क्षमता के निकट आ गये अपितु मारगिया सहित कोई 10 बांध छलक उठे।

- **जिलेभर में रातभर रुक-रुककर हुई मूसलाधार बरसात, तालाबों में पानी की आवक का दौर शुरू**
- **जिले का सबसे बड़ा सोमकमला आंबा बांध भर चुका है**

इधर बांध नियंत्रण कक्ष के अनुसार सवेरे 8 बजे समाप्त 24 घण्टों में सर्वाधिक वर्षा देवल में चार इंच दर्ज की गई है जबकि जिला मुख्यालय पर भी भौर में हुई लगभग डेढ घण्टे से अधिक तेज बारिश ने वातावरण को पूरी तरह बदल कर रख दिया। हालांकि शहर का हृदयस्थल गेपसागर जलाशय जो कि जिला प्रशासन की नाकामी के चलते अभी भी पानी आवक के मार्गों पर पूरी तरह नहीं खोलने के कारण अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। जिलेभर में सोमवार शाम से शुरू हुआ मूसलाधार बरसात का दौर रातभर रुक-रुककर चलता रहा। जिससे पुराने शहर की सडकों पर बरसात का पानी दरिया की तरह बहता रहा। देवल में सर्वाधिक 4 इंच बारिश हुई है। वहीं बरसात मारगिया, अमरपुरा समेत 10 बांध ओवरफ्लो हो गए। जिले का सबसे बड़ा सोमकमला आंबा बांध भर चुका है। बांध के गेट खोलने के लिए प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी कर दिया है। बांध की पूरी भराव क्षमता 13 मीटर है। जबकि बांध 12.30 मीटर तक भर चुका है। बांध में 118 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है। बांध कभी भी ओवरफ्लो हो सकता है। ऐसे में सोमकमला आंबा विभाग की ओर से बांध के निचले हिस्से में रहने वाले लोगों को अलर्ट कर दिया गया है। जिले का सबसे बड़ा पर्यटन केंद्र कहे जाने वाल मारगिया बांध भी ओवरफ्लो हो गया है। मारगिया पर 15 सेंटीमीटर की चादर चल रही है। वहीं, वात्रक बांध, भादर, आकारसोल का नाका, मेवाडा, अमरपुरा, टामटिया, गजपुर, वरडोल का नाका, वरदा बांध भी ओवरफ्लो हो चुके हैं। इन बांधों पर 2 से 25 सेंटीमीटर तक ओवरफ्लो पानी बह रहा है।

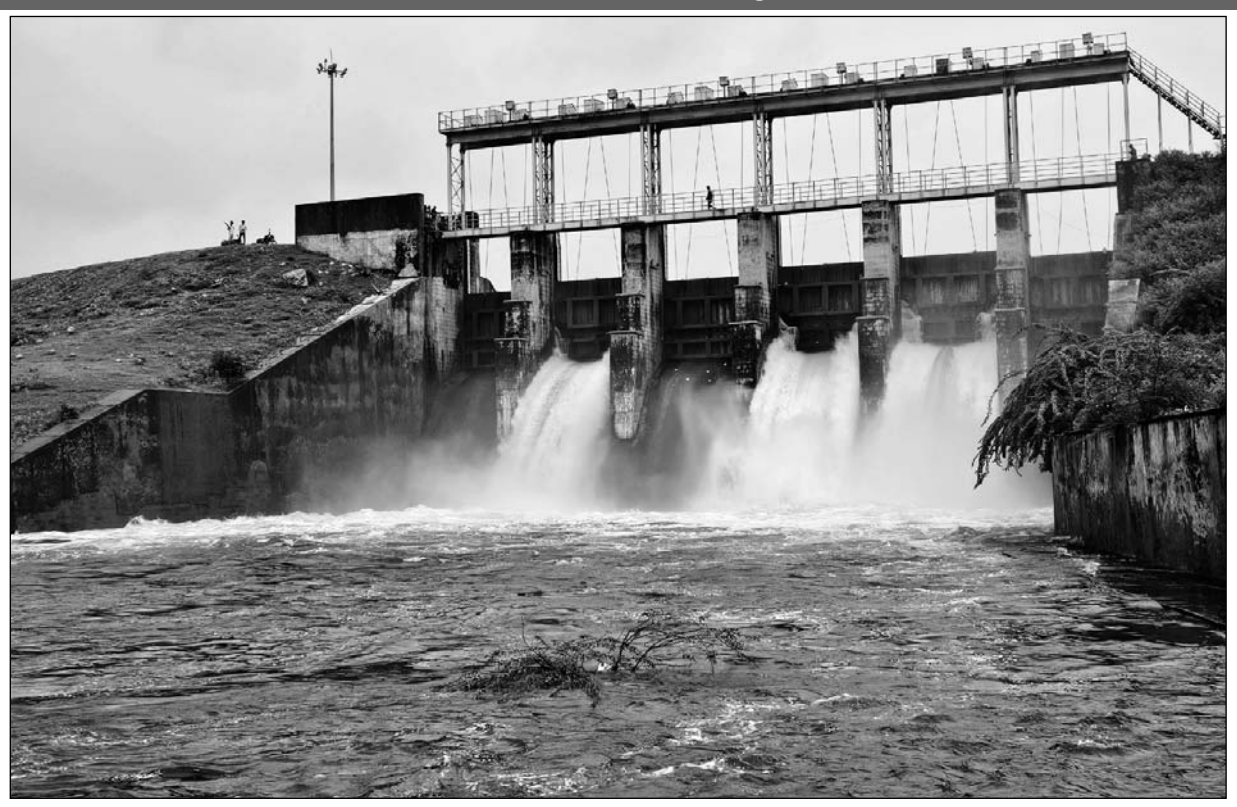

डूंगरपुर जिले का पर्यटन स्थल मारगिया बांध अपनी भराव क्षमता को पार कर छलक गया।

उदयपुर में भारी वर्षा से झीलें लबालब हुई

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर में झीलों के कैचमेंट एरिया में मंगलवार सुबह करीब दो घंटे तेज बारिश हुई। इस मानसून सीजन में यह पहली तेज बारिश थी। कुछ घंटों की बारिश से सीसारमा नदी और मोरवानिया नदी उफान पर आने के साथ ही मदार छोटा तालाब पर भी चादर चल गई जबकि मदार बड़ा की चादर भी और तेज हो गई। पीछोला झील भरने के बाद स्वरूप सागर के सभी गेट खोल दिए गए है तो 13 फीट क्षमता की फतेहसागर झील का जलस्तर 11 फीट हो गया है। वहीं 24 फीट क्षमता के उदयसागर में लगातार पानी की आवक को देखते हुए 22 फीट बाद ही उसके भी गेट खोल दिए गए। तेज बारिश के चलते कई मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। कैचमेंट क्षेत्र में हुई अच्छी बारिश से मदार छोटा और मदार बड़ा दोनों तालाबों में पानी की अच्छी आवक हुई है। छोटा मदार तालाब पर सुबह पांच इंच की चादर चली।

बुझडा नदी उफान पर चल रही है। कैचमेंट में तेज बारिश से अमरजोक नदी में बहाव तेज होने से कोडयात क्षेत्र में स्थित होटल ताज अरावली जाने वाले रास्ते पर बने कॉजवे भी पानी आने से यह रास्ता काफी देर बाधित रहा। इधर मदार बडा और मदार छोटा पर तेज वेग से चादर चलने से नदी के रास्ते में आने वाली पुलियाएं जलमग्न हो जाने से यहां भी रास्ते बाधित रहे। बडी तालाब को भरने वाली मोरवानिया नदी भी उफान पर आने से उदयपुर शहर से उबेश्वरजी मार्ग कई घंटे अवरूद्ध रहा। उदयपुर जिले की झाडोल उपखंड में आज सुबह से तेज बारिश का दौर चल रहा है। सुबह नदी पार करते समय एक शिक्षक बाइक सहित पानी में बह गया जिसे 500 मीटर की दूरी पर ही ग्रामीणों ने बाइक सहित निकाल दिया। घायल शिक्षक को अस्पताल ले जाया जहां प्राथमिक उपचार कर छुट्टी दे दी। कोल्यारी निवासी शिक्षक ख्याली लाल ढोली कोल्यारी से अपनी स्कूल उपरेटा जा रहा था की थोबावाडा नदी के वैकल्पिक पुल को पार करते बाइक स्लिप हो गई और बाइक सहित नदी में बह गया गनीमत रही ग्रामीणों ने शिक्षक को बाइक सहित सुरक्षित बाहर निकाल दिया।

- **स्वरुप सागर, उदय सागर के गेट खोले, थूर की पाल भी चली, फतह सागर 11 फीट पहुंचा**
- **बिजली गिरने से महिला की मौत, नदी में बहते शिक्षक को बचाया**

इसी प्रकार उदयपुर जिले के सायरा के पानेर पटवार मंडल के गोदो का गुडा में बिजली गिरने से एक महिला की मौत हुई है। समाजसेवी शंकर लाल गमेती ने बताया कि गांव में अनछी (30) पत्नी कालू सिंह राजपूत खेत से चारा लेकर घर लौट रही थी तब ही बिजली गिरी। बनास नदी के पास से सडक पर होते हुए घर लौटते समय बिजली गिरी जिससे वह बेहोश होकर नीचे गिर गई। सूचना मिलने पर परिजनों सहित गांव के लोग मौके पर पहुंचे। तब उसकी मौत हो गई थी। बाद में इसकी सूचना सायरा पुलिस को दी गई है।

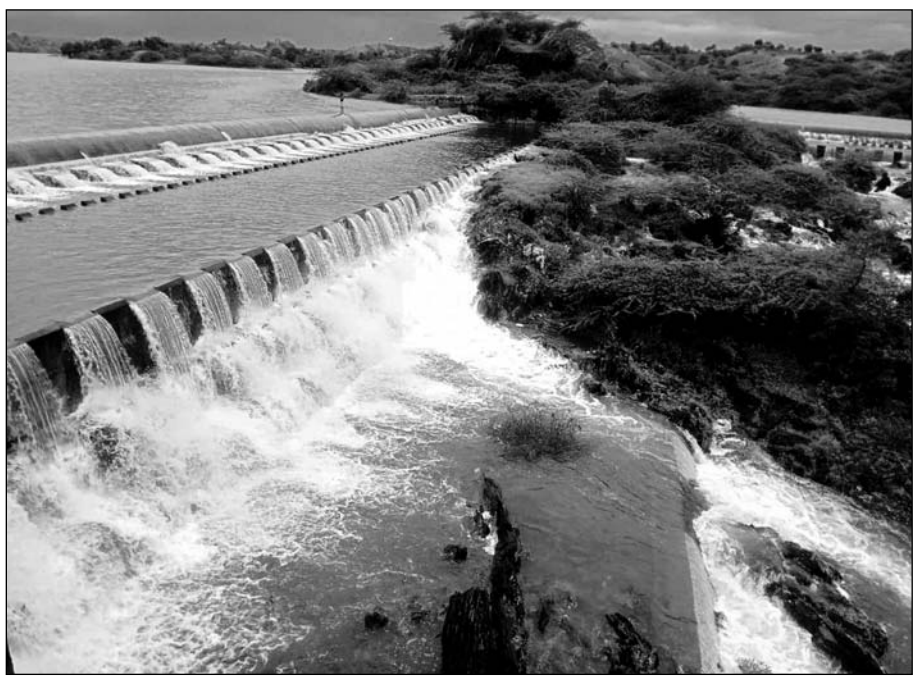

सिरोही ट्रांसमिशन लिमिटेड
पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की 100% पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
सूचना
(विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 15 की उप-धारा (2) के अंतर्गत)
1. सिरोही ट्रांसमिशन लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016 में है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत निगमित है, ने विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 15 की उप-धारा (1) के अंतर्गत ट्रांसमिशन लाइनों, सब-स्टेशनों और अन्य परिसंपत्तियों के संबंध में ट्रांसमिशन लाइसेंस प्रदान करने के लिए केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली के समक्ष आवेदन किया है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:-

क्र. सं.	लाइन/सबस्टेशन का नाम (नोट के अनुसार स्थान)	बीपीसी/क्षमता की सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार लाइन की लंबाई	ट्रांसमिशन शुल्क (रुपये) मिलियन प्रति वर्ष	अनुसूची सीओडी	टिप्पणियां
1.	765/400 kV सिरोही सबस्टेशन और संबंधित उपकरण	3000 एमवीए, 730 एमवीएआर (बस रियेक्टर) 480 एमवीएआर (एसएलआर	2908.53	टीएसए की प्रभावी तारीख अर्थात 22.08.2024 से 24 महीने	
2.	765 kV फतेहगढ़-IV (खंड-2) पीएस-सिरोही पीएस डी/सी लाइन	232.634 कि.मी.			
3.	फतेहगढ़-IV (खंड-2) पीएस पर 765 kV लाइन बेज	480 एमवीएआर			
4.	400 kV सिरोही पीएस-चित्तौड़गढ़ (पीजी) डी/सी लाइन	210.801 कि.मी.			
5.	चित्तौड़गढ़ (पीजी) एस/एस पर 400 kV लाइन बेज	160 एमवीएआर			

नोटः (i) क्रम सं. 1, 2, 3, 4 और 5 के स्थान राजस्थान राज्य में है
(ii) संपूर्ण दायरे के लिए कृपया https://www.powergrid.in/subsidiaries देखें
2. आयोग के समक्ष दायर किया गया पूर्ण आवेदन और अन्य दस्तावेज पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट https://www.powergrid.in/subsidiaries पर उपलब्ध हैं, जिन्हें कोई भी व्यक्ति देख सकता है। आवेदन का निरीक्षण कंपनी के कार्यालय में द्वारा ईडी (टीबीसीबी), पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, सौदामिनी, प्लॉट नं. 2, सेक्टर-29, गुड़गांव 122001 में श्री जे आर यादव, परियोजना प्रभारी, सिरोही ट्रांसमिशन लिमिटेड के पास या आयोग द्वारा निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार आयोग के कार्यालय में किया जा सकता है।
3. आपत्तियां या सुझाव, यदि कोई हों तो, उन्हें समाचार पत्र में सूचना प्रकाशित होने के 15 दिनों के भीतर आवेदक या उसके अधिकृत एजेंट को आपत्ति/सुझाव की एक प्रति के साथ सचिव, केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, 7वीं मंजिल, टावर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली-110029 के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।
स्थानः नई दिल्ली जे आर यादव, परियोजना प्रभारी,
दिनांकः 04.09.2024 सिरोही ट्रांसमिशन लिमिटेड
एक महारत्न पीएसयू
PG/CC/ Notice (TBCB)/Advt-24/24-25 Paramin

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सचिवालय में किया निरीक्षण

कई अधिकारी-कर्मचारी गैर हाजिर मिले

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज सुबह अचानक सीएमओ से रवाना होकर सचिवालय की मेन बिल्डिंग में निरीक्षण करने के लिए पहुंच गए। इस दौरान सीएम भजनलाल ने सचिवालय के मुख्य भवन में करीब 10 मिनट बिताए।

सीएम ने कई अधिकारियों के दफ्तरों का निरीक्षण किया। कई अधिकारी अपने दफ्तरों में नहीं मिले। हालांकि औचक निरीक्षण में कितने अधिकारी गैर हाजिर मिले, इसको लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। बताया जा रहा है कि गैर हाजिर रहने वाले अधिकारियों की जानकारी सीएमओ ने मांगी है। मुख्यमंत्री आज सुबह सीएमआर से रवाना होकर सीधे सीएमओ पहुंचे। वहीं, सीएमओ से अपनी टीम को लेकर सचिवालय में निरीक्षण करने लगे। सीएम भजनलाल के निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत का मौजूद नहीं रहना भी चर्चा का विषय बना रहा।

अमूमन देखा गया है कि सीएस सुधांश पंत सरकारी कार्यालयों में औचक निरीक्षण के लिए पहुंच जाते हैं। लेकिन आज सीएम भजनलाल शर्मा के निरीक्षण के दौरान वे मौजूद नहीं थे। सीएम भजनलाल ने अपने निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, गृह विभाग, कार्मिक विभाग, मेडिकल विभाग के उच्च अधिकारियों के दफ्तरों का निरीक्षण किया। सीएम ने अधिकारियों की मौजूदगी के साथ-साथ कमरों की स्थिति को भी बारीकी से देखा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को सुबह अचानक सचिवालय की मुख्य बिल्डिंग में निरीक्षण करने के लिए पहुंच गए। इस दौरान सी.एम.ने सचिवालय के मुख्य भवन में करीब 10 मिनट बिताए।

मुख्यमंत्री ने दुर्गा लाल माली के घर जाकर दिलाई पार्टी की सदस्यता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता दुर्गा लाल माली के निवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने भाजपा सदस्यता अभियान-2024 के तहत माली को पार्टी की सदस्यता दिलाई। साथ ही उनका सदस्यता नवीनीकरण भी करवाया।

मुख्यमंत्री ने माली को बधाई देते हुए कहा कि वे जनसंघ के जमाने से भाजपा के कार्यकर्ता हैं तथा विभिन्न पदों पर आसीन रहे हैं। इन जैसे कर्मठ कार्यकर्ताओं के कारण ही जनसंघ जैसा छोटा पौधा आज भाजपा रूपी वट वृक्ष बन गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही आज भाजपा न केवल देश, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बन गई है। शर्मा ने राजस्थान में 1 करोड़ सदस्य बनाने के लक्ष्य पर कहा कि राजस्थान की संस्कृति सवाया की है। हम 1 करोड़ सदस्य के लक्ष्य को पार कर सवा करोड़ के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर संयोजक अरूण चतुर्वेदी, सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा एवं वरिष्ठ मण्डल कार्यकर्ता उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि दुर्गा लाल माली वर्ष 1973 से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए हैं।

राज्यपाल का काम आराम करने का नहीं, उसके पास बहुत ताकत है : माथुर

जयपुर। नागरिक अभिनंदन समारोह समिति के द्वारा बिड़ला ऑडिटोरियम में सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर का अभिनंदन और स्वागत समारोह किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा प्रदेश मदन राठौड़ सहित भाजपा के मंत्री पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर ने कहा कि राज्यपाल का काम आराम करने का नहीं है। राज्यपाल के पास बहुत ताकत है। अगर वह काम करना चाहे तो इतनी ताकत है, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते हो। राज्यपाल का फंड अलग होता है। मैंने सिक्किम में सार्वजनिक रूप से कहा है कि मैं जनता का आदमी हूं। गवर्नर हाउस में बैठने के लिए नहीं आया हूं। सिक्किम का राजभवन 24 घंटे जनता के लिए खुला रहेगा।

समारोह में राज्यपाल माथुर ने अपने राजनीतिक जीवन से जुड़े कई किस्सों को साझा किया। उन्होंने कहा कि मैंने राजस्थान के सभी ब्लॉक मोटरसाइकिल से घूमे। आज मुझ जैसे कार्यकर्ता को मोटरसाइकिल से लेकर चार्टर में घूमने के काबिल पार्टी ने बनाया। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा पार्टी के लिए काम किया। मेरी पीएम नरेंद्र मोदी से अच्छे दोस्ती रही, लेकिन कई घटनाएं भी हुईं। उन घटनाओं का जिक्र मैं यहां नहीं करूंगा।

> ■ **सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर का नागरिक अभिनंदन समिति के द्वारा जयपुर में भव्य स्वागत**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यहां वो कार्यकर्ता हैं जिनको ओम माथुर ने काम देकर आगे बढ़ाने का काम किया हैं। पहली मुलाकात ओम माथुर किसान सघ में थे तब हुई। राम मंदिर, यूपी चुनाव के साथ साथ उसके बाद युवा मोर्चा के अध्यक्ष बनाया, तब सतीश पूनिया अध्यक्ष थे तब यात्रा निकाली। उसमे माथुर का मार्गदर्शन मिला। 2004 में झारखंड के प्रभारी थे तब भी काम किया। झारखंड में नक्सलवाद के चलते माथुर को प्रभारी बनाया। जिस होटल हम रुके थे वहां ही माथुर रुके थे। तब उन्होंने कहा कि आप जल्दी ही चुनाव प्रचार करके वापस आ जाया करो। भाजपा कार्यकर्ता के साथ माथुर का स्नेह हमेशा रहा है। संस्कृति व विचार को लेकर माथुर ने काम किया। माथुर ने संगठन महामंत्री के नाते पार्टी ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ाया गया ओर सरकार बनी। सिक्किम में भी माथुर को कोई न कोई टाक्स दिया हैं।

रामचरण बोहरा ने स्वागत भाषण के दौरान सभी का स्वागत किया। ओम माथुर का सभी के साथ लगाव हैं इसके कारण ही इतनी संख्या में कार्यकर्ता स्वागत करने आए है।

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि ओम माथुर एक साधारण कार्यकर्ता की कहानी हैं। मोदी के नेतृत्व में इतने कार्यकर्ता राज्यपाल बनाए हैं ये स्वागत योग्य हैं। ओम माथुर के साथ 12 साल तक लगातार काम करने का मौका मिला। ओम माथुर ने नरेंद्र मोदी के साथ गुजरात मे समन्वयक बैठाया। ये काम ओम माथुर ही कर सकते हैं। जब कोई ये कहते थे कि इस बार पार्टी के इनको ठंडे में लगा दिया तो वही दिल्ली की ओर से किसी न किसी पद पर बैठाया है। वही अब पार्टी ने इनको राज्यपाल बना कर सुशोभित किया। जब मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत थे तब पंचायत समिति व जिला परिषद में चुनाव पार्टी के सिम्बल पर करवाए। कार्यकर्ता माथुर के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर संयम रखकर काम करे। एक बार मैंने भी अलग गली निकाल ली थी, संयम रखकर काम करने वाले महामहिम बन जाता है लेकिन गली निकलने वाले माननीय तक ही सीमित रहते हैं।

हाईकोर्ट में बिक रहे दूषित खाद्य पदार्थों पर आयोग ने लिया प्रसंज्ञान

जयपुर, (का.सं.)। राज्य मानवाधिकार आयोग ने खाद्य विभाग की ओर से बीते दिनों हाईकोर्ट परिसर की कैंटीन में कार्रवाई कर दूषित खाद्य पदार्थों की बिक्री करने और फूड लाइसेंस भी नहीं होने के मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही आयोग ने स्वास्थ्य सचिव, उपभोक्ता निदेशालय, खाद्य सुरक्षा आयुक्त, सभी जिलों के कलेक्टर व

> ■ **खाद्य विभाग को कार्रवाई के लिए कहा**

मुख्य चिकित्सा अधिकारी को कार्रवाई करने को कहा है। आयोग ने यह आदेश इस संबंध में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स पर प्रसंज्ञान लेते हुए दिए।

आयोग ने इन अधिकारियों को कहा है कि वे खाद्य पदार्थों में मिलावट को रोकने के लिए समय-समय पर कार्रवाई करें। इस दौरान दुकानदारों के पास फूड लाइसेंस नहीं मिलने पर नगर पालिका व निगमों के प्रभावी त्वरित कार्रवाई करें, ताकि मिलावटी सामग्री से जनता का बचाव हो सके। आयोग ने राज्य सरकार से यह भी अपेक्षा की है कि वह इस संबंध में बने कानून के विषय में प्रभावी विधायी नियमों को जल्दी लागू करे।

मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि खाद्य विभाग ने हाईकोर्ट परिसर स्थित कैंटीनों का निरीक्षण किया था। इस दौरान टीम को अवधि पार फूड, फफूंद लगी सामग्री मिली। वहीं किसी भी दुकानदार के पास फूड लाइसेंस भी नहीं था। यहां घरेलू गैस सिलेंडर भी काम में लिए जा रहे थे। निरीक्षण के दौरान एक कैंटीन में सड़ी सब्जियां, कृत्रिम रंग, गंदे बर्तन, कोरोना काल से पड़ी नमकीन, सहित अन्य गंदा सामान मिला। आयोग ने कहा कि अधिवक्ता न्यायालयों में काम कर कुछ देर सुस्ताने के लिए चाय या अन्य खाद्य पदार्थ का सेवन करता है, लेकिन यहां वे भी सुरक्षित नहीं मिलते। खाद्य विभाग त्योहारों के दौरान प्रभावी कार्रवाई करता है, लेकिन आम दिनों में कार्रवाई में शिथिलता के चलते मिलावटी खाद्य सामग्री जनस्वास्थ्य को कष्ट पहुंचाते हैं।

राजस्थान हाईकोर्ट की कैंटीन में मिलावटी और दूषित खाद्य पदार्थ मिलने के बाद मंगलवार को बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा और महासचिव सुशील पुजारी व अन्य अधिवक्ताओं ने कैंटीन का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं जांची।

आर.ए.एस. भर्ती परीक्षा की विज्ञप्ति पर उठे सवाल

जयपुर। पूर्व कैबिनेट मंत्री व बायतु विधायक हरीश चौधरी ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया कि पिछले दिनों राजस्थान विधानसभा सत्र के दौरान चिकित्सा मंत्री ने सदन में घोषणा की थी कि चिकित्सा विभाग में प्रक्रियाधीन फार्मासिस्ट भर्ती की नियुक्तियां अगस्त में दे दी जाएगी।

हरीश चौधरी ने बताया कि प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने सदन में बेरोजगार युवाओं को राहत देने के लिए भर्तियों के संबंध में अगस्त महीने की बात की थी, पर अगस्त गुजर जाने के बाद भी फार्मासिस्ट भर्ती-2023 की अंतिम सूची जारी नहीं हुई है जिसको लेकर बेरोजगार युवाओं में आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने कहा कि आपके वादों और दावों का क्या हुआ, इसको लेकर प्रदेश के युवा व जनता जवाब मांग रही है।

इसी तरह हरीश चौधरी ने राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं भर्ती-2024-25 भर्ती परीक्षा को लेकर जारी की गई विज्ञप्ति को लेकर कहा कि इस भर्ती में जो पदों का असंवैधानिक बँटवारा किया गया है वह आरक्षित वर्गों के साथ सरासर अन्याय है। विधायक हरीश चौधरी ने अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी वर्ग को उनके प्रतिशत के अनुसार आरक्षण देते हुए आयोग से पुन: विज्ञप्ति जारी करने की मांग की।

राज्यपाल को देवनानी ने विधानसभा में किये नवाचारों की जानकारी दी

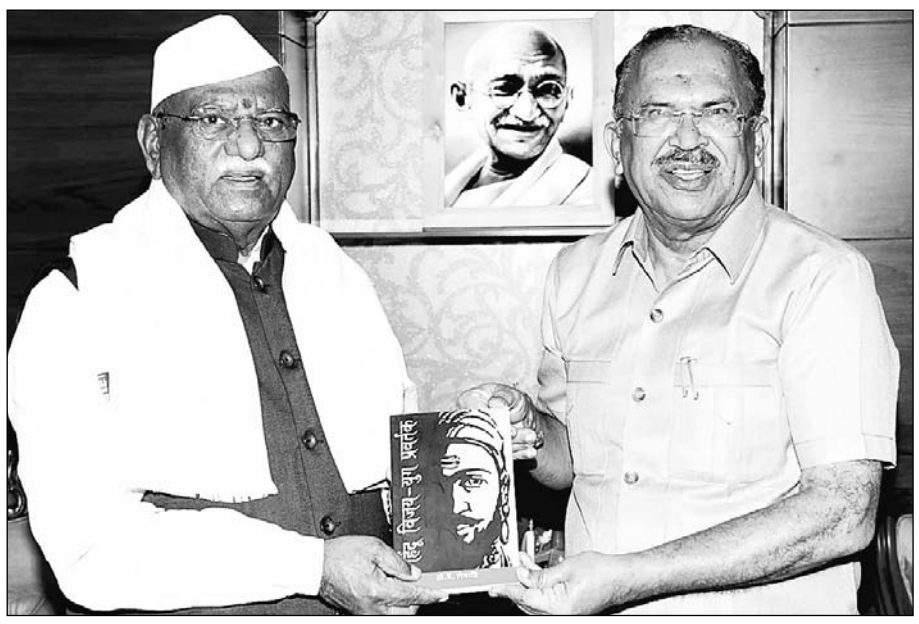

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने छत्रपति वीर शिवाजी के विशिष्ट कौशल, अद्भुत मूल्यों और वीर कर्मों पर आधारित वे. शेषाद्री की पुस्तक ''हिन्दू विजय युग प्रर्वतक'' राज्यपाल को भेंट की।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे से शिष्टाचार भेंट की। देवनानी ने राज्यपाल का शॉल ओढाकर और पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनन्दन किया। स्पीकर देवनानी ने छत्रपति वीर शिवाजी के विशिष्ट कौशल, अद्भुत मूल्यों और वीर कर्मों पर आधारित वे. शेषाद्री की पुस्तक ''हिन्दू विजय युग प्रर्वतक'' राज्यपाल को भेंट की। राज्यपाल ने राजस्थान विधानसभा की दैनन्दिनी 2024-25 का अवलोकन कर नवाचार की सराहना करते हुए प्रकाशन को देशभर के विधान मण्डलों के लिए नजीर बताया।

राज्यपाल बागडे ने भारतीय नव वर्ष से प्रारम्भ विधान सभा डायरी देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने डायरी में प्रत्येक महीने के आरम्भ में प्रकाशित महापुरुषों के चित्रों की पहल को महत्वपूर्ण बताते हुए इसकी सराहना की। देवनानी ने बताया कि विधानसभा के इतिहास में पहली बार दैनन्दिनी का प्रकाशन भारतीय वर्ष के अनुसार नव संवत्सर 2081 के माह चैत्र शुक्ल, प्रतिपदा से दैनन्दिनी को आरम्भ किया गया है। महापुरुषों भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर, महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान, छत्रपति शिवाजी, महर्षि दयानन्द सरस्वती, मीरा बाई, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, स्वामी विवेकानन्द, सुभाष चन्द बोस, महावीर स्वामी और चन्द्र शेखर आजाद के चित्रों का डायरी में समावेश किया है। विधान सभा में किये नवाचारों की पुस्तिका भेंट की।

राज्य सरकार को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस गोल्ड पुरस्कार

सिलिकोसिस रोग की पहचान के लिए टेली-रेडियोलॉजी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) के अभिनव प्रयोग पर मिला है यह सम्मान

जयपुर । केन्द्र सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग ने नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के लिए उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग के तहत उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए राज्य सरकार को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस (गोल्ड) पुरस्कार 2024 से मुम्बई में मंगलवार को आयोजित 27 वीं राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस कॉन्फ्रेंस के दौरान सम्मानित किया है। यह पुरस्कार प्रदेश द्वारा सिलिकोसिस रोग की पहचान के लिए टेली-रेडियोलॉजी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) के अभिनव उपयोग और प्रभावित व्यक्तियों को राहत पहुंचाने के लिए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के स्वत: स्वीकृति पोर्टल निर्माण के लिए प्रदान किया गया है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग के सचिव डॉ समित शर्मा ने अपनी टीम के सदस्य एच गुईटे एवं डॉ सिसोदिया के साथ ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र और 10 लाख रुपए का कैश अवार्ड प्राप्त किया।इस नवाचार का नेतृत्व डॉ. शर्मा ने अपने सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के शासन सचिव रहते हुए किया। राज सिलिकोसिस पोर्टल सार्वजनिक सेवा वितरण में अत्याधुनिक चिकित्सा प्रौद्योगिकी और एआई के एकीकरण में एक महत्वपूर्ण प्रगति का उदाहरण प्रस्तुत करती है साथ ही नागरिक-केंद्रित शासन और स्वास्थ्य सेवा के प्रति राजस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

जलदाय विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने अपनी टीम के सदस्य एच. गुईटे और डॉ. सिसोदिया के साथ ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र और 10 लाख रुपए का कैश अवार्ड प्राप्त किया।

राज्य सरकार ने सिलिकोसिस बीमारी के निदान एवं राहत के लिए एक अभिनव आईटी समाधान विकसित किया है। जो डिजिटल एक्स-रे, टेली-रेडियोलॉजी और एआई एल्गोरिदम का उपयोग करके सिलिकोसिस की जांच को सुगम एवं त्वरित बनाता है।

डॉ.सतीश पूनिया ने पार्टी की सदस्यता ली

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी आव्हान पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा शुभारंभ किए गए सदस्यता अभियान के अंतर्गत भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

खाली प्लॉट में पड़ा मिला युवक का शव

जयपुर । करधनी इलाके में एक खाली प्लॉट में मंगलवार सुबह एक युवक का शव पड़ा मिला। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए शव को कांवटिया अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है। पुलिस ने बताया कि निवारू गांव में स्थित खाली प्लाट में युवक का शव पड़ा मिला है। युवक की लाश मिलने का पता चलने पर स्थानीय लोगों में सनसनी फैल गई। खाली प्लाट के पास लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। पुलिस कंट्रोल रुम को लाश मिलने की सूचना दी गई। पुलिस सूचना पर मौके पर पहुंची। पुलिस के मौका-मुआवना करने पर लाश के पास नशे के इंजेक्शन पड़े मिले। पुलिस ने मृतक की पहचान के प्रयास किए, लेकिन उसका नाम-पता मालूम नहीं चला। पुलिस ने शव को कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया। पुलिस का कहना है कि पुलिस प्रथम दृष्टया जांच में नशे के ओवर डोज के चलते युवक की मौत होना सामने आया है। मृतक की उम्र करीब 30 साल है।

जे.बी.एल. ने पेश किया नया कैम्पेन

जयपुर । प्रतिष्ठित ऑडियो ब्रांड, जेबीएल ने अपने फेस्टिव कैम्पेन इंजीनियर्ड फॉर इमोशन के लॉन्च की घोषणा की है। यह कैम्पेन ऐसे प्रोडक्ट्स बनाने के लिए जेबीएल की प्रतिबद्धता दर्शाता है, जो न सिर्फ शानदार साउंड प्रदान करते हैं।

रत्न जड़ित विशेष मुकुट में दर्शन देंगे गणेशजी

जयपुर। मोती डूंगरी गणेशजी मंदिर में गणेश चतुर्थी महोत्सव में चार सितंबर बुधवार को भगवान गणेशजी महाराज के मोदकों की झांकी सजेगी। प्रात: 5 बजे गणेशजी महाराज के मोदकों के भोग के साथ मंगला आरती होगी। इसके साथ ही भक्त गणेशजी महाराज के दर्शन करेंगे। बुधवार को भगवान श्री गणेशजी महाराज को माणक व पन्ना जड़ित विशेष मुकुट धारण करवाया जाएगा। बुधवार को गणेशजी महाराज के बाहर का प्रसाद नहीं चढ़ेगा।

मोती डूंगरी गणेश मंदिर के महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि भगवान श्री गणेशजी महाराज के मोदकों की झांकी में 251 किलो के 2 मोदक, 200 किलो के दो मुख्य मोदक होंगे। इसके अलावा 5 मोदक 51 किलो के, 21 मोदक 21 किलो के, 1100 मोदक 1.25 किलो के और अन्य छोटे मोदक होंगे। भगवान गणेशजी महाराज फूलों के झरोखे में विराजमान होंगे। इसी दिन शाम 6.30 बजे से रात 9 बजे तक सभी भक्तजनों को नि:शुल्क मोदक प्रसाद वितरण होगा। गणेश जन्मोत्सव के तहत मंगलवार को भगवान गणपति के समक्ष केले की विशेष झांकी सजाई गई। शाम को डॉ स्वाति अग्रवाल ने अपनी शिष्याओं के साथ कथक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी।

मांस की दुकानों पर निगम की कार्रवाई

जयपुर । नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के निर्देश पर उपायुक्त पशु प्रबंधन मनोज कुमार वर्मा एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरेन्द्र चिराणा के नेतृत्व में दो टीमों का गठन कर विशेष अभियान चलाकर अवैध मीट की दुकानों, थड़ियों पर कार्यवाही की जा रही है। कार्यवाही में चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरेन्द्र चिराणा, अशोक मीणा सहित पशु प्रबंधन शाखा की टीम मौजूद रहे। गत 28 अगस्त से चल रहे इस अभियान के तहत अब तक पांच दिन में 4 लाख 48 हजार से अधिक कैरिंग चार्ज वसूल किया जा चुका है तथा 760 किलो से अधिक अवैध मीट मांस जब्त किया जा चुका है। 17 से अधिक दुकानों, थड़ियों को सीज किया जा चुका है एवं 16 अवैध थड़ियों को मौके पर ही ध्वस्त किया जा चुका है। इसके साथ ही 555 जिंदा मुर्गो एवं 7 बकरो को जब्त किया। अब तक लालरपुरा, गिरधारी पुरा, बजरी मण्डी 200 फीट बाईपास, जगतपुरा, झालाना व जगतपुरा कच्ची बस्ती में कार्रवाई की।

जवाहर कला केन्द्र में उत्सव-24 संपन्न

जयपुर । जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में चल रहे भाव सुर ताल के दो दिवसीय स्वर भाव उत्सव-24 के आखिरी दिन मंगलवार को सितार-हारमोनियम की कमाल की जुगलबंदी के साथ गायन और बाल, किशोर वर्ग की तबला कचहरी की सलोनी प्रस्तुति आकर्षण का केन्द्र रहीं, जिसने बड़ी तादाद में मौजूद दर्शकों का मन मोह लिया।

सोना तस्करी के आरोपी को दुबई जाने की सशर्त छूट

जयपुर । राजधानी जयपुर में 60 लाख रु. की सोने की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार मोहम्मद रज्जाक को नौकरी के लिए 2 माह तक दुबई जाने की सशर्त इजाजत अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दी है। इस मामले में याचिकाकर्ता मो. रज्जाक की ओर अदालत में पैरवी के लिए अधिवक्ता सहबान नकवी पेश हुए थे।

उन्होंने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता दुबई (यूएई) में नौकरी करता है, उसे काम के सिलसिले में वहां जाना होता है। इस पर अदालत ने सशर्त राहत दी है। अदालत ने आदेश दिया है कि याचिकाकर्ता विदेश में अपने निवास का पता, मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी न्यायालय में पेश करेगा। साथ ही 3 लाख रु. की राशि अदालत में जमा करवायेगा, वापस लौटने के 3 दिन के भीतर अपना पासपोर्ट कोर्ट में जमा करवायेगा। अगर अदालत में उसकी पेशी होगी।

यू.ई.एम. जयपुर में हुई क्विज प्रतियोगिता

जयपुर । यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के फाइनेंस क्लब फिनडैजलर्स ने अपने बहुप्रतीक्षित इंडक्शन इवेंट, नवोदय क्विज प्रतियोगिता की मेजबानी की। नवोदय क्विज़ प्रतियोगिता फ़िनडैज़लर्स कार्यक्रम का उद्देश्य नए छात्रों को क्लब और वित्त की गतिशील दुनिया से परिचित कराना था। प्रतियोगिता ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की टीमों को आकर्षित किया, जिसने वित्त और अर्थशास्त्र में अंत:विषय रुचि को उजागर किया। कुल दस टीमों ने क्विज़ में भाग लिया, और वित्तीय विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला में अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया। क्विज़ को कई राउंड में संरचित किया गया था, प्रत्येक को प्रतिभागियों के ज्ञान की गहराई और चौड़ाई का परीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। राउंड में रैपिड-फायर प्रश्न और बहुविकल्पीय खंड शामिल थे, जिसने कार्यक्रम में उत्साह और चुनौती की परतें जोड़ दीं।

''श्री गुरुग्रंथ साहिब जी-कुछ तथ्य'' पुस्तिका का विमोचन

जयपुर । सिक्ख धर्म के मौजूदा गुरु, गुरु ग्रंथ साहिब के पहले प्रकाश गुरपुरब को समर्पित पुस्तिका ''श्री गुरुग्रंथ साहिब जी-कुछ तथ्य'' का विमोचन राजस्थान सिक्ख समाज के अध्यक्ष, सरदार अजय पाल सिंह एवं कौन बनेगा गुरसिख बच्चा के अध्यक्ष, सरदार जसबीर सिंह द्वारा 3 सितंबर को किया गया। यह पुस्तिका सुखमनी सेवा सोसायटी बनी पार्क द्वारा प्रकाशित की गई है। इस दौरान सोसायटी की पिंकी सिंह, सूर्य उदय सिंह, चेतन नागपाल, जगमोहन सिंह आनंद, सरवजीत कौर व जगदीप सिंह उपस्थित रहे। पुस्तिका में प्रश्न-उत्तर के माध्यम से श्री गुरु ग्रंथ साहिब के बारे में जानकारी प्रदान की गई है।

जेड जोन गैंग का सरगना सहित तीन गिरफ्तार

कांकरोली थाना पुलिस की गिरफ्त में जेड जोन गैंग का सरगना जाकिर हुसैन एवं गैंग के अन्य दो सदस्य।

राजसमन्द, ०(निसं)। जिले की कांकरोली थाना टीम ने थाने का हिस्ट्रीशीटर जेड जोन गैंग के सरगना जाकिर हुसैन को गैंग के अन्य दो सदस्यों सहित तीन पिस्टल व पांच जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हनवंतसिंह सोढा ने बताया कि एसपी मनीष त्रिपाठी के आदेशानुसार जिले में अवैध हथियारों की धरपकड के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एएसपी महेन्द्र पारीक एवं डीएसपी विवेकसिंह के नेतृत्व में गठित कांकरोली थाना टीम द्वारा कांकरोली थाने के हिस्ट्रीशीटर व जेड जोन गैंग के सरगना जाकिर हुसैन को गैंग के दो सदस्यों के साथ गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन पिस्टलें व पांच कारतूस बरामद किए हैं।

गौरतलब है कि विगत दिनों कस्बा कांकरोली स्थित सुलुस रोड पर मोहिद हुसैन एवं उसके साथी मुकेश उर्फ फुग्गा ने भावेश गौरवा पर पिस्टल से फायरिंग कर कस्बे के लोगों में दहशत पैदा की थी। इस घटना को लेकर एसपी द्वारा कांकरोली में विशेष टीम गठित की थी। इस टीम ने उत्तराखण्ड से मोहिद हुसैन व उसके साथी मुकेश उर्फ फुग्गा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार पिस्टलें व 44 कारतूस बरामद किए थे। इन अपराधियों से अनुसंधान करने पर ज्ञात हुआ था कि कांकरोली कस्बे में अपराधियों द्वारा सोशल मीडिया पर दो तरह की गैंग संचालित की जा रही है। मोहिद हुसैन द्वारा किंग खान गैंग व उसके प्रतिद्वंदी जाकिर हुसैन द्वारा जेड जोन गैंग संचालित की जाती है। इन दोनों अपराधी शातिर किस्म के बदमाश होकर थाना कांकरोली के हिस्ट्रीशीटर हैं। जो सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों का प्रदर्शन करते हैं तथा आम जनता में दहशत फैलाते हैं।

जिस कारण कई युवा इन्हें सोशल मीडिया पर फॉलो भी करते हैं। अपराधी मोहिद हुसैन व उसके सहयोगियो से कुल 9 पिस्टले व कारतूस बरामद हुए थे। मोहिद हुसैन व मुकेश उर्फ फुग्गा की गिरफ्तारी के बाद जेड जोन गैंग का सरगना जाकिर हुसैन अपने साथी सदस्यों के साथ फरार चल रहा था। जिनके पास भी अवैध हथियार होने की संभावना से जाकिर हुसैन व उसके साथियों की लगातार तलाश की जा रही थी। मंगलवार को मुखबीर से सूचना मिली की जेड जोन गैंग का सरगना जाकिर हुसैन अपने साथियों के साथ कांकरोली के आस पास के गांवों में घूम रहा है। जिस पर कांकरोली थाने की अलग –अलग टीमों ने हिस्ट्रीशीटर जाकिर हुसैन पुत्र रूस्तम खान निवासी जल चक्की कांकरोली, नदीम खान उर्फ मांगु पुत्र रमजान खान निवासी चांद पोल दरवाजा कांकरोली, फरदीन खान पुत्र फिरोज खान निवासी देलवाडा हाल खडबजी का चौक खांजी पीर उदयपुर को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से तीन पिस्टलें व पांच जिन्दा कारतूस बरामद किए गए हैं। पूछताछ में इस गैंग द्वारा हथियार किंग खान गैंग के सरगना मोहिद हुसैन व मुकेश उर्फ फुग्गा से विगत दिनों जाकिर हुसैन पर हुए जानलेवा हमले का बदला लेने के लिए अपने पास रखना बताया। अनुसंधान जारी है।

जिला कलक्टर को सौंपा ज्ञापन

डूंगरपुर। सोमवार को प्राथि या पिंकी तत्नी सुनील यादव निवासी सतीरामपुर जिला डूंगरपुर ने जिला कलक्टर को एक परिवाद सौपा। जिसमें बताया कि, प्राथीय ा पिंकी मीणा ने आवासन मण्डल का एक मकान खरीदा है, जिसके नामान्तरण खोलने के लिए डूंगरपुर आवासन मण्डल के समक्ष उपस्थित हुई, जिसके उपरान्त मुझेआवासन मण्डल के सेवानिवृत कामि क भुपेन्द्र सिंह व लोकेश द्वारा एक फॉम भरने हेतु दिया व चालान की प्रति दी, जोकि मूझे पुनः भर कर चालान की राशि कूल 7० हजार 7०० सौ रूपये युनियन बैंक ऑफ इण्डिया शाखा डूंगरपुर के माफ त 2० जुलाई 2०24 को विधिपूव जमा करवाए।

इसके उपरान्त मेरे पति सुनील यादव को आवासन मण्डल के निजी कामि क ने बताया कि, यदि 7 दिन में नामान्तरण खुलवाना हो तो सेवानिवृत कामि क भूपेन्द्र सिंह को स पक करे, वही आपका कार्य जल्द से जल्द करवा सकते है, अन्यथा आपका नामान्तरण खुलने में 2 माह लग जायेगें। जिस पर मेरे पति द्वारा भूपेन्द्र सिंह के मोबाइल पर स पकड कर उक्त वार्ता की, लेकिन भूपेन्द्र सिंह ने अगले दिन उक्त प्रक्रिया के बारे अवगत कराने के लिए कहा। उसके बाद दूसरे दिन भूपेन्द्र सिंह का सामने से मेरे पति सुनील यादव पर कॉल आया, जिसमें बताया कि, नामान्तरण जल्द खुलवाना हो तो सबसे 4०- 5० हजार रूपये लेता हुं, पर तु मिलने वाला है, इसलिए तुझसे मात्र 25 हजार रूपये लुंगा। साथ ही प्राथी पिर्की के पति सुनील ने बताया कि, कॉल पर यह भी कहा कि, नामान्तरण की प्रक्रिया का अखबार में देना आवश्यक है।

झुलसे मजदूर से मिलने पहुंची पूर्व विधायक प्रीती शक्तावत

भीण्डर। भीण्डर में 29 अगस्त को विद्युत विभाग में ठेकेदार के मार्फत काम करने वाला एक मजदूर बिजली के चपेट में आने से झलूस गया। जिसको इलाज के लिए उदयपुर रेफर किया गया था। वहां पर सोमवार को वल्लभनगर पूर्व विधायक व कांग्रेस नेता प्रीति शक्तावत कुशलक्षेम जानने पहुंची। उन्होंने मजदूर और उनके परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाते हुए इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं आने का आश्वासन दिया।

उल्लेखनीय हैं कि भीण्डर के मदनपुरा निवासी जगन्नाथ मीणा एवीवीएनएल के ठेकेदार फर्म के मार्फत मजदूरी का काम करता है। शुक्रवार को ठेकेदार के कहने पर मदनपूरा स्थित एक विद्युत खंभे पर जम्पर व तार खींचने हेतु खंभे पर चढा। लेकिन अचानक पावर हाउस से कर्मचारी ने लाइन चालू कर दी। जिससे 11 केवी लाइन में करंट दौडने से खंभे पर चढे जगन्नाथ को करंट लगने से वह झुलस गया जिसको बाकी मजदूरों ने वहां से छुडाया एवं तुरंत भींडर हॉस्पिटल पहुंचाया। यहां से उदयपुर रेफर किया गया था। घायल के भाई नक्षत्र मीणा ने दोषी कर्मचारी एवं अधिकारियों पर कार्यवाही करने एवं उचित मुआवजा दिलवाने की मांग की है।

सोमवार को वल्लभनगर पूर्व विधायक व कांग्रेस नेता प्रीति शक्तावत उदयपुर एमबी हॉस्पिटल में भर्ती जगन्नाथ मीणा से मिलने पहुंची, यहां उन्होंने स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उसको हर संभव मदद व इलाज के लिए भरोसा दिलाया। पूर्व विधायक ने कहा कि जिला कलेक्टर प्रशासन से बात कर उचित मुआवजा दिलाने का प्रयास करूंगी। इस दौरान भीण्डर नगर पालिका कांग्रेस पार्षद लता चौबीसा, नंदलाल अहीर, किशन अहीर, नक्षत्र मीणा आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिका भीण्डर, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक-न.पा.भी/2024-25/692 दिनांक : ....

-:ऊजरदारी सूचना:-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित प्रार्थी ने प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर नगर पालिका क्षेत्र में स्थित स्वयं के खरीदशुदा"मकान/भूखण्ड की "नामान्तरण स्वीकृति" चाही है। इस बाबत् इनके मालिकाना हक सम्बन्धी अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो उजरदारी की सूचना प्रकाशन के 7 दिवस में अपनी आपत्ति मय दस्तावेज के नगरपालिका कार्यालय में दर्ज करा सकते है। बाद मियाद कोई आपत्ति स्वीकार नही होगी तथा नामान्तरण स्वीकृति जारी किये जाने सम्बन्धी अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

क्र. सं.	आवेदनकर्ता का नाम	आवेदित सम्पत्ति का विवरण कॉलोनी/मौहल्ला	स्थिति मकान के पड़ौस				क्षेत्रफल वर्गफीट
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण	
1	श्री रामचन्द्र जणवा पिता लालु राम जी जणवा निवासी सालेडा तहसील कानोड़	वार्ड नं.24 स्टेशन रोड सुखसागर विहार भीण्डर	आवागमन का रास्ता	सरकारी बिलानाम भूमि	डॉ.शर्मा का मकान	मकान नं 05 कृष्ण वल्लभ चौबीसा का मकान	1250

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका भीण्ड़र

सार-समाचार

भारत के युद्ध नायक का सम्मान होगा

उदयपुर, (कासं)। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ में 6 सितंबर को राष्ट्रभाव जागरण के उद्देश्य से परमवीर चक्र से सम्मानित युद्ध नायक सूबेदार योगेन्द्र सिंह यादव का सम्मान किया जाएगा। कर्नल प्रो शिव सिंह सारंगदेवोत ने कहा कि राष्ट्र भक्तों का सम्मान हम सभी के लिए गौरवपूर्ण है। उनके अतिरिक्त अन्य सभी परमवीर चक्र सम्मानित देशभक्तों को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के निमित्त विभिन्न समितियां बनाकर सभी को विभिन्न व्यवस्थाएं वितरित कर जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर डॉ. युवराज सिंह राठौड, प्रो. सरोज गर्ग, डॉ. भवानी पाल सिंह राठौड, डॉ. हिना खान, डॉ. नीरू राठौड, डॉ. चंद्रेश छतलानी, डॉ. रचना राठौड, डॉ. बलिदान जैन, डॉ. सुनीता मुर्डिया, डॉ. सपना श्रीमाली, डॉ. अमी राठौड डॉ. प्रदीप सिंह शक्तावत, डॉ. दिनेश श्रीमाली, डॉ. यज्ञ आमेटा सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों का निरीक्षण

राजसमन्द,(निसं)। बारिश के मौसम में जिले के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्रावासों की भौतिक स्थिति एवं बालकों के जान माल की रक्षा करने के लिए छात्रावासों की स्थिति का निरीक्षण करने के राज्य परियोजना के दिशा निर्देश अनुसार एक टीम का गठन किया गया।

जिसमें समग्र शिक्षा अभियान राजसमंद के सहायक अभियंता प्रेमप्रकाश नागर, कनिष्ठ अभियंता भरत कुमार, कार्यक्रम अधिकारी राकेश गोस्वामी को शामिल करते हुए छात्रावासों के भवन का भौतिक रूप से निरीक्षण करवाया जा रहा है। मंगलवार को सिविल की टीम ने भीम और देवगढ के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों का निरीक्षण किया। समसा राजसमंद के अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक घनश्याम गौड ने बताया कि केजीबीवी में मौके पर कार्यरत वार्डन प्रधानाध्यापिका नोडल प्रिंसिपल को बालिकाओं की जान माल की रक्षा करने के दिशा निर्देश दिए। जिन कमरों में पानी से सिलन आ रही थी उन कमरों की छत पर केमिकल और सीमेंट का गोल करके पानी की सीलन बंद करने, टंकी के ओवरफ्लो द्वारा छत पर पाइप से पानी बाहर निकाल ने, पाइप लगाने तथा छत पर पानी नहीं भर के रखने के दिशा निर्देश दिए। भीम के बालिका छात्रावास के निर्माण काम को शीघ्रता शीघ्र पूरा करने पर पुरानी बिल्डिंग को नई बिल्डिंग में जल्दी बालिकाओं को शिफ्ट करने के निर्देश दिए। जिन कमरों में प्लास्टर गिर रहा है उन कमरों के प्लास्टर को तत्काल प्रभाव से मरम्मत करने के भीम कनिष्ठ अभियंता भरत कुमार को दिए। सहायक अभियंता ने भीम केजीबीवी के जिन कमरो में पानी से सीलन आ रही उनकी छत पूरी तरह से हटा कर नई छत डालने के एस्टीमेट तैयार कर परिषद कार्यालय जयपुर को भिजवाए जाने के दिशा निर्देश भी दिए।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

NO.:F.11()Regin-I/2024/347 Date:02.09.2024

आम- सूचना

राजस्व ग्राम सीसारमा के खसरा नम्बर 5488/2765,2765, 2780 से 2786,2787,2789 से 2795,2871,5741/2872 एवं न्यास भूमि आराजी संख्या 5426/2765,2766 से 2769, 2784/5400,2687/5434,2868 पार्ट,3025 पार्ट के स्वीकृत ले-आउट प्लान में स्थित (निर्मित) भूखण्ड संख्या 123 क्षैत्रफल 2090'-00" वर्गफीट के नियमन हेतु श्रीमती जुलेखा बेगम पत्नी श्री फजल मेहमुद द्वारा आवेदन पत्र के साथ अपंजीकृत विक्रय पत्र छायाप्रतियां, क्षतिपूर्ति बंध-पत्र, शपथ पत्र की प्रति आदि प्रस्तुत कर पट्टा चाहा गया है। उक्त (निर्मित) भूखण्ड संख्या 123 आवेदक को श्री पेमा पुत्र श्री रामा गमेती जरिये अधिकार पत्रधारी श्री धर्म सिंह सुवालका पुत्र श्री फतहलाल सुवालका से श्री राधेश्याम पिता श्री कन्हैयालाल दरजी का अपंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 03.06.1995, एवं श्री मोहम्मद नासिर पिता श्री नूर मोहम्मद मुसलमान को अपंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 10.01.1996 से प्राप्त हुआ है।

आवेदक द्वारा मूल विक्रय पत्र शृंखला गुम हो जाने से ऑनलाईन गुमशुदगी की रिपोर्ट 14.06.2024 की प्रति प्रस्तुत करते हुए उक्त (निर्मित) भूखण्ड संख्या 123 क्षेत्रफल 2090'-00" वर्गफीट का नियमन चाहा गया है। अत: उक्त भूखण्ड का पट्टा श्रीमती जुलेखा बेगम पत्नी श्री फजल मेहमुद के नाम से करने के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति/एतराज हो तो स्वयं उपस्थित होकर अधोहस्ताक्षरकर्ता को इस सूचना प्रकाशन के 7 दिवस में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मियाद गुजरने नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही अमल में लायी जावेगी।

(जितेन्द्र ओझा)
उपायुक्त
उदयपुर विकास प्राधिकरण,उदयपुर

कारागृह का निरीक्षण

बांसवाड़ा, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, राजस्थान उच्च न्यायालय परिसर, जयपुर के निदेर्शानुसार जिला न्यायाधीश श्री अरूण कुमार अठावाल ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बांसवाड़ा के सचिव श्री कौशल सिंह के साथ जिला कारागृह, बांसवाड़ा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागृह में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। निरीक्षण के दौरान कारागृह में कैदियों के लिए भोजन, चिकित्सा, स्नान व रहने की व्यवस्था के सम्बन्ध में जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान अठावाल द्वारा द्वारा सभी बन्दीगणों को विधिक सहायता के बारे में जानकारी देते हुए उनके प्रकरणों में अधिवक्ता नियुक्त होने अथवा नहीं होने के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गई।

केवट आश्रम कालीहेल धाम चाचाकोटा में हुए अनुष्ठान

बांसवाड़ा, (निसं)। शिव हनुमान मन्दिर केवट आश्रम कालीहेल धाम चाचाकोटा में सोमवती अमावस्या पर आशापूर्ण महाराज के सानिध्य में हवन यज्ञ किया गया। आशापूर्ण महाराज ने बताया कि आश्रम में हर अमावस्या के दिन हवन यज्ञ एवं भोजन भण्डारे का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया वहीं भोजन भंडारा उदा महाराज ने किया। विरेंद्र सिंह परमार ने बताया कार्यक्रम में ठााम पंचायत चाचा कोटा के सरपंच दीपचंद्, शंकर सूर्य देव महाराज, कैलाश, मोगजी महाराज, जीवन महाराज, माला देवी, सूर्या देवी आदि ने विश्व शांति की कामना को लेकर यज्ञ में आहुतियां प्रदान की। आशापुर्ण महाराज ने बताया की अक्टुबर माह में आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा के लिए 15 सितंबर को बैठक व्यवस्था समिति के अध्यक्ष मावजी भाई के निर्देशन मे आयोजित की जायेगी।

सांवलिया जी सेठ के भंडार से निकले 8 करोड़ रुपए

भंडार गिनती में उपस्थित मंदिर बोर्ड अध्यक्ष गुर्जर एवं पदाधिकारी।

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार का भंडार रविवार चतुर्दशी को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरुलाल गुर्जर एवं भदेसर उपखंड अधिकारी विजयेश कुमार पांडेय की उपस्थिति में खोला गया। लेकिन यात्रियों की अधिक भीड़ होने से भंडार गिनती नहीं हो सकी।

खोले गए भंडार की राशि सुरक्षित मंदिर के तलघर में रख दी गई थी। उसके बाद अगले दिन अमावस्या होने के कारण भी गिनती नहीं हुई। मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि मंदिर के तलघर में रखी राशि को मंगलवार को बाहर निकाल कर गणना की गई। प्रशासनिक अधिकारी टेलर ने बताया कि मंगलवार को भंडार गिनती से 08 करोड़ रुपए नगद प्राप्त हुए। भंडार गिनती में भादसोड़ा नायब तहसीलदार घनश्याम जरवाल, मंदिर बोर्ड सदस्य भेरूलाल सोनी, संजय कुमार मंडोवरा, अशोक कुमार शर्मा, ममतेश शर्मा, श्रीलाल पाटीदार, भादसोड़ा सरपंच एवं मंदिर बोर्ड सदस्य शंभू लाल सुथार, कांठोस युवा नेता सुरेश चंद्र गुर्जर, प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, सुरक्षा प्रभारी भेरू गिरी गोस्वामी, लेहरी लाल गाडरी सहित मंदिर एवं बैंक कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद, राजसमन्द

सं.3131 दिनांक :03/09/2024

लोक-सूचना

श्री हुक्मीचन्द पिता श्री चुन्नीलाल भील निवासी गुडली तहसील व जिला राजसमन्द द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	गुडली	159/2 601/156	रकबा 0.0243 हैक्टेयर रकबा 0.0061 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद, राजसमन्द

सं.926 दिनांक :24/5/24

लोक-सूचना

श्री तनसुखलाल पिता श्री लक्ष्मीलाल कच्छारा निवासी धोईन्दा एवं श्रीमती लक्ष्मीदेवी पत्नी श्री अचल कुमार धर्मावत निवासी श्रीराम नगर कावडिया हॉस्पीटल के पास राजसमन्द तहसील व जिला राजसमन्द द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	धोईन्दा	237	रकबा 0.0243 हैक्टेयर भूमि का वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ।

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 24/5/24 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

SRG HOUSING FINANCE LIMITED
एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

CIN: L65922RJ1999PLC015440
321, एस.एम. लोढ़ा कॉम्प्लेक्स, शास्त्री सर्किल के पास, उदयपुर - 313001 (राजस्थान)
दूरभाष : 0294 2412609, ईमेल: info@srghousing.com, वेबसाइट: www.srghousing.com

मांग पत्र अंतर्गत धारा 13(2) सरफेसी एक्ट 2002

अधोहस्ताक्षरी, जो एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का प्राधिकृत अधिकारी है, ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं सपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अंतर्गत निम्न ऋणी/सहऋणियों/बन्धककर्ता/जमानतियों को एक मांग पत्र उसमें उल्लेखित रकम जो नीचे दर्शायी गई है, उक्त मांग पत्र की तारीख से 60 दिवस के भीतर प्रतिदाय करने की ''मांग करने'' के लिए जारी किया था। अधोहस्ताक्षरी को इस बात का विश्वास है कि ऋणी/सहऋणियों/बन्धककर्ता/जमानतियों द्वारा मांग पत्र की तामिल से बचा जा रहा है, इस कारण उक्त मांग पत्र की तामिल को प्रभावी करने हेतु उक्त मांग पत्र के घटकों को अखबार में प्रकाशित किया जा रहा है। ऋणी/सहऋणियों/बन्धककर्ता/जमानतियों को यह सूचना दी जाती है कि वे इस प्रकाशन से 60 दिवस के भीतर उक्त मांग पत्र में चाही गई दिनांक तक की राशि व अदायगी तक ब्याज, पेनल ब्याज, आदि अतिरिक्त कंपनी को अदा कर रसीद प्राप्त कर लेंवे। उक्त रकम की जानकारी आप कंपनी के अधिकारी से प्राप्त करके ऑनलाइन माध्यम से भी जमा करा सकते हैं। ऑनलाइन जमा करने के लिए आप कंपनी की वेबसाइट WWW.SRGHOUSING.COM पर जाकर अपने डेबिट/क्रेडिट/NEFT/RTGS/UPI के माध्यम से करा सकते है और सम्बंधित अधिकारी को इसकी जानकारी प्रदान करे। उक्त रकम का प्रतिदाय करने में असफल रहने पर ऋणी, सहऋणियों, बन्धककर्ता व उनके जमानतदारों को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बंधक रखी गयी सम्पति का कब्जा ले लिया जाएगा एवं अपने प्रतिभूति हित के प्रवर्तन हेतु उक्त अधिनियम की धारा 14 में वर्णित अधिकारों व अधिनियम के अन्य प्रावधानों का प्रयोग कर सकेगा। आपको अधिनियम की धारा 13(13) के तहत भी सूचित और आगाह किया जाता है की नीचे वर्णित बंधक संपत्ति को प्रेषक कंपनी से लिखित सहमती प्राप्त किये बगैर किसी अन्य को किसी भी रूप से अंतरित/हस्तांतरीत न करें। अधोहस्ताक्षरी उक्त बंधक रखी गयी सम्पति के उन्मोचन हेतु उपलब्ध समय के सम्बन्ध में उक्त एक्ट की धारा 13(8) की ओर ऋणी, सहऋणियों, बन्धककर्ता एवं जमानतियों का ध्यान आकृष्ट करता है।

क्र.	ऋण खाता संख्या/ ऋणी/ सहऋणी/ जमानती	1) मांग पत्र की दिनांक 2) मांग राशि मांग पत्र अनुसार	स्थावर संपत्ति का विवरण
1	HLR0000000012655 श्री लक्ष्मण मेघवाल पुत्र श्री धुलिया मेघवाल (ऋणी) श्रीमती संगीता देवी पत्नी श्री लक्ष्मण मेघवाल (सह-ऋणी) श्री प्रकाश मीणा पुत्र श्री पूंजा लाल मीणा (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- 10 जून 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 4,93,110/- अक्षरें रूपये चार लाख तिरानवें हजार एक सौ दस मात्र दिनांक 10 जून 2024 तक एवं दिनांक 11 जून 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री लक्ष्मण मेघवाल पुत्र श्री धुलिया मेघवाल की संपत्ति जो कि खसरा नं.-960, पट्टा नं.-26, ग्राम पंचायत-आसपुर, तहसील-आसपुर, जिला-डूंगरपुर (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 433.07 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-शंकर का मकान, पश्चिम-मुकेश का मकान, उत्तर-रास्ता, दक्षिण-रास्ता
2	HLR0000000001727 श्री जीतेन्द्र कुमार पंचाल पुत्र श्री अम्बा लाल पंचाल (ऋणी) श्रीमती कैलाश देवी पंचाल पत्नी श्री जीतेन्द्र कुमार पंचाल (सह-ऋणी) श्री बलदेव पंचाल पुत्र श्री गोवर्धन लाल पंचाल (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- 27 जून 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 1,11,180/- अक्षरे रूपये एक लाख ग्यारह हजार एक सौ अस्सी मात्र दिनांक 27 जून 2024 तक एवं दिनांक 28 जून 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्रीमति कैलाश देवी पंचाल पत्नी श्री जीतेन्द्र कुमार पंचाल की संपत्ति जो कि प्लाट नं.-25, ग्राम-पडोली राठौर, तहसील-घाटोल, जिला-बाँसवाड़ा (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1200.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व- गीता देवी पत्नी मांगी लाल का प्लाट नं.-10, पश्चिम-20 फीट का कॉलोनी का रास्ता, उत्तर- प्लाट नं.-24, दक्षिण- प्लाट नं.-26
3	HLR0000000009435 श्री हरीश पालीवाल पुत्र श्री राम लाल पालीवाल (ऋणी) श्रीमती कुसुम पालीवाल पत्नी श्री हरीश पालीवाल (सह-ऋणी) श्री शैलेश पालीवाल पुत्र श्री सुख लाल पालीवाल (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- 02 अगस्त 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 3,52,560/- अक्षरे रूपये तीन लाख बावन हजार पांच सौ साठ मात्र दिनांक अगस्त 01 2024 तक एवं दिनांक अगस्त 02 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री हरीश पंचाल पुत्र श्री राम लाल पालीवाल की संपत्ति जो कि पट्टा मिस्सल नं.-05, खसरा नं.-3180, ग्राम पंचायत-गौगुन्दा, तहसील-खमनौर, जिला-राजसमन्द (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 2457.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-हिम्मत पुत्र स्वर्गीय शकर लाल का मकान, पश्चिम-सोहन लाल पुत्र भंवर लाल का मकान, उत्तर-रास्ता एवं चौक, दक्षिण- स्वर्गीय भंवर लाल का मकान
4	HLR0000000011925 श्री मोहन लाल मेघवाल पुत्र श्री गोडा मेघवाल (ऋणी) श्रीमती धापू बाई पत्नी श्री गोडा मेघवाल (सह-ऋणी-1) श्री गोडा मेघवाल पुत्र श्री नारायण मेघवाल (सह-ऋणी-2) श्री मिट्ठा लाल मेघवाल पुत्र श्री गोडा मेघवाल (सह-ऋणी-3) श्री भेरू लाल भील पुत्र श्री राटा भील (जमानती-1) श्री किशन लाल मेघवाल पुत्र श्री कुका राम मेघवाल (जमानती-2)	1) मांग पत्र की दिनांक- 02 अगस्त 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 7,93,940/- अक्षरे रूपये सात लाख तिरानवे हजार नौ सौ चालीस मात्र दिनांक अगस्त 01, 2024 तक एवं दिनांक अगस्त 02, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री गोडा मेघवाल पुत्र श्री नारायण मेघवाल की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-55083, मिस्सल नं.-183, बुक नं.-67, आराजी नं.-230, ग्राम पंचायत-साकरोदा, पंचायत समिति मावली, तहसील मावली, जिला उदयपुर (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 2305.60 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है पूर्व किशन मेघवाल का मकान, पश्चिम बाबु मेघवाल का मकान, उत्तर-आम रास्ता, दक्षिण-स्वयं की भूमि
5	HLR0000000014363 श्री सुरेश चन्द रेगर पुत्र श्री धूलाजी रेगर (ऋणी) श्रीमती रुकमणी देवी रेगर पत्नी श्री सुरेश चन्द्र रेगर (सह-ऋणी-1) श्री नारायण लाल रेगर पुत्र श्री डालू रेगर (सह-ऋणी-2) श्री मोहन लाल रेगर पुत्र श्री रतना जी (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- 13 जून 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 4,78,230/- अक्षरें रूपये चार लाख अठत्तर हजार दो सौ तीस मात्र दिनांक अगस्त 13, 2024 तक एवं दिनांक अगस्त 14, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री सुरेश चंद्र रेगर पुत्र श्री डालूजी रेगर की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-20, ग्राम-सेँगवास, ग्राम पंचायत-डोवारा, तहसील-आमेट, जिला-राजसमन्द (राज.) पर स्थित है जिसमे भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 980.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व- केशुराम जी का मकान, पश्चिम-कालूराम जी का प्लाट, उत्तर-नारायण लाल का मकान एवं गली-रास्ता, दक्षिण-मन्ना जी गुर्जर का मकान
6	HLR0000000008315 श्री गोपीलाल भेरूलाल नाई पुत्र श्री भेरूलाल नाई (ऋणी) श्री पंकज गोपीलाल नाई पुत्र श्री गोपीलाल नाई (सह-ऋणी-1) श्रीमती मणि बाई पत्नी श्री भेरू लाल (सह-ऋणी-2) श्री सोहन लाल नाई पुत्र श्री भेरूलाल नाई (सह-ऋणी-3) श्रीमती मीरा बाई पत्नी श्री गोपी लाल नाई (सह-ऋणी-4) श्री हुकमीचन्द कुम्हार पुत्र श्री चुन्नी लाल कुम्हार (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- 25 जुलाई 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 4,53,260/- अक्षरे रूपये चार लाख तिरेपन हजार दो सौ साठ मात्र दिनांक जुलाई 24, 2024 तक एवं दिनांक जुलाई 25, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री गोपीलाल भेरूलाल नाई पुत्र श्री भेरूलाल नाई की संपत्ति जो कि मिस्सल नं.-162, बुक नं.-05, पट्टा नं.-31170, ग्राम-नन्देसमा, तहसील- सायरा, जिला-उदयपुर (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 897.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है-पूर्व-प्यार चन्द का प्लाट, पश्चिम- रास्ता, उत्तर-पानी निकासी-गली, दक्षिण-हुकमी चन्द कुम्हार का मकान
7	HLR0000000007394 श्री जगदीश सुथार पुत्र श्री गोतम सुथार (ऋणी) श्रीमती रेखा सुथार पत्नी श्री जगदीश सुथार (सह-ऋणी) श्री राजेश कुमार मेहता पुत्र श्री जय शंकर मेहता (जमानती-1) श्री मुकेश मेहता पुत्र श्री गोपाल जी मेहता (जमानती-2)	1) मांग पत्र की दिनांक- 25 जुलाई 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 1,95,980/- अक्षरें रूपये एक लाख पिच्यानावे हजार नौ सौ अस्सी मात्र दिनांक जुलाई 23, 2024 तक एवं दिनांक जुलाई 24, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री जगदीश सुथार पुत्र श्री गोतम सुथार की संपत्ति जो कि मिस्सल नं.- 254, बुक नं.-05, आराजी नं.-2287, पट्टा नं.-55439, ग्राम-टोड़ा, तहसील-सलुम्बर, जिला-उदयपुर (राज.) पर स्थित हैं जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 323.75 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-आम रास्ता, पश्चिम-प्रकाश-रामजी कुन्दावत की जमीन, उत्तर-गोपाल-वेलजी कुन्दावत की जमीन, दक्षिण-लक्ष्मण-प्रेमजी सुथार का मकान
8	HLR0000000015540 श्री विनोद कुमार रेगर पुत्र श्री उदय लाल (ऋणी) श्रीमती प्रियंका कुमारी पत्नी श्री नारायण लाल रेगर (सह-ऋणी) श्री प्रकाश रेगर पुत्र श्री धन्ना जी (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- 14 जून 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 4,75,200/- अक्षरें रूपये चार लाख पिचहत्तर हजार दो सौ मात्र दिनांक जून 14, 2024 तक एवं दिनांक जून 15, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री विनोद कुमार रेगर पुत्र श्री उदय लाल की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-34, आराजी नं.-1167, ग्राम-घरडाना, ग्राम पंचायत-घरडाना, तहसील- भदेसर, जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 594.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-जमना शंकर पुत्र उदय लाल, पश्चिम-आम रास्ता, उत्तर-आम रास्ता, दक्षिण-मिया चन्द पुत्र मेघा रेगर
9	HLR0000000013283 श्री भेरू लाल पुत्र श्री बलदेव जी (ऋणी) श्रीमती सरिता कुंवर पत्नी श्री भेरू सिंह (सह-ऋणी) श्री भेरू लाल सालवी पुत्र श्री मूला सालवी (जमानती-1) श्री रतन सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह (जमानती-2)	1) मांग पत्र की दिनांक- 17 जून 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 6,44,620/- अक्षरें छह चार लाख चोवालिस हजार छह सौ बीस मात्र दिनांक जून 17, 2024 तक एवं दिनांक जून 18, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्रीमति सरिता कुंवर पत्नी श्री भेरू सिंह की संपत्ति जो कि बुक नं.-109, पट्टा नं.-30, ग्राम-नेगडिया कलां, तहसील-बस्सी, जिला-चित्तौडगढ (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1731.50 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-जनक सिंह पुत्र भीम सिंह, पश्चिम-नारवे सिंह पुत्र किशोर सिंह, उत्तर- तेजाजी चौक, दक्षिण- रास्ता
10	HLR0000000012090 श्री कालू सिंह चौहान पुत्र श्री जगदीश चौहान (ऋणी) श्री राम सिंह पुत्र श्री जगदीश चौहान (सह-ऋणी- 1) श्री जगदीश चौहान पुत्र श्री गस्तराम चौहान (सह-ऋणी-2) श्रीमति सोनू कुंवर पत्नी श्री कालू सिंह (सह-ऋणी- 3) श्रीमति अम्बा कुंवर पत्नी श्री जगदीश सिंह (सह-ऋणी- 4) श्री भेरू लाल सालवी पुत्र श्री मूला सालवी (जमानती-1) श्री पूरण लाल सुथार पुत्र श्री भंवर लाल सुथार (जमानती-2)	1) मांग पत्र की दिनांक- 21 जून 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 5,20,560/- अक्षरें पांच लाख बीस हजार पांच सौ साठ मात्र दिनांक जून 20, 2024 तक एवं दिनांक जून 21, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री जगदीश सिंह चौहान पुत्र श्री गासीराम जी चौहान एवं श्रीमती अम्बा बाई पत्नी श्री जगदीश सिंह चौहान की संपत्ति जो कि मिस्सल नं.-220/22, वार्ड नं.-19, ग्राम-आजादपुर, तहसील-बड़ी सादड़ी, जिला-चित्तौडगढ़ (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 528.75 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व- प्रतापसिंह का मकान, पश्चिम- फतेहसिंह का मकान, उत्तर- आजादपुर कोर्ट घाटी - आम रास्ता, दक्षिण- मांगीलाल का मकान
11	HLR0000000004640 HLR0000000012499 श्री विकास अंजाना पुत्र श्री अमृत लाल अंजाना (ऋणी) श्रीमति जानी बाई पत्नी श्री अमृत लाल अंजाना (सह-ऋणी- 1) श्री विपुल अंजाना पुत्र श्री अमृत लाल अंजाना (सह-ऋणी- 2) श्री अमृत लाल अंजाना पुत्र श्री खेमराज अंजाना (सह-ऋणी- 3) श्री मनोज कुमावत पुत्र श्री सोहन लाल (जमानती-1) श्री माधु सोडान पुत्र श्री भोपराज (जमानती-2)	1) मांग पत्र की दिनांक- 27 जून 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 2,51,590/- अक्षरे दो लाख ईकक्यावन हजार पांच सौ नब्बे मात्र दिनांक जून 27, 2024 तक एवं दिनांक जून 28, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री अमृत लाल अंजाना पुत्र श्री खेमराज अंजाना की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-29, बुक नं.-154, ग्राम-गोमाणा, पंचायत समिति-छोटी सादड़ी, तहसील-छोटी सादड़ी, जिला-प्रतापगढ़ (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1295.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-आम रास्ता, पश्चिम-गोवर्धन लाल मीणा का मकान, उत्तर-आम रास्ता, दक्षिण-कैलाश चन्द्र पुत्र हरलाल पाटीदार का मकान
12	HLR0000000009722 श्री नारायण लाल भील पुत्र श्री गोगा राम (ऋणी) श्रीमति संतोक देवी पत्नी श्री नारायण लाल भील (सह-ऋणी) श्री छगन लाल भील पुत्र श्री रतन लाल भील (जमानती-2)	1) मांग पत्र की दिनांक- 25 जून 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 3,10,690/- अक्षरे तीन लाख दस हजार छह सौ नब्बे मात्र दिनांक जून 25, 2024 तक एवं दिनांक जून 26, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्री नारायण लाल भील पुत्र श्री गीगा राम की संपत्ति जो कि पट्टा नं.-728, बुक नं.-15, ग्राम-जगपुरा रोड, तहसील-राशमी, जिला-चित्तौडगढ़ (राज.) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1764.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-आम रास्ता, पश्चिम-मिट्टू सिंह पुत्र रतन सिंह की जमीन, उत्तर-सरकारी जमीन, दक्षिण-भेरू लाल पुत्र गीगा लाल भील
13	HLR0000000010749 श्रीमति हुडी देवी पत्नी श्री भेरू लाल (ऋणी) श्री भेरू लाल पुत्र श्री देवी लाल भील (सह-ऋणी) श्री शंकर लाल माली पुत्र श्री लक्ष्मण लाल माली (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक- 27 जून 2024 2) मांग पत्र में अंकित राशि रु. 3,47,310/- अक्षरे तीन लाख सेंतालिस हजार तीन सौ दस मात्र दिनांक जून 26, 2024 तक एवं दिनांक जून 27, 2024 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्रीमति हुडी देवी पत्नी श्री भेरू लाल की संपत्ति जो कि बुक नं.-25, पट्टा नं.-41, ग्राम-मालन खेड़ी, तहसील-बड़ी सादड़ी, जिला-चित्तौडगढ (राज.) पर स्थित हैं जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 1840.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व- कैलाश पुत्र कजोड माली, पश्चिम-रास्ता, उत्तर-रास्ता एवं कन्नी राम माली का मकान, दक्षिण-डालू पुत्र सुखा माली

स्थान-उदयपुर
प्रकाशन की दिनांक- 04/09/2024

अधिकृत अधिकारी
एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

यह सब प्रेस से है। मेरे दिमाग में यह बात कभी नहीं आई कि मेरा पुर्तगाल की टीम के साथ समय समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा, इसके ठीक विपरीत इसने मुझे ईमानदार बने रहने के लिए और भी अधिक प्रेरणा दी। - क्रिस्टियानो रोनाल्डो

पुर्तगाल के फारवर्ड, एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ब्रेंडन मैकुलम

इंग्लैंड ने घोषणा की कि 2022 से टेस्ट टीम के कोच ब्रेंडन मैकुलम अगले साल की शुरुआत से एकदिवसीय और टी20 टीमों की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। यह नेतृत्व ढांचे में बदलाव का हिस्सा है। व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के कारण एक व्यक्ति के लिए दोनों भूमिकाएं निभाना मुश्किल कर दिया था क्योंकि छोटे और लंबे प्रारूप के मैच कभी-कभी एक ही समय पर भी होते हैं। मैकुलम और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड का मानना है कि कैलेंडर में बदलाव के कारण अब यह संभव है। मैकुलम के अनुबंध को 2027 तक बढ़ा दिया गया है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था।

पैरा तीरंदाजी : सेंगुल को हराकर पूजा पहुंची क्वार्टरफाइनल में

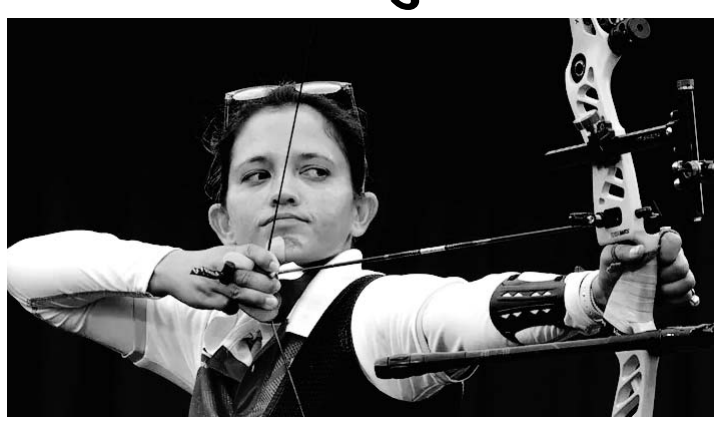

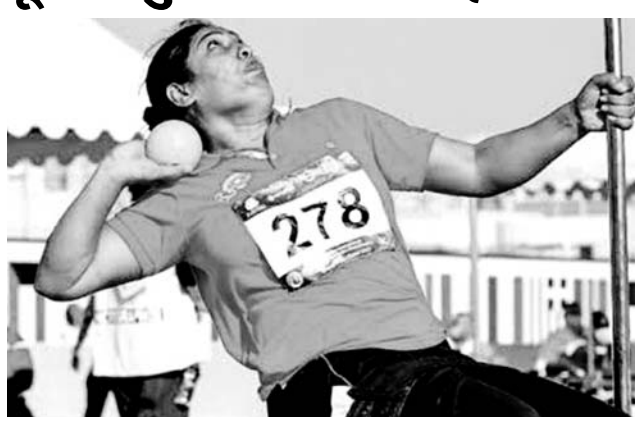

पेरिस, 3 सितंबर। भारतीय तीरंदाज पूजा ने मंगलवार को पैरा तीरंदाजी महिला व्यक्तिगत रिकर्व में तुर्कए की सेंगुल यागमुर को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। आज यहां खेले गये मुकाबले में भारतीय पैरा तीरंदाज पूजा ने तुर्कए की सेंगुल यागमुर को 6-0 से हराया। भाग्यश्री शॉटपुट स्पर्धा के फाइनल में पदक से चूकी : भारतीय महिला शॉटपुट खिलाड़ी भाग्यश्री एम जाधव मंगलवार को पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों में महिलाओं की शॉटपुट एफ34 स्पर्धा के फाइनल में पदक से चूक गयी। भाग्यश्री ने आज खेले गए फाइनल मुकाबले में 7.28 मीटर का थ्रो फेंका और पांचवे स्थान पर रहीं और पदक से चूक गयी।

अब भारत बनाम बांग्लादेश के बीच टक्कर

कप्तान नजमुल शंटो ने रोहित शर्मा को चेताया

नई दिल्ली, 3 सितंबर। पाकिस्तान को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से रौंदने के बाद बांग्लादेश टीम का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। अब 19 सितंबर से बांग्लादेश को भारत में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है और बांग्लादेश के कप्तान नजमुल शंटो को उम्मीद है कि उनकी टीम भारत में दमदार प्रदर्शन करेगी।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 10 विकेट से अपने नाम किया था। दूसरा टेस्ट मैच 6 विकेट से जीत लिया। रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम पर खेले गए दोनों मैच में पाकिस्तान ने क्रिकेट के तीनों डिपार्टमेंट में बांग्लादेश से बेकार प्रदर्शन किया और इसका असर सीरीज के रिजल्ट पर भी साफ नजर आया। पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीतने के बाद पोस्ट

मैच प्रेजेंटेशन में नजमुल ने कहा कि, ये जीत हमारे लिए बहुत मायने रखती है, जिससे शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। सच में बहुत खुश हूं। हम यहां जीत की तलाश में थे, और इस बात से बहुत खुश हूं कि सबने अपनी जिम्मेदारी को पूरी तरह से निभाया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 को लेकर आईसीसी ने कर दी घोषणा

नई दिल्ली, 3 सितंबर। आखिरकार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल कब खेला जाएगा इसकी घोषणा आईसीसी ने कर दी है। दरअसल, डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 मुकाबला लंदन के

ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं इसका फाइनल 11 जून 2025 से खेला जाएगा। जबकि इस मुकाबले के लिए आईसीसी ने रिजर्व डे के तौर पर 16 जून का दिन तय किया है। बता दें कि, ये पहली बार होगा जब लॉर्ड्स में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा। इससे पहले 2021 का फाइनल साउथेम्पटन के द रोज बाउल और 2023 का फाइनल लंद के द ओवल में खेला गया था। जो न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। वहीं भारत को दोनों बार हार झेलनी पड़ी। वहीं ये फाइनल मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-2025 साइकल के पूरा होने पर तालिका में टॉप दो टीमों के बीच खेला जाएगा। इसमें रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम पहले और वर्तमान चैंपियन ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। हालांकि, टीमों के पास अभी भी मौका है। न्यूजीलैंड तीसरे, इंग्लैंड चौथे, श्रीलंका पांचवें, दक्षिण अफ्रीका छठे और बांग्लादेश सातवें नंबर पर हैं।

सूर्यकुमार यादव मुंबई इंडियंस का साथ छोड़ेंगे या नहीं

नई दिल्ली, 3 सितंबर। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहले स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के मुंबई इंडियंस (एमआई) से अलग होने को लेकर अटकलें लग रही हैं। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्या आगामी

सीजन में शायद एमआई की ओर से नहीं खेलें। हालांकि, एमआई ने अटकलों का खंडन किया है। आईपीएल 2024 में मुंबई का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के नेतृत्व वाली एमआई 14 मैचों में से सिर्फ चार ही जीत सकी थी। पिछले सीजन में रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को कप्तानी सौंपे जाने पर फैंस ने जमकर नाराजगी जताई थी। हालांकि, हार्दिक ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में प्रभावी प्रदर्शन कर काफी हद तक फैंस की नाराजगी दूर कर दी। रोहित के टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर होने के बाद हार्दिक को छोटे फॉर्मेट में कप्तानी का दावेदार माना जा रहा था लेकिन बीसीसीआई ने सूर्या पर भरोसा जताया। आईपीएल रिटेंशन से पहले एमआई ने सूर्या को लेकर उड़ रही अफवाहों को खारिज कर दिया है। एमआई के एक सूत्र ने स्पोर्ट्स तक से कहा, "नहीं, वह (सूर्यकुमार यादव) नहीं जाएंगे। लोग सिर्फ सोशल मीडिया पर अटकलें लगा रहे हैं, जिससे अधिक ध्यान आकर्षित जा सके।

पेरिस पैरालिंपिक : दीप्ति जीवांजी ने 400 मीटर में कांस्य जीता

भारत को अब तक 3 गोल्ड समेत 16 मेडल मिले

पेरिस, 3 सितंबर। पेरिस पैरालिंपिक में भारत ने छठे दिन का पहला मेडल जीत लिया है। विमेंस टी-20 कैटेगरी की 400 मीटर रेस में भारत की दीप्ति जीवांजी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। दीप्ति ने 55.82 सेकेंड में रेस पूरी की। यूक्रेन को गोल्ड और तुर्किये को सिल्वर मेडल मिला। भारत अब तक 3 गोल्ड, 5 ब्रॉन्ज और 8 सिल्वर मेडल जीत चुका है। देश ने कल 8 मेडल जीते थे। दीप्ति पैरालिंपिक गेम्स के ट्रैक इवेंट में मेडल जीतने वाली भारत की दूसरी ही एथलीट बनीं। उनसे पहले प्रीति पाल ने टी-35

कैटेगरी की 100 मीटर और 200 मीटर रेस में इसी पैरालिंपिक में 2 ब्रॉन्ज मेडल दिलाए थे। आज अवनी लेखरा 50 मीटर शूटिंग में मेडल जीतने से चूक गईं। विमेंस टी-20 कैटेगरी की 400 मीटर रेस में दीप्ति जीवांजी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

पूर्व क्रिकेटर अजय रात्रा चयन समिति के सदस्य बने

नई दिल्ली, 3 सितंबर। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज अजय रात्रा को पुरूष सीनियर टीम की चयन समिति का नया सदस्य बनाया गया है। इस चयन समिति में आगरकर के अलावा शिव सुंदर दास, सुब्रतो बनर्जी और एस शरत भी हैं। रात्रा चयन समिति में उत्तर क्षेत्र की अगुवाई करेंगे। वह अजीत आगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति में सलिल अंकोला की जगह लेंगे। रात्रा ने भारत के लिए छह टेस्ट मैच और 12 एकदिवसीय मैच खेले हैं। उनके नाम हरियाणा की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हुए 99 प्रथम श्रेणी मैचों में 4029 रन और 240 शिकार हैं। वह 2023 में भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान टीम के कोचिंग स्टाफ़ में भी थे। इससे पहले वह असम, उत्तर प्रदेश और पंजाब की टीमों की भी कोचिंग कर चुके हैं।

बांग्लादेश ने पाक को दूसरे टेस्ट में भी दी मात

नई दिल्ली, 3 सितंबर। रावलपिंडी में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला गया, जिसे बांग्लादेश टीम ने 2-0 से जीत लिया। इस मुकाबले में नजमुल हुसैन शांतो की कप्तानी में बांग्लादेश ने इतिहास रच दिया। बता दें कि, बांग्लादेश ने पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीती है। बांग्लादेश की इस ऐतिहासिक जीत में मेहंदी हसन मेराज, लिटन दास, हसन महमूद और नाहिद राणा का अहम रोल रहा। टेस्ट सीरीज में हार से बचने के लिए पाकिस्तान को हर हाल में दूसरा टेस्ट अपने नाम करना था लेकिन शान मसूद की टीम ऐसा करने में नाकामयाब रही। दूसरे टेस्ट का पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ गया इसके बाद दूसरे दिन पाकिस्तानी बल्लेबाज फ्लॉप साबित हुए और पहली ही पारी में टीम 274 रन ही बना सकी। इसके बाद पहली पारी में बांग्लादेश की शुरुआत बेहद खराब रही। महज 26 रन के स्कोर पर टीम के 6 विकेट गिर गए। लेकिन इसके बाद लिटन दास ने 138 और गेंदबाजी में 5 विकेट लेने वाले मेहंदी हसन मेराज ने बेहतरीन वापसी करते हुए 78 रनों की पारी खेली और कमाल कर दिया। बांग्लादेशी टीम ने 26/6 से स्कोर को 262 तक पहुंचा दिया। वहीं दूसरे दिन पाकिस्तानी बल्लेबाज फुस्स रहे, अब्दुल्लाह शफीक, बाबर आजम, शान मसूद और सऊद शकील सभी फ्लॉप रहे। पूरी टीम महज 172 रनों पर सिमट गई। पहली पारी में 12 रनों की बढ़त के आधार पर पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 185 रन का टारगेट दिया। चौथे दिन जाकिर हसन और शादमान इस्लाम ने बांग्लादेश को तूफानी शुरूआत दिलाई, लेकिन बारिश और खराब मौसम बांग्लादेश की जीत में रोड़ा बन गया। अब पांचवें दिन इतिहास रचने के लिए बांग्लादेश को 143 रन और बनाने थे। पिच गेंदबाजों के लिए मददगार हो गई थी। लेकिन बांग्लादेश ने गजब का जज्बा दिखाया और सिर्फ चार विकेट खोकर लक्ष्य का पीछा कर लिया।

शीतल देवी के मुरीद हैं बिजनेस टाइकून आनंद महिंद्रा

नई दिल्ली, 3 सितंबर। भारत के दिग्गज उद्योगपति और महिंद्रा एंड महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। आए दिन वह कुछ न कुछ शेयर करते हैं। वहीं उन्होंने सोमवार को एक पोस्ट किया, जो की पैरा युवा तीरंदाज शीतल देवी से जुड़ा है। उनका मंडे मोटिवेशन ट्वीट सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। बता दें कि, आनंद महिंद्रा शीतल देवी की तीरंदाजी और जीवन से काफी प्रभावित हैं। उन्होंने शीतल देवी का बिना हाथों के निशानेबाजी करने का एक वीडियो शेयर करके अपना वादा याद दिलाया। बिजनेस मैन ने पहले कहा था कि शीतल मनचाही कार चुन सकती हैं, जो उसके हिसाब से कस्टमाइज भी की जाएगी।

एक्स पर महिंद्रा ने शीतल देवी की वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा कि असाधारण साहस, प्रतिबद्धता और कभी हार न मानने का जज्बा पदकों से जुड़ा नहीं है... शीतल देवी, आप देश और पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा की किरण हैं। लगभग एक साल पहले, आपकी अदम्य भावना को सलाम करते हुए मैंने आपसे हमारी रेंज से किसी भी कार को स्कीकार करने का अनुरोध किया था, हम आपके नेविगेशन को सक्षम करने के लिए इसे कस्टमाइज करेंगे।

आपने सही कहा कि आप 18 साल की हो जाएंगी तो आप ये प्रस्ताव स्वीकर कर लेंगी। जिसे आप अगले साल स्कीकार करेंगी। मैं आपसे वह वादा पूरा करने के लिए उत्सुक हूं। बता दें कि, शीतल देवी पैरों से धनुष को पकड़ती हैं और फिर कंधे से सहारे तीर खींचकर निशाना लगाती हैं। उन्होंने महज 17 साल की उम्र में अपने प्रदर्शन से हर भारतीय का दिल जीत लिया है। हालांकि, पेरिस पैरालंपिक के व्यक्तिगत इवेंट में वह मेडल नहीं जीत पाईं। प्री क्वार्टर फाइनल में उन्हें एक अंक से हार का सामना करना पड़ा।

ब्रेंडन मैकुलम को मिली डबल जिम्मेदारी, बने इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम के हेड कोच

नई दिल्ली, 3 सितंबर। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर ब्रेंडन मैकुलम को डबल जिम्मेदारी सौंप दी है। ईसीबी ने मंगलवार (3 सितंबर) को मैकुलम को इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम का भी हेड कोच नियुक्त कर दिया। वह जनवरी 2025 से नई जिम्मेदारी संभालेंगे। इंग्लैंड के वाइट बॉल कोच मैथ्यू मोट ने जुलाई में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। मैकलुम मई 2022 से इंग्लैंड की टेस्ट टीम के हेड कोच हैं। उनकी कोचिंग में इंग्लैंड ने कमाल का प्रदर्शन किया है। मैकुलम का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ा दिया गया है। ईसीबी ने अपने एक फैसले से यू-टर्न लिया है। ईसीबी ने इंग्लैंड टीम के लिए स्प्लिट कोचिंग का मॉडल लागू किया था।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 50-50 रहेगा : पैट कमिंस

नई दिल्ली, 3 सितंबर। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) को लेकर बड़ा बयान दिया है। कमिंस का कहना है कि ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि बीजीटी में टक्कर 50-50 की रहेगी। कमिंस के अलावा धाकड़ क्रिकेटर स्टीव स्मिथ के भी जज्बात उमड़े।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच आगामी सीरीज रोमांचक होगी। बता दें कि भारत को 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीरीज खेलनी है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो टेस्ट सीरीज में विजयी

परचम फहराया है। भारत पिछले करीब एक दशक से बीजीटी में दबदबा है। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2014-15 में यह ट्रॉफी जीती थी।

कमिंस ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि दोनों टीमों की टेस्ट में आखिरी भिड़ंत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में हुई थी, जो न्यूट्रल कंडीशन (द ओवल, लंदन) में खेला गया। हमने उसमें बाजी मारी।

भारत के खिलाफ हमारा मुकाबला हमेशा बेहद प्रतिस्पर्धी होता है। हमेशा ऐसा लगता है कि यह 50-50 है। मैं बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए बहुत उत्साहित हूं। कप्तान ने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो सीरीज में हम सफल नहीं रहे। लंबा समय हो गया है। उम्मीद है कि अब बदलाव होगा। आप जानते हैं कि हमने भारत के खिलाफ कई बार हार का सामना किया है लेकिन हमने उनके विरुद्ध अनेक जीत भी हासिल की हैं, जिससे कॉन्फिडेंस मिलेगा।

भारतीय हॉकी टीम पुरुष एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग लेने के लिए चीन रवाना

बेंगलुरु, 3 सितंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार तड़के एशियाई चैपियंस ट्राफी 2024 में भाग लेने के लिए चीन के हुलुनबुइर के लिए रवाना हो गयी। पेरिस ओलंपिक 2024 की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम प्रतियोगिता में अपने खिताब को बरकरार रखने की प्रयास करेंगी। इस टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और चीन भी शामिल है। भारत अपना अभियान आठ सितंबर को मेजबान चीन के खिलाफ शुरू करेगा उसके बाद नौ सितंबर को जापान से खेलेगा। भारत 11 सितंबर को मलेशिया और 12 सितंबर को कोरिया से भिड़ेगा। भारत 14 सितंबर को आखिरी पूल चरण के मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ खेलेगा।

पूल की शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचेंगी और 17 सितंबर को फाइनल खेला जाएगा। भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अपनी रवाना होने से पहले कहा, पेरिस ओलंपिक के बाद थोड़े आराम के साथ टीम एशिया में सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलने वाले देशों से भिड़ने और अपनी क्षमता साबित करने के लिए तैयार है। पेरिस में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन हॉकी बहुत करीबी खेल है हम अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट नहीं हो सकते। हमारा लक्ष्य हाई ऑक्टेन हॉकी खेलना और अपने खिताब बरकरार रखने पर होगा।

फिटनेस, एकता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए मैराथन में दौड़े दो हजार धावक

ग्रेटर नोएडा, 3 सितंबर। फिटनेस, एकता और सामुदायिक भावना के साथ विभिन्न वर्ग के दो हजार से अधिक धावकों ने 'शिव नाडर यूनिवर्सिटी 10के चैलेंज' मैराथन के दूसरे संस्करण में हिस्सा लिया। शिव नाडर इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस यूनिवर्सिटी के कैंपस में ब्रिक्स खेलों की स्वर्ण पदक विजेता महिला मुक्केबाज अनामिका हूडा और शिव नाडर इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस के कुलपति और एचसीएल हेल्थकेयर के सीईओ तथा उपाध्यक्ष शिखर मल्होत्रा ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मैराथन का आयोजन तीन श्रेणियों 10 किमी दौड़, पांच किमी दौड़ और पांच किमी वॉक वर्ग में किया गया। इसमें विविध समूह ने एक व्यापक आयु वर्ग के लोग शामिल हुये। पुरुषों के 10के चैलेंज में अश्विन 32 मिनट 42 सेकंड में दौड़ पूरी करके विजेता बने। वहीं महिलाओं के 10के चैलेंज में नीता रानी ने शानदार प्रदर्शन के साथ 36 मिनट 24 सेकंड में दौड़ पूरी कर शीर्ष स्थान हासिल किया। पुरुषों की पांच किमी दौड़ में सुमित कुमार 16 मिनट चार सेकंड समय के प्रथम रहे। महिलाओं के 5 के चैलेंज में 18 मिनट 46 सेकंड में दौड़ पूरी करने वाली मदिना पाल विजेता रहीं। शिव नाडर यूनिवर्सिटी खेल विभाग के निदेशक डॉ. अमरीश टोनी ने कहा, शिव नाडर यूनिवर्सिटी 10के चैलेंज के दूसरे संस्करण के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया देखकर बहुत अच्छा लगा।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. BARAN

File No.-1091 **Notice Inviting Bid** Date-29/8/2024

Bid for "Major road repair work on Annual rate Contract basis" NIT No. 10/2024-25 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 10-09-2024. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs.210.97 lacs.

UBN No.
1. PWD2425WSOB 4755
2. PWD2425WSOB 4756
3. PWD2425WSOB 4757
4. PWD2425WSOB 4758

(C.M. Bariwa)
Executive Engineer
PWD Division Baran

DIPR/C/8055/2024

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, वृत बून्दी

क्रमांक-अअ/जनस्वा/स्था./वृ.बून्दी/2024-25/2461-69 दिनांक:29.08.2024

निविदा सूचना संख्या 01/2024-25 (NIB No. PHE2425A1886)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से वृत बून्दी के अधीन स्वीकृत विभिन्न शहरी पेयजल योजनाओं के निर्माण कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in विभागीय वेबसाईट www.phedwater.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। निविदायें दिनांक 02.09.2024 से 18.09.2024 तक वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर अपलोड की जा सकेगी तथा तकनीकी बिड दिनांक 19.09.2024 को दोपहर 3:00 बजे ऑन लाईन खोली जावेगी।

UBN code- PHE2425WSOB04163
PHE2425WSOB04164

(डी. एन.व्यास)
अधीक्षण अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
वृत बून्दी

DIPR/C/8031/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-सपोटरा

क्रमांक 758-71 दिनांक -29.8.2024

निविदा सूचना संख्या-08/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की और से विभिन्न कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो/केन्द्रीय लोक निर्माण/ डाक एवं दुर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदको जो कि राज्य सरकार के ए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो-से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। अल्पकालीन निविदाओ से संबंधित विवरण बेवसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	UBN No.	NIB No.
1	मिसिंग लिक ग्रामीण बाईपास रोड लेदिया मोड (गैरई रोड -गोकलपुरा मोड (सपोटरा रोड)- बालाजी घाटी (गंगापुर रोड NH 23) तक सडक निर्माण कार्य	PWD2425 WSOB04732	PWD2425 A1321

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सपोटरा

DIPR/C/8047/2024

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी(ML Bajri - XIII)/2024/ई 07885

ई-नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-III के तहत विभाग के अप्रधान खनिजों के खननपट्टों के आंवटन के लिए 13 प्लॉट ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर खुली बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैं:-

क्र. सं.	जिला	ग्राम (तहसील)	खनिज	कुल प्लॉट
1	टोंक	सतवाडा, संथली (देवली)	बजरी	03
2	जालौर	सफाडा (जालौर)	बजरी	01
3	भीलवाडा	खटवाडा, भारलियां, मालीखेडा, बिलियां, भवानी सिंह जी का खेड़ा, नन्दराय, पंडेरी, हरिसिंह जी का खेडा, पायला खुर्द व पायला कलां (मांडलगढ व कोटडी)	बजरी	05
4	डूंगरपुर	टामटीया व बरबूदनिया (सागवाडा व ओबरी)	बजरी	01
5	सिरोही	वासडा, सांतपुर, रेवडाकला, चन्द्रावती, क्यारिया, गुणका व दुनाकाकर (आबूरोड)	बजरी	03

विशेष नोट-
1. प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

(भगवती प्रसाद) निदेशक

DIPR/C/7987/2024

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल, कोटा
Email : nnksouth@gmail.com, Website : www.urban.rajasthan.gov.in/nnks

क्रमांक : ननिको/दक्षिण/निर्माण/2024/266-284 दिनांक : 02.09.2024

-:: ई-निविदा संशोधन सूचना 02 ::-

नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा राष्ट्रीय मेला दशहरा वर्ष 2024 के अवसर पर टेन्ट हाउस संबंधित सामान किराये पर लेने, लगाने एवं बिछावत का कार्य हेतु पूर्व में जारी ई-निविदा सूचना संख्या 10/2024-25 क्रमांक 164-182 दिनांक 22.08.2024 की तिथियों व शर्तों में निम्नानुसार आंशिक संशोधन किया जाता है-

क्र. सं.	विवरण	पूर्व में दिनांक	संशोधित दिनांक
1	निविदा डाउनलोड करने की तिथि (वेबसाईट से)	23.082024 से 03.09.2024 तक	23.082024 से 05.09.2024 (दोपहर 12:00 बजे तक)
2	निविदा अपलोड करने की तिथि	23.082024 से 03.09.2024 तक	23.082024 से 05.09.2024 (दोपहर 12:00 बजे तक)
3	निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि	04.09.2024 (दोपहर 02:00 बजे तक)	05.09.2024 (दोपहर 02:00 बजे तक)
4	निविदा/तकनीकी बिड खोलने की तिथि	04.09.2024 (सांय 04:00 बजे)	05.09.2024 (सांय 04:00 बजे)
5	वित्तीय बिड खोलने की तिथि	तकनिकी बिड परीक्षण के पश्चात्	तकनिकी बिड परीक्षण के पश्चात्

क्र. सं.	पूर्व में वर्णित शर्त	संशोधित शर्त
1	तकनिकी बिड की शर्त 01 अनुसार धरोहर राशि निविदा राशि की 10 प्रतिशत राशि ली जावेगी। धरोहर राशि भुगतान के डी.डी./बैंकर्स चैक की प्रति तकनिकी बिड के साथ संलग्न करें।	धरोहर राशि निविदा राशि की 2 प्रतिशत राशि ली जावेगी। धरोहर राशि भुगतान के डी.डी./बैंकर्स चैक की प्रति तकनिकी बिड के साथ संलग्न करें।
2	निविदा की शर्त 01 अनुसार "निविदाओं में भाग लेने वाले सम्बन्धित इच्छुक अनुभवी संस्थाओं/फर्मो/कम्पनीयों एवं इच्छुक अनुभवी आवेदको द्वारा जमा की जाने वाली निविदा शुल्क/धरोहर राशि के डी.डी. आयुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण के नाम एवं प्रोसेसिंग फीस (MD RISL) जयपुर के नाम देय होगी। उक्त निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग शुल्क/धरोहर राशि के डी.डी. नियत समय में जमा कराया जाना होगा। इच्छुक अनुभवी संस्थाओं/फर्मो/कम्पनीयों एवं इच्छुक अनुभवी आवेदको को निविदा से संबंधित निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग शुल्क/धरोहर राशि के डी.डी. इत्यादि प्रतिष्ठित व अनुभवी रामलीला मण्डलीयों एवं इच्छुक अनुभवी आवेदको के नाम से बनवाये।	निविदा की शर्त 01 अनुसार "निविदाओं में भाग लेने वाले सम्बन्धित इच्छुक अनुभवी संस्थाओं/फर्मो/कम्पनीयों एवं इच्छुक अनुभवी आवेदको द्वारा जमा की जाने वाली निविदा शुल्क/धरोहर राशि के डी.डी. आयुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण के नाम एवं प्रोसेसिंग फीस (MD RISL) जयपुर के नाम देय होगी। उक्त निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग शुल्क/धरोहर राशि के डी.डी. नियत समय में जमा कराया जाना होगा। इच्छुक अनुभवी संस्थाओं/फर्मो/कम्पनीयों एवं इच्छुक अनुभवी आवेदको को निविदा से संबंधित निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग शुल्क/धरोहर राशि के डी.डी. इत्यादि इच्छुक अनुभवी संस्थाओं/फर्मो/कम्पनीयों एवं इच्छुक अनुभवी आवेदको के नाम से बनवाये।
3	तकनिकी बिड प्रपत्र की शर्त 10 अनुसार संवेदक द्वारा गत तीन वर्षो (वित्तीय वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24) में से किसी भी एक वर्ष में 90 लाख रूपये का Trunover की प्रति सी.ए. द्वारा प्रमाणित।	संवेदक द्वारा गत तीन वर्षो (वित्तीय वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24) में से किसी भी एक वर्ष में समान प्रकृति के कार्यो में 90 लाख रूपये का वार्षिक Trunover की प्रति सी.ए. द्वारा प्रमाणित।

संवेदक निविदा संशोधन सूचना प्रपत्र नगर निगम कोटा की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, www.kotamc.org.com, http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देख सकेंगे।

शेष यथावत रहेगा।

अतिरिक्त आयुक्त एवं मेला अधिकारी
नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/24/4605

भाजपा राज करने के लिए नहीं, बल्कि देश बदलने के लिये राजनीति करती है-भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री तथा प्रदेश अध्यक्ष ने राजस्थान में भाजपा का सदस्यता अभियान शुरु किया

जयपुर, 3 सितंबर (का.सं.)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और डॉ प्रेमचंद बैरवा को पार्टी का सदस्य बनाकर प्रदेश में सदस्यता अभियान का आगाज किया। सदस्यता अभियान कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक सदस्य जोड़ने का आ ान किया और कहा कि भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश की जनता को पार्टी की रीति-नीति और पंच निष्ठाओं से अवगत कराते हुए विश्व की सबसे बड़ी पार्टी का सदस्य बनाएं।

- **राजस्थान के 51,700 बूथों पर 200-200 सदस्य बनाने का लक्ष्य हासिल करेंगे, भाजपा कार्यकर्ता- डॉ. अरूण चतुर्वेदी।**

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता को घर-घर जाकर हर परिवार से संपर्क करना है और सदस्य बनाना है। अगर कोई अभियान से जुड़ना नहीं चाहता है तो भी उसे पार्टी की रीति- नीति जरूर बताएं। भाजपा कार्यकर्ता सवा करोड़ के लक्ष्य को ध्यान में रखकर कार्य करें। हम सब जन प्रतिनिधिगण अपने क्षेत्रों में अभियान को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

मु. मंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को पुनः भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इसी के साथ ही प्रदेश में भाजपा के सदस्यता अभियान का आगाज हो गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदस्य बनाकर अभियान की शुरुआत की है। अब भाजपा, प्रदेश के साथ -साथ जिलों में सघन अभियान चलाएगी। भाजपा के कार्यकर्ता इस अभियान को गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक लेकर जाएंगे और मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं की जनता के साथ चर्चा करेंगे।

भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के साथ यह अभियान शुरु हुआ। अब 4 सितंबर को प्रदेश के प्रत्येक जिले में भाजपा के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि प्रेसवार्ता के माध्यम से अभियान को लॉन्च करेंगे।

चतुर्वेदी ने बताया कि भाजपा प्रदेश में सवा करोड़ सदस्यों को पार्टी परिवार का सदस्य बनाएगी। इसके लिए राजस्थान के 51 हजार 700 बूथों पर भाजपा कार्यकर्ताओं को 200-200 सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। भाजपा सदस्यता अभियान के तहत 88 00 00 2024 नंबर पर मिस्ड कॉल कर या नमो ऐप, वेबसाइट और क्यूआर कोड स्कैन करके कोई भी व्यक्ति सदस्य बन सकता है। यह अभियान दो चरणों में चलेगा। इसका पहला चरण 25 सितंबर तक और दूसरा चरण 1 से 15 अक्टूबर तक चलाया जाएगा।

स्पैम कॉलिंग के लिए 50 संस्थायें ब्लैक लिस्ट हुईं

नयी दिल्ली 03 सितंबर (वार्ता) भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के निर्देशों पर सेवा प्रदाताओं ने स्पैमिंग के लिए दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुये 50 से अधिक संस्थाओं को ब्लैक लिस्ट कर दिया है तथा 2.75 लाख से अधिक एसआईपी डीआईडी/मोबाइल नंबर/दूरसंचार संसाधनों का कनेक्शन काट दिया है। ट्राई ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इन कदमों से स्पैम कॉल में कमी आने और उपभोक्ताओं को राहत मिलने की आशा है। ट्राई ने सभी हितधारकों से निर्देशों का पालन करने तथा स्वच्छ और अधिक दक्ष दूरसंचार इकोसिस्टम में योगदान देने का आग्रह किया है। वर्ष 2024 की पहली छमाही (जनवरी से जून) में अपंजीकृत टेलीमार्केटर्स (यूटीएम) के खिलाफ 7.9 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज होने के मद्देनजर ट्राई ने पाया है कि स्पैम कॉल में बेतहाशा वृद्धि हुई है। ट्राई ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए 13 अगस्त 2024 को सभी सेवा प्रदाताओं को कड़े निर्देश जारी किए। इसने सेवा प्रदाताओं को एसआईपी, पीआरआई या अन्य दूरसंचार संसाधनों का उपयोग करने वाले अपंजीकृत प्रेषकों या टेलीमार्केटर्स की ओर से होने वाले प्रमोशनल वॉयस कॉल को तुरंत रोकने का आदेश दिया है।

- **टैलिकॉम रैगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इन संस्थाओं के अलावा 2.75 लाख से अधिक दूरसंचार संसाधनों एवं मोबाइल इत्यादि के कनैक्शन काट दिये हैं।**

राहुल गांधी हरियाणा में आप से गठबंधन के इच्छुक हैं

पर, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा गठबंधन के पक्ष में नहीं लगते

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। अगले माह होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिये कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी के बीच चुनावी गठबन्धन होने की सम्भावना गति पकड़ रही है। समझा जाता है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पार्टी की राज्य इकाई से आग्रह किया है कि चुनावों में भाजपा की हार की सम्भावनाओं को अधिकतम स्तर तक पहुँचाने की खातिर इस गठबन्धन को एक मौका दे।

यद्यपि हरियाणा के चुनावों में अब मात्र एक महीना रह गया है तथा राजनैतिक दलों की तैयारियाँ पूरे जोर पर है, फिर भी ये दोनों दल राज्य विधानसभा के चुनाव में भी गठबन्धन को जारी रखने के प्रबल आकांक्षी प्रतीत हो रहे हैं। ज्ञातव्य है कि दिल्ली और हरियाणा में लोकसभा चुनाव इन दोनों दलों ने मिलकर लड़े थे।

आप नेता संजय सिंह ने आज इन मीडिया रिपोर्ट का स्वागत किया कि राहुल गांधी अगले माह होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए दोनों पार्टियों में सम्भावित गठबन्धन के बारे में कांग्रेस के नेताओं की राय जानने की कोशिश कर रहे हैं।

सिंह ने कहा कि इस मामले में अन्तिम निर्णय दिल्ली के मुख्यमन्त्री अरविन्द केजरीवाल से विचार-विमर्श करने के बाद ही लिया जायेगा। ज्ञातव्य है कि आप-प्रमुख केजरीवाल दिल्ली एक्साइज नीति, जो अब रद्द हो चुकी है, में हुए कथित घोटाले के सिलसिले में जेल में बन्द हैं।

समाचार एजेंसी ए.एन.आई. ने राज्यसभा सांसद संजय सिंह को उद्धृत करते हुए कहा, "हम इसका स्वागत करते हैं। ..... हमारी प्राथमिकता भाजपा को हराना है। हमारे हरियाणा प्रभारी सन्दीप पाठक तथा (राज्य इकाई के अध्यक्ष) सुशील गुप्ता इस मामले में अन्तिम निर्णय लेकर, उसकी जानकारी अरविन्द केजरीवाल को देंगे। उसके अनुरूप निर्णय लिया जाएगा।"

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व मुख्यमन्त्री भूपिन्दर सिंह हुड्डा ने इस विचार को खारिज कर दिया है, लेकिन हाईकमान ने उनसे जमीनी स्थिति का पुनरावलोकन करने के लिए कहा है। सूत्रों ने कहा कि हाईकमान अगली साल होने वाले दिल्ली के चुनावों पर भी विचार कर रही है कि राजधानी के चुनावों के लिए पार्टी आप के साथ गठबन्धन कर सकती है या नहीं।

हरियाणा में इंडिया ब्लॉक की बड़ी जीत सत्तारूढ़ पार्टी के लिए एक और धक्का होगा। कांग्रेस नेतृत्व की नज़र विपक्षी इंडिया गठबन्धन को मजबूत करने तथा संसद के अन्दर और बाहर भाजपा पर दबाव डालने पर रहेगी। हरियाणा की जीत के लिए, वोटों को बँटने से रोकना बहुत जरूरी एवं महत्वपूर्ण है। इसलिए, कांग्रेस गठबन्धन करने पर ध्यान दे रही है, बशर्ते कि राज्य-नेतृत्व इससे सहमत हो जाए। कांग्रेस और आप ने हरियाणा की 10 सीटों तथा चन्डीगढ़ की संसदीय सीट के लिये गठबन्धन किया था। जहाँ कांग्रेस ने हरियाणा में पाँच सीटों के साथ, चन्डीगढ़ सीट भी जीती थी, वहीं आज को गठबन्धन से कोई खास लाभ नहीं हुआ था। चुनाव-परिणाम के कुछ समय बाद ही, हरियाणा के आप नेताओं के एक वर्ग ने हरियाणा की कुरूक्षेत्र दोषारोपण कांग्रेस पर किया था। इस पृष्ठ भूमि के चलते, ऐसी सम्भावना है कि इन विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस और आप के बीच किसी भी प्रकार की वार्ता में दोनों पक्ष अधिक से अधिक सीटें चाहेंगे।

- **हुड्डा ने कहा, राष्ट्रीय स्तर पर दोनों पार्टियों में गठबंधन हो सकता है, पर, हरियाणा में गठबंधन के प्रस्ताव पर चर्चा नहीं हुई है। हुड्डा गठबंधन की अधिकतम 3-4 सीटें आप को देने को ही राजी हो सकते हैं।**
- **अगर, गठबंधन हुआ भी तो सीटों के बंटवारे पर काफी जबरदस्त सौदेबाजी होने की संभावना है।**
- **आप को लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन करके ज्यादा लाभ नहीं हुआ था, हालांकि, कांग्रेस को काफी फायदा हुआ था। कांग्रेस 10 संसदीय सीटों में से पाँच पर विजयी हुई थी, जबकि, इससे पहले भाजपा ने 10-0 के स्कोर से सभी सीटें जीती थीं।**

कीनिया में प्रमुख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एयरपोर्ट को खरीदने के प्रयास में हैं। लेकिन इसके विरोध में स्थानीय वकर्स ने हड़ताल कर दी है। उनकी मुख्य चिंता नौकरी को लेकर है।

इस वर्ष के आरंभ में अडानी ने कीनिया एयरपोर्ट्स अथॉरिटी को जोमो कीनियाटा एयरपोर्ट चलाने के लिए एक प्रस्ताव भेजा था। इसमें नया टर्मिनल, टैक्सी वे सिस्टम आदि के लिए 750 मिलियन डॉलर के निवेश का प्रस्ताव था। इसके अलावा अन्य सुधार कार्यों के लिए 92 मिलियन डॉलर अतिरिक्त देने का प्रस्ताव है। यह सारा कार्य 2035 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है।

अडानी नए एयरपोर्ट बनाने के लिए भी 620 मिलियन डॉलर का निवेश करेंगे। कम्पनी शहर के समीपवर्ती क्षेत्र में होटल, बिजनैस सैंटर आदि भी खोलना चाहती है।

अडानी 30 साल के लिए एयरपोर्ट का संचालन करना चाहते हैं। उसके बाद यह कीनिया की सरकार को लौटा दिया जाएगा।

'वेतन से ज्यादा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीच बैंक से वेतन के रूप में 16.80 करोड़ रूपए लिए थे।

आई.सी.आई.सी.आई. बैंक ने स्टॉक एक्सचैंज से नोटिस के जरिए स्पष्टीकरण जारी किया और कहा, माधवी पुरी बुच को बैंक छोड़ने के बाद जो राशि दी गई थी वह वेतन या एम्प्लाई स्टॉक ऑप्शन नहीं हैं बल्कि रिटायरमैंट बैनिफिट्स हैं।

कांग्रेस के मीडिया प्रकोष्ठ के चेयरमैन पवन खेड़ा ने आई.सी.आई.सी.आई. के स्पष्टीकरण की विसंगतियों पर सवाल उठाया।

खेड़ा ने कहा, तथाकथित रिटायरमैंट बैनिफिट्स में राशि व समय के हिसाब से इतनी विसंगति क्यों है, इतने वर्षों में भुगतान में काफी भिन्नता रही है। उन्होंने आगे कहा कि आई.सी.आई.सी.आई. द्वारा माधवी बुच को 2016-17 और 2020-21 के बीच जो तथाकथित रिटायरमैंट बैनिफिट्स मिले थे वे 277 लाख अर्थात् 2.77 करोड़ रूपए थे, जबकि 2016 से 2021 के बीच उन्हें आई.सी. आई. सी.आई. से 1.3 करोड़ रूपए बतौर वेतन मिले थे, ऐसा कैसे हो सकता है कि एक व्यक्ति को वेतन से ज्यादा रिटारयरमैंट बैनिफिट्स मिलें हो।

कांग्रेस नेता ने आई.सी.आई.सी.आई. के स्पष्टीकरण पर जवाबी प्रहार करते हुए कहा कि क्या कोई भी कर्मचारी, जिसमें सेवानिवृत्त भी शामिल हैं को पद से हटने के दस साल बाद ई.एस.ओ.पी. के लेने का अधिकार रखता है।

आई.सी.आई.सी.आई. द्वारा सार्वजनिक रूप से बताई गई ई.एस.ओ.पी. नीति कर्मचारी को पद छोड़ने के मात्र तीन माह के भीतर ही बैनिफिट्स लेने का विकल्प देती है।

इसके आधार पर खेड़ा ने कहा, वह संशोधित नीति कहां है, जिसके तहत माधवी बुच नौकरी छोड़ने के 8 साल बाद भी ई.एस.ओ.पी. हासिल करने में सफल हुईं।

आर.पी.एस.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बजट सत्र में घोषणा की गई है कि प्रदेश में चार लाख सरकारी नौकरियां दी जायेंगी, जिनमें से एक लाख सरकारी नौकरियां मार्च, 2025 तक दी जायेंगी। ऐसे में इन सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली भर्ती परीक्षाओं और इसकी चयन प्रणाली में पूरी पारदर्शिता होने के साथ ही, परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं और उनके माता-पिता में परीक्षा लेने वाली संस्था के प्रति विश्वसनीयता कायम रखना सरकार का दायित्व है।

क्या गणित है राहुल का आप से चुनावी गठबंधन में?

यह प्रश्न इसलिये उठ रहा है, क्योंकि, आम धारणा है कि वातावरण वैसे ही कांग्रेस के पक्ष में है, इस बार हरियाणा में

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। इस प्रश्न ने बड़ी उत्सुकता एवं जिज्ञासा पैदा कर दी है कि ऐसे समय पर, जब मतदान-विशेषज्ञ हरियाणा के आसन्न विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत की साफ-साफ भविष्यवाणी कर रहे हैं तो फिर राहुल ने आप के साथ सीट शेयरिंग डील प्रस्तावित क्यों की है? क्या ऐसा इसलिए है कि वे भाजपा-विरोधी वोटों के बिखराव को रोकने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतना चाहते हैं? या फिर उनका यह मानना है कि भाजपा की ही तरह, आप भी शहरी-क्षेत्र आधारित पार्टी है तथा इसलिए अरविन्द केजरीवाल को साथ लेने से भगवा पार्टी को बड़ी चुनौती दी जा सकेगी? या इसका कारण यह है कि वे विपक्ष के नेता की नई भूमिका में यह दिखाना चाहते हैं कि उनका दिल कितना बड़ा है? या फिर हरियाणा में कोई समझौता प्रस्तावित करके, वे दिल्ली के अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के लिए समझौते की कोई बेहतर की उम्मीद कर रहे हैं?

- **क्या इस प्रतीकात्मक एडजस्टमैन्ट से राहुल मानते हैं कि झारखंड व महाराष्ट्र के चुनावी माहौल में फायदा मिलेगा।**
- **वैसे यह भी सच है कि आप को भाजपा की भाँति एक शहरी पार्टी माना जाता है। अतः अगर आप और कांग्रेस में हरियाणा चुनाव में गठबंधन हुआ तो आप भाजपा के वोट काटेगी और अंततोगत्वा कांग्रेस को लाभ पहुँचायेगी।**
- **साथ ही आप-कांग्रेस में गठबंधन हुआ तो, राहुल यह मानते हैं कि एन्टी-भाजपा वोटों का विभाजन, बिखराव नहीं होगा चुनाव में।**
- **एक लाभ यह भी है कि हरियाणा में दरियादिली दिखाकर राहुल दिल्ली के विधानसभा चुनाव में और मजबूती से सौदेबाजी कर सकते हैं, आप से।**

कांग्रेस और आप ने इस साल हुए लोकसभा चुनाव दिल्ली में मिल कर लड़े थे, लेकिन उनका प्रदर्शन बहुत खराब रहा था तथा वे सभी सीटें हार गए थे। पंजाब में, दोनों ने स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा था तथा आप का प्रदर्शन अपेक्षा से कम रहा था। पंजाब की परिधि से लगी कुछ सीटों, तथा भौगोलिक रूप से दिल्ली के पास की कुछ सीटों, जैसे फरीदाबाद या गुरुग्राम के अलावा, आप की स्थिति हरियाणा में मजबूत नहीं है।

पार्टी ने इस साल कुरूक्षेत्र लोकसभा सीट पर अच्छा प्रदर्शन किया था तथा आप उम्मीदवार भाजपा के नवीन जिन्दल से लगभग 29,000 वोटों से हारे थे।

लेकिन उनके अच्छे प्रदर्शन के पीछे मुख्य कारण यह था कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिन्दल के खिलाफ, आप प्रत्याशी के पक्ष में जमकर प्रचार किया था। दरअसल, जिन्दल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए थे।

कांग्रेस और आप के बीच के चुनाव पूर्व गठबन्धन से कांग्रेस को कोई खास लाभ नहीं मिलना है लेकिन समझौते का इंडिया ब्लॉक के भविष्य के लिहाज से, खास तौर से महाराष्ट्र एवं झारखंड के चुनावों में एक बड़ा प्रतीकात्मक महत्व होगा। यह कोई संयोग नहीं था कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन तथा उनकी पत्नी कल्पना ने राहुल गांधी की उपस्थिति में आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भेंट की थी।

ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ अवॉर्ड वापसी मूवमैंट शुरु हुआ

बंगला सिनेमा के प्रमुख अभिनेता सुदीप्त चक्रवर्ती, चंदन सेन और बिप्लब बनर्जी ने अवॉर्ड वापस करते हुये कहा है कि सरकार ने जनता की भावनाओं व न्याय की मांग को पूरी तरह से नज़रअंदाज किया है

कोलकाता, 3 सितम्बर। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या का ममाला सामने आने के बाद पश्चिम बंगाल की ममता सरकार के खिलाफ गुस्सा इस कदर बढ़ गया है कि बंगाली मनोरंजन जगत के प्रमुख कलाकार अपने-अपने अवॉर्ड लौटाने लगे हैं। इस मामले को लेकर बंगाल में सियासी माहौल गरमा गया है। इस घटना ने पूरे राज्य में आक्रोश पैदा कर दिया है। आम हो या खास कई लोग डॉक्टरों के साथ मिलकर सड़कों पर उतर आए हैं। अब बंगाली फिल्म और थियेटर के कलाकार भी इस विरोध में अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं।

सुदीप्त चक्रवर्ती, चंदन सेन और बिप्लब बनर्जी जैसे मझे हुए कलाकारों ने राज्य सरकार से मिले अवॉर्ड को वापस करना शुरू कर दिया। उनका कहना है कि सरकार ने जनता की भावनाओं और न्याय की मांग को नजरअंदाज किया है, जिससे वे बेहद आहत हैं।

ममता सरकार के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शन पर टीएमसी विधायक कंचन मलिक ने टिप्पणी करते हुए कहा कि जो कलाकार राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें राज्य सरकार से मिले सम्मान को वापस कर देना चाहिए। कंचन मलिक के इस बयान के बाद बंगाली कलाकारों का गुस्सा फूटा है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री सुदीप्तो चक्रवर्ती ने स्पेशल फिल्म अवार्ड लौटाने का फैसला किया है।

ममता की पुलिस ने माना, जाँच ठीक तरीके से नहीं हुई

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। कोलकाता के पुलिस कमिश्नर, विनीत गोयल ने आंदोलन कर रहे जूनियर डॉक्टरों के एक प्रतिनिधिमण्डल के सामने स्वीकार किया है कि सरकारी अस्पताल, आर.जी.कार मैडिकल कॉलेज में मृत डॉक्टर का शव मिलने के बाद पुलिस क्राइम सीन को सुरक्षित करने और मामले की जांच करने में असफल रही है।

आंदोलनकारी डॉक्टरों ने आज सैंट्रल कोलकाता के लाल बाज़ार क्षेत्र में स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय के बाहर धरना दिया। छात्रों को फियर्ज लेन तथा बैन्टिंक स्ट्रीट क्षेत्र में रोका गया तथा पुलिस मुख्यालय की तरफ बढ़ने नहीं दिया गया।

आंदोलनरत छात्र आज सैंट्रल कोलकाता में सड़कों पर बैठे रहे और पुलिस कमिश्नर के इस्तीफे की मांग की।

पुलिस ने अंततः 22 जूनियर डॉक्टरों को एक प्रतिनिधिमण्डल के रूप में पुलिस कमिश्नर से मिलने और उनके समक्ष अपनी मांगें रखने की इजाज़त दे दी। तथापि, डॉक्टरों ने अपना आंदोलन समाप्त करने से इन्कार कर दिया तथा न्याय की मांग करते रहे। उन्होंने कहा कि पुलिस या सी.बी.आई. ने अभी तक संदिग्ध लोग गिरफ्तार नहीं किए हैं तथा ये तत्व स्वतन्त्र घूम रहे हैं। ये प्रश्न उठ रहे हैं कि सरकार इन संदिग्धों तथा उनकी गिरफ्तारी के लिए ढाल का काम क्यों कर रही है?

- **कोलकाता के पुलिस कमिश्नर ने प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टर्स के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात की और स्वीकार किया कि पीड़िता का शव मिलने के बाद घटना स्थल की सुरक्षा करने व मामले की जाँच करने में पुलिस पूरी तरह से विफल हो गई है।**
- **जूनियर डॉक्टर्स मंगलवार को भी दिनभर सड़क पर बैठे रहे, उनकी माँग थी, कमिश्नर इस्तीफा दें।**
- **कमिश्नर से मुलाकात के बाद जूनियर डॉक्टर्स ने धरना तो खत्म कर दिया, पर, कहा कि न्याय मिलने तक विरोध प्रदर्शन व आंदोलन जारी रहेगा।**
- **इसी बीच ममता बनर्जी एक बिल लाई है, जिसमें रेप के अपराधी को त्वरित दंड का प्रावधान है। पर, जनता पर उनके इस कदम का असर नहीं हो रहा, क्योंकि रेप के मामलों में ममता बनर्जी का ट्रैक रिकॉर्ड बहुत खराब है और रेप पीड़िताओं के प्रति उनकी सोच बेहद निंदनीय रही है।**

ज्यादातर लोग इस समय विद्रोह के मूड में हैं तथा संदिग्धों की गिरफ्तारी की माँग कर रहे हैं। लोगों ने पास एरिया से लगे हुए पूर्वी महानगरों में असाधारण रूप से लम्बी मानव श्रृंखला आयोजित की।

इस बीच, राज्य सरकार रेप के अपराधियों को शीघ्र सजा दिलाने के लिए एक विधेयक लाई है। यह विधेयक ममता बनर्जी ने पेश किया। लेकिन सरकार के इस कदम का लोगों पर कोई खास प्रभाव नहीं हुआ है क्योंकि रेप-केसों की हैन्डलिंग में मुख्यमंत्री का ट्रैक-रिकॉर्ड बहुत अन्यायूर्ण ही रहा है।

आज डॉक्टरों ने अपने दिन की शुरूआत सुबह 5 बजे राष्ट्रगान से की। जूनियर डॉक्टरों के साथ राष्ट्रगान में शहर के कुछ अत्यधिक ख्यातिप्राप्त डॉक्टर भी शामिल थे। जब विरोध-प्रदर्शन करने वाले ये लोग राष्ट्रगान गा रहे थे तो बैरिकेड्स के दूसरी ओर खड़े पुलिसकर्मियों को भी उनके साथ "सावधान" की स्थिति में खड़ा होना पड़ा।

बंगाल सरकार तथा पुलिस किंकर्तव्यविमूढ़ हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त इन जूनियर डॉक्टरों द्वारा अत्यधिक सभ्य एवं शालीन तरीके से किए जा रहे विरोध के प्रति आखिर क्या प्रतिक्रिया दें। पुलिस ने लोहे की बड़ी-बड़ी छड़ों की चेन बनाकर एक फुट ऊँची दीवार खड़ी कर दी है तथा उसकी सुरक्षा के लिये बड़े-बड़े ताले लटका दिए हैं।

इसके अतिरिक्त, त्रिस्तरीय सुरक्षा के लिए लोहे के दण्ड तथा रेल लाइनें लगाई गई हैं जो मोटी-मोटी साँकलों से उसी प्रकार बाँध दी गई हैं तथा ऊपर ताले लगा दिए गए हैं।

लोहे की दीवारों के पुलिस बैरिकेड्स तथा सशस्त्र पुलिसकर्मियों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जूनियर डॉक्टर वहाँ के जाने-माने कवि काज़ी नज़रूल इस्लाम के प्रसिद्ध गीत को गाते रहते हैं, जिसका भावार्थ है-"जेलों की लोहे की दीवारों को तोड़ दो, स्वतन्त्र हो जाओ।"

अन्तर्राष्ट्रीय निवेश लाने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को आयोजित हो रही "राइज़िंग राजस्थान" समिट प्रदेश में निवेश के नए द्वार खोलेगी।

उन्होंने कहा कि समिट के माध्यम से निवेशकों को न केवल प्रदेश की औद्योगिक विकास क्षमता से रूबरू होने का अवसर मिलेगा, अपितु वे विकसितराजस्थान की यात्रा में मजबूत साझेदार बन सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि समिट में निवेश के लिए भाग लेने वाले प्रतिभागी देशों के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। रोड-शो एवं अन्य निवेश संबंधी गतिविधियों के संदर्भ में सामंजस्य स्थापित करने के लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त किये जाएं। उन्होंने कहा कि इस इन्वेस्टमेंट समिट का उद्देश्य देशी-विदेशी कंपनियों, अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित करना है।

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अठावाल, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, प्रबन्ध निदेशक रीको शिवप्रसाद नकाते सहित उच्च अधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908